सुविचार

उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो, न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए।

-बशीर बद्र

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Tuesday, 18 March 2025 ● Year : 03 ● Issue : 62 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

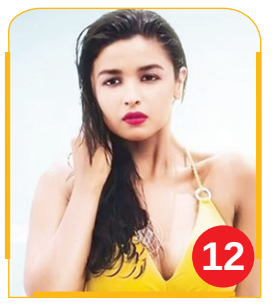

12

Alia Bhatt Tells Kareena...

न्यूजीलैंड में भारत विरोधी गतिविधियों पर मोदी ने प्रधानमंत्री लक्सन को चिंता से कराया अवगत

NEW DELHI @ PTI : सोमवार को भारत और न्यूजीलैंड ने अपने रक्षा एवं सुरक्षा संबंधों को संस्थागत रूप देने के लिए एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न्यूजीलैंड के अपने समकक्ष क्रिस्टोफर लक्सन को उनके देश में कुछ गैरकानूनी तत्वों द्वारा भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम दिए जाने पर चिंता से अवगत कराया। मोदी और लक्सन के बीच वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने शिक्षा, खेल, कृषि और जलवायु परिवर्तन सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए तथा रक्षा उद्योग क्षेत्र में सहयोग के लिए खाका तैयार करने का निर्णय लिया।

दोनों देशों ने रक्षा व सुरक्षा संबंधों को संस्थागत रूप देने के लिए समझौते पर किए हस्ताक्षर

संयुक्त वक्तव्य में दोनों नेताओं ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र का समर्थन करने की दोहराई प्रतिबद्धता

कुशल कारीगरों की आवाजाही पर सहमति

संयुक्त वक्तव्य के अनुसार, व्यापार समझौते के लिए वार्ता के संदर्भ में, दोनों पक्षों ने पेशेवरों और कुशल कामगारों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने वाली व्यवस्था पर चर्चा शुरू करने को लेकर सहमति व्यक्त की, जिसका मुख्य उद्देश्य अनियमित प्रवास की चुनौती से निपटना है। बातचीत में मोदी ने 2019 में क्राइस्टचर्च में हुए आतंकवादी हमले और 26/11 मुंबई हमले का जिक्र करते हुए कहा कि किसी भी रूप में आतंकवाद अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा, आतंकवादी हमलों के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। हम आतंकवादी, अलगाववादी और कट्टरपंथी तत्वों के खिलाफ मिलकर सहयोग करना जारी रखेंगे। मोदी ने कहा, इस संदर्भ में हमने न्यूजीलैंड में कुछ गैरकानूनी तत्वों द्वारा भारत विरोधी गतिविधियों के बारे में अपनी चिंता साझा की।

राम जन्मभूमि में 6 अप्रैल को मनेगा जन्मोत्सव पर्व

AYODHYA : श्रीराम जन्मभूमि में 6 अप्रैल को राम लला का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा । श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की तरफ से श्रीराम जन्मोत्सव कार्यक्रम की सोमवार को रूपरेखा जारी कर दी है। ट्रस्ट द्वारा जारी कार्यक्रम के मुताबिक जन्मोत्सव में धार्मिक अनुष्ठान सुबह 9:30 बजे से शुरू हो जाएगा, सुबह 9:30 से 10:30 तक भगवान का अभिषेक होगा उसके बाद प्रातः 10:30 से 10:40 तक 10 मिनट भगवान का पर्दा रहेगा । सुबह 10:40 से भगवान राम लला का श्रृंगार शुरू हो जाएगा । 11:45 तक भगवान का श्रंगार होगा ।ट्रस्ट से मिली जानकारी के अनुसार श्रृंगार के दौरान अनवरत दर्शन चलता रहेगा । 11:45 पर पर्दा लगाया जाएगा। भगवान को 56 व्यंजनों का भोग समर्पित किया जाएगा । ठीक दोपहर 12 बजे राम लला का जन्मोत्सव होगा और भगवान राम लला के मस्तक पर भगवान सूर्यतिलक करेंगे, लगभग 4 मिनट तक भगवान के सूर्य तिलक का दौर चलेगा।

रघुवर कैबिनेट के पांच मंत्रियों की संपत्ति जांच की पीआईएल खारिज

- साल 2020 में सामाजिक कार्यकर्ता पंकज यादव ने दाखिल की थी जनहित याचिका
- जुलाई 2023 में हेमंत सरकार ने पांचों पूर्व मंत्रियों के खिलाफ एसीबी जांच की दी थी मंजूरी

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को झारखंड हाई कोर्ट में रघुवर सरकार के पांच पूर्व मंत्रियों की आय से अधिक संपत्ति मामले की जांच को लेकर दायर जनहित याचिका सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव की बेंच ने पंकज यादव की याचिका खारिज कर दी। बता दें कि वर्ष 2020 में सोशल एक्टिविस्ट पंकज कुमार यादव ने जनहित याचिका दायर कर पूर्व मंत्री अमर कुमार बाउरी, नीरा यादव, नीलकंठ सिंह मुंडा, लुइस मरांडी और रणधीर सिंह के खिलाफ आय से अधिक संपति होने का आरोप लगाया था। साथ ही इस मामले की जांच भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) से कराने की मांग की थी। जुलाई 2023 में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कैबिनेट से पांचों पूर्व मंत्रियों के खिलाफ एसीबी जांच की स्वीकृति भी दे दी थी। इसके बाद एसीबी ने पूर्व मंत्रियो के खिलाफ जांच की, जिसमें पंकज यादव की शिकायत को सत्य पाया गया था।

एसीबी ने पूर्व मंत्रियों को भेजा था नोटिस : एसीबी ने इस मामले में पीई दर्ज कर पूर्व मंत्रियों और शिकायतकर्ता को नोटिस भी भेजा था। वहीं,अब जनहित याचिका खारिज होने से उक्त पांच लोगों को बड़ी राहत मिली है। उल्लेखनीय है कि लुईस मरांडी फिलहाल झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की विधायक हैं।

हाईकोर्ट ने भाजपा नेताओं के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने का दिया आदेश

सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट से पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मंत्री अमर कुमार बाउरी, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा, सांसद दीपक प्रकाश, सांसद ढुल्लू महतो युवा मोर्चा के अध्यक्ष शशांक राज और रमेश सिंह समेत 18 नेताओ को बड़ी राहत मिली। हाईकोर्ट ने मोरहाबादी में भाजपा के कार्यक्रम के दौरान पुलिस के साथ झड़प मामले में दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने का आदेश दिया है। दरअसल पिछले वर्ष अगस्त महीने में भाजपा के युवा आक्रोश मार्च में हुए उपद्रव के बाद उक्त सभी लोगों समेत दस हजार अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोपियों पर उपद्रव करने, दंगा भड़काने, सरकार के निदेर्शों का

उल्लंघन करने, सरकारी कार्य में बाधा डालने, अपराध के लिए उकसाने और दूसरे व्यक्ति को नुकसान पहुंचाने से संबंधित धाराएं लगायी गयी थी। लालपुर थाना में इस संबंध में कांड संख्या 203/2024 दर्ज की गई थी। इसके विरुद्ध हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में हुई। प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव, पार्थ जालान और शिवानी ने बहस की।

इफ्तार (मंगलवार): 06:01

सेहरी (बुधवार) : 04:36

SHARE

सेंसेक्स	:	74,169.95
निफ्टी	:	22,509.65

SARAFA

सोना	:	8,400
चांदी	:	113.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पिता देबेंद्र प्रधान का निधन

CHENNAI : सोमवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पिता एवं

पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. देबेंद्र प्रधान का 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली में धर्मेंद्र प्रधान के सरकारी आवास पर अंतिम सांस ली। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री रहे डॉ. देबेंद्र प्रधान एक प्रशंसित राजनेता थे और ओडिशा में उनका बहुत सम्मान था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के आवास पर जाकर पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. देबेंद्र प्रधान को श्रद्धांजलि दी। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. प्रधान के निधन पर शोक व्यक्त किया।

नहीं रहीं एक्ट्रेस और हास्य कलाकार बिंदु घोष

CHENNAI : तमिल सिनेमा की प्रसिद्ध हास्य कलाकार और अभिनेत्री बिंदु घोष का 76 साल की उम्र में निधन हो गया

है। वे काफी समय से उम्र संबंधित बीमारियों से जूझ रही थीं और बीती रात चेन्नई के एक निजी अस्पताल में उनका निधन हो गया। सोमवार को उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। इसमें उनके परिवार, करीबी दोस्तों और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई बड़े कलाकार शामिल हुए। बिंदु घोष ने अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई थी, और उनकी अदाकारी को हमेशा याद किया जाएगा।

दर्दनाक : तेज लपटों के कारण भाग नहीं सके, मृतकों में दो सगे भाई-बहन

पुआल में अचानक लगी आग खेल रहे चार बच्चे जिंदा जले

PHOTON NEWS CHAIBASA : सोमवार की सुबह पश्चिमी सिंहभूम जिला (चाईबासा) में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के गीतिलिपि में पुआल में खेल रहे चार बच्चों की आग में जलकर मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बच्चे 11 बजे के करीब घर के पास रखे पुआल में खेल रहे थे। इसी बीच आग लग गई। पुआल सूखा होने की वजह से उसमें तेजी से आग फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही जगन्नाथपुर थाना पुलिस वहां पहुंची। पुलिस के अनुसार, गीतिलिपि गांव में पुआल में आग लग गई। इसकी चपेट में आकर दो भाई-बहन समेत 4 बच्चे जिंदा जल गए। सभी बच्चे पुआल में ही खेल रहे थे। बुरी तरह जल चुके सभी बच्चों के शवों को निकालने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

मृतकों में तीन लड़के और एक लड़की, सबकी उम्र 2 से 5 साल के बीच

- पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के गीतिलिपि गांव में हुई दिल दहला देने वाली घटना
- जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस, पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए शव
- पुलिस ने कहा- मामले की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी कि पुआल में आग कैसे लगी
- एक साथ 4 मासूमों की मौत से पूरे इलाके में शोक की लहर, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

खलिहान में खेल रहे थे सभी बच्चे

जिंदा जले सभी बच्चों की उम्र 2 से 5 साल के बीच है। मृतकों में 3 लड़के और एक लड़की हैं। बच्चों की पहचान अर्जुन चातर के बेटे प्रिंस चातर (5), चंद्रमोहन सिंकू के पुत्र साहिल सिंकू, (5), सुखराम सुंडी की बेटी भूमिका सुंडी (5) और बेटे रोहित सुंडी (2) के रूप में हुई है। ये सभी बच्चे खलिहान में खेल रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस सहित प्रशासनिक अफसर मौके पर पहुंचे। एक साथ 4 मासूमों की मौत की घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर है। जिस गांव में घटना हुई है, वह ओडिशा की सीमा से सटा है।

> चारों बच्चे नाबालिक थे। इस मामले की एडीसी प्रवीण किस्टोप्पा के नेतृत्व में एक जांच टीम गठित कर दी गई है, ताकि आग लगने के कारणों का पता चल सके।
>
> **आशुतोष शेखर**, एसपी, प. सिंहभूम

हादसे के वक्त आसपास नहीं था कोई ग्रामीण

पुलिस ने कहा है कि घटना के वक्त वहां कोई ऐसा व्यक्ति मौजूद नहीं था, जो इन मासूमों को बचा लेता। जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी कि पुआल में आग कैसे लगी और बच्चे जब उसकी चपेट में आए, तो उनकी मदद करने के लिए कोई क्यों नहीं आया। ग्रामीणों ने बताया कि जहां घटना घटी है, उस जगह पर बच्चे अक्सर खेला करते थे। किसी ने सोचा भी नहीं था कि इस तरह का हादसा हो जाएगा। हालांकि ग्रामीण भी इस बात की चर्चा कर रहे हैं कि पुआल में आग कैसे लग गई। बताया जा रहा है कि मृतक बच्चों में दो की मां जंगल गई हुई थी। अर्जुन चातर और सुखराम सुंडी भुवनेश्वर काम करने गए हुए हैं।

अगले तीन दिनों तक वर्षा की संभावना

अचानक फिर बदला मौसम का मूड, शुरू हो गई बारिश

PHOTON NEWS RANCHI : पिछले कुछ दिनों से मार्च में ही तापमान बहुत अधिक बढ़ गया था। दिन की गर्मी से लोग परेशान होने लगे थे। सोमवार को सुबह से ही अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। राजधानी रांची सहित झारखंड के कई इलाकों में दोपहर के समय लगभग दो बजे कहीं बूंदाबांदी तो कहीं मध्यम दर्जे की बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के अलग-अलग हिस्सों में कल से अगले 3 दिनों तक बारिश की संभावना है।

- आज आकाश में छाए रहेंगे आंशिक बादल शुष्क बना रहेगा वेदर
- सबसे गर्म रहा चाईबासा जिला, 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा अधिकतम तापमान

अमृतसर मंदिर पर ग्रेनेड हमले का आरोपी मुठभेड़ में ढेर, साथी फरार

CHANDIGARH : सोमवार को पंजाब पुलिस ने दो दिन पहले अमृतसर के मंदिर पर ग्रेनेड हमला करने के आरोपी को खंडखाला इलाके में एक मुठभेड़ में ढेर कर दिया, जबकि हमले का एक अन्य आरोपित मौके से फरार हो गया। बदमाशों की फायरिंग में एक कांस्टेबल घायल हुआ है। पुलिस फरार बदमाश को तलाश कर रही है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोमवार को बताया कि 15 मार्च की रात अमृतसर के ठाकरद्वारा मंदिर पर ग्रेनेड हमला किया गया था। अमृतसर में इस मामले की एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू दी। जांच के दौरान एसएचओ छेहर्टा को अपराध में इस्तेमाल की गई बाइक के बारे में एक विश्वसनीय जानकारी मिली थी।

लगातार निकल रहा धुआं, आसपास के लोगों को हो रही परेशानी

3 दिनों से फुलोझड़ी पहाड़ पर धधक रही आग

PHOTON NEWS DEOGHAR : सामान्य रूप से जंगल के एरिया में जब कभी आग लगती है तो वह तेजी से फैलती है और इसे बुझाना मुश्किल हो जाता है। देवघर जिले के पालोजोड़ी प्रखंड के फुलजोड़ी पहाड़ पर पिछले तीन दिनों से आग धधक रही है। इस वजह से 3 किलोमीटर के इलाके में रहने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग से निकल रहे धुएं के कारण लोगों को अधिक परेशानी हो रही है। बड़े क्षेत्र में विजिबिलिटी कम हो गई है। वन विभाग की ओर से कर्मचारियों को आग पर काबू पाने के लिए भेजा गया है। स्थानीय लोग भी अपने प्रयास से आग बुझाने का प्रयास कर रहे हैं।

3 किलोमीटर तक के पूरे इलाके में कम हो गई है विजिबिलिटी

- स्थानीय लोगों के साथ मिलकर आग बुझाने की कोशिश कर रहे वन विभाग के कर्मी
- पहाड़ की लंबाई अधिक होने के कारण आग पर काबू पाने में हो रही कठिनाई

मुख्य सड़क के किनारे स्थित है पहाड़ी

देवघर से पालोजोड़ी जाने वाले लोग भी आग से निकल रहे धुएं से परेशान हैं, क्योंकि यह पहाड़ी मुख्य सड़क के किनारे स्थित है। इसके कारण आम राहगीरों को भी परेशानी हो रही है। कई राहगीरों ने बताया कि पहाड़ी पर लगी आग के कारण करीब तीन किलोमीटर तक विजिबिलिटी कम हो गई है, क्योंकि यह पहाड़ सारठ पालजोड़ी मुख्य सड़क पर स्थित है।

होली के समय ग्रामीणों ने जलाए थे पत्ते

वन विभाग के अधिकारी आशुतोष कुमार ने बताया कि कुछ स्थानीय ग्रामीणों ने पहाड़ पर होली मनाते हुए पत्ते जलाए थे। इससे आग की लपटें बढ़ती चली गईं। वनरक्षी आशुतोष कुमार ने बताया कि आग की सूचना मिलने के बाद वन विभाग के कर्मचारियों को आग बुझाने के लिए भेजा गया है। आग बुझाने के लिए लगातार फायर ब्रिगेड से भी संपर्क किया जा रहा है। वनरक्षी भी लगातार आग पर काबू पाने के लिए अलग-अलग इलाकों का दौरा कर रहे हैं, ताकि आग को पूरी तरह से बुझाया जा सके।

संकट के संकेत जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न हो रही भयावह स्थिति

कई राज्यों में सामान्य से अधिक होगी गर्मी, बढ़ेंगे लू के मामले

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : मानवीय गतिविधियों के कारण प्राकृतिक संतुलन पर असर पड़ रहा है। एक तरफ समुद्र के पानी का स्तर बढ़ रहा है, क्योंकि पहाड़ी इलाकों में बर्फ के पिघलने की गति तेज हो गई है, तो दूसरी ओर मैदानी इलाकों में सामान्य से अधिक गर्मी समय के पहले पड़ रही है। इस स्थिति का असर पूरे विश्व पर पड़ रहा है। इससे भारत भी अछूता नहीं है। भारतीय मौसम विभाग इंडियन मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट (आईएमडी) ने मार्च में ही 13 राज्यों में सामान्य से अधिक तापमान और गर्म हवाएं चलने का अनुमान लगाया है। इसके कारण हीट स्ट्रोक (लू) के मामले बढ़ सकते हैं। लू की चपेट में आकर अस्पताल पहुंचने पर सबसे पहले मरीज को ठंडा किया जाता है, लेकिन देश के 100 में से 68 अस्पतालों में आपातकालीन शीतलता का इंतजाम नहीं है। यहां तक कि एसी-कूलर की भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं हैं। इनकी मदद से मरीजों को थोड़ा-बहुत ठंडा तापमान देकर राहत दिलाई जा सके।

पारिस्थितिकी तंत्र को हो रहे नुकसान के कारण विषम परिस्थितियों के बन रहे हालात

आईएमडी ने देश के 13 राज्यों में समय के पहले लू के बढ़ने की जताई आशंका

- झारखंड सहित उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में पड़ेगी अधिक गर्मी
- महिलाओं की अपेक्षा पुरुषों पर बढ़ती गर्मी का पड़ता है अधिक प्रभाव
- हीट वेव से निपटने के लिए 68% अस्पतालों में अधूरी है तैयारी

आपातकालीन शीतलता के इंतजाम का अभाव, एसी-कूलर की भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं

एनपीसीसीएचएच ने जारी की रिपोर्ट

केंद्र सरकार के जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीसीएचएच) ने हाल ही में गर्मीऔर स्वास्थ्य तैयारी एवं प्रतिक्रिया गतिविधियां नामक रिपोर्ट जारी की है। इसके मुताबिक 12 अप्रैल से 31 जुलाई 2024 के बीच भारत के अलग-अलग राज्यों से 5069 सरकारी अस्पतालों में गर्मी से निपटने के इंतजामों की समीक्षा की गई।

स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना कठिन

रिपोर्ट में इस तथ्य का खुलासा हुआ है कि 68 फीसदी में से 47 फीसदी के पास जरूरी निदान उपकरण तक उपलब्ध नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्र के अस्पतालों में भीषण गर्मी की चपेट में आने वालों को समय रहते स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना मुश्किल हो सकता है, क्योंकि यहां के अस्पतालों के पास शीतलता वाले यंत्रों का सबसे ज्यादा अभाव है। 74 फीसदी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के पास एसी या कूलर नहीं हैं। वहीं, 60 फीसदी सामुदायिक केंद्र, 53 फीसदी उप जिला अस्पताल और 49 फीसदी जिला अस्पतालों में यह सुविधा नहीं पाई गई। इमरजेंसी कूलिंग व्यवस्था की जांच के साथ-साथ एनपीसीसीएचएच ने एक मार्च से 31 जुलाई 2024 तक गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल के 2074 अस्पतालों में जांच की।

दिल्ली-एनसीआर में अवैध रूप से रह रहे 7 बांग्लादेशी अरेस्ट

NEW DELHI : पूर्वी दिल्ली जिले की स्पेशल स्टाफ व एंटी नारकोटिक्स स्क्वॉड की संयुक्त टीम ने दिल्ली-एनसीआर में रह रहे सात अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान दिलावर खान, ब्यूटी बेगम, रफीकुल, तौहीद, मोहम्मद अजहर, जाकिर मलिक और एक नाबालिग के रूप में हुई है। पुलिस ने इन सभी को लक्ष्मी नगर, लाजपत नगर, कृष्णा नगर, सीमापुरी (दिल्ली) और गाजियाबाद (उप्र) के शालीमार गार्डन में छापेमारी करके पकड़ा है। पुलिस ने फिलहाल विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) दिल्ली की मदद से सभी को डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पूछताछ में दिलावर खान ने पहले झूठा दावा किया कि वह पश्चिम बंगाल का निवासी है। हालांकि, लगातार पूछताछ और सत्यापन के बाद उसकी असली पहचान गांव मोरेलगंज बांग्लादेश के रूप में हुई।

महाराष्ट्र कुश्ती संघ की याचिका पर सुनवाई

बीमार संस्थाएं हैं खेल संघ खेल जैसा कुछ नहीं : SC

AGENCY NEW DELHI : सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र कुश्ती संघ की याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान देश में खेल संघों के मौजूदा हालात पर कड़ी नाराजगी जताई। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिस्वर सिंह की पीठ ने कहा कि इन सभी खेल संघों में खेल जैसा कुछ नहीं है। सभी बीमार संस्थाएं हैं। हमें नहीं पता कि वे किसके लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस टिप्पणी से सुप्रीम कोर्ट की खेल संघों के संचालन और प्रशासन पर बढ़ती चिंता जाहिर होती है। सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी इन संगठनों में राजनेताओं, रिटायर नौकरशाहों और रिटायर जजों के प्रभुत्व की आलोचना की है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रशासनिक भूमिकाओं में वास्तविक खेल पृष्ठभूमि वाले लोगों को शामिल करने की वकालत की है। सुप्रीम कोर्ट ने खेल संघों के चुनाव प्रक्रियाओं में शुद्धता, निष्पक्षता, स्वायत्तता और स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए कड़े उपाय लागू करने की जरूरत पर जोर दिया।

- प्रशासनिक भूमिकाओं में वास्तविक खेल पृष्ठभूमि वाले लोगों को शामिल करने पर कोर्ट ने दिया जोर

BRIEF NEWS

यूसिल की हॉकी टीम जाएगी राजस्थान

JADUGORA : ऑल इंडिया डीएई की हॉकी प्रतियोगिता राजस्थान के रावतभाटा में 24 से 28 मार्च तक होगी। इसमें यूसिल की जादूगोड़ा कोणार्क टीम भाग लेगी। टीम 21 मार्च को जादूगोड़ा से रवाना होगी। इसके लिए यूसिल की हॉकी टीम के खिलाड़ियों में तपन कुमार माझी, नरेश मुर्मू, सुंदर सिंह, वीरेंद्र हेंब्रम, भरत सिंह, मंगल किस्कू, दुर्गा हांसदा,आर एन किस्कू सहित अन्य शामिल हैं। खिलाड़ियों ने बताया कि वे अपने खर्च से स्पोर्ट्स शू समेत अन्य व्यवस्था कर अभ्यास में जुटे हैं।

123 विद्यालयों में योगात्मक मूल्यांकन परीक्षा शुरू

KHUNTI : खूंटी प्रखंड के 123 विद्यालयों में सोमवार से योगात्मक मूल्यांकन परीक्षा शुरू हुई। परीक्षा का समापन 19 मार्च को होगा। सोमवार को हिंदी तथा विज्ञान विषय की परीक्षा हुई। 18 और 19 मार्च को गणित, संस्कृत, अंग्रेजी तथा सामाजिक विज्ञान की परीक्षा होगी। परीक्षा प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी के नेतृत्व में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रखंड साधन सेवी संकुल साधन सेवी सभी विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रधान शिक्षक की निगरानी में कदाचार मुक्त आयोजित किया जा रहा है।

कर्जन ग्राउंड में आज से लगेगा उद्योग विभाग का मेला

HAZARIBAG : हजारीबाग के कर्जन ग्राउंड में 18 व 19 मार्च को जिला प्रशासन एवं जिला उद्योग केंद्र के तत्वाधान में मेला लगाया जाएगा, जिसमें हजारीबाग के अलावा राज्य के 14 जिलों की भागीदारी होगी। इन जिलों से पीएमएफएमई के अंतर्गत वित्त पोषित इकाइयों के उत्कृष्ट उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

पत्नी ने जहर खाकर कर ली खुदकुशी

KHUNTI : तोरपा थाना क्षेत्र की सोनपुरगढ़ मुंडा टोली में रविवार देर रात को पति-पत्नी के झगड़े के बाद पत्नी ने जहर खाकर खुदकुशी कर ली। जानकारी के अनुसार कुंवारी भेंगरा (40) अपने पति महादेव भेंगरा उर्फ घूरा के साथ रविवार को सोनपुरगढ़ के साप्ताहिक बाजार गई थी। वहां दोनों हंड़िया पीकर रात में घर पहुंचे। उसके बाद किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। आवेश में आकर कुंवारी घर मे रखी कीटनाशक दवा खाकर सो गई। देर रात को जब पति को होश आया, तो तुरंत वह कुंवारी को सदर अस्पताल खूंटी ले गया। लेकिन तब तक कुंवारी की मौत हो चुकी थी। सोमवार को पोस्टमार्टम कराकर पुलिस ने परिजनों को शव सौंप दिया। इस मामले को लेकर पुलिस जांच में जुटी हुई है।

संसद में उठा श्रमिकों की छंटनी का मामला

CHAKRADHARPUR : सिंहभूम की सांसद जोबा मांझी ने सोमवार को अतारांकित प्रश्न के माध्यम से झारखंड में संविदा एवं आउटसोर्स श्रमिकों की छंटनी का मामला संसद में उठाया। सांसद ने श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

से जानकारी मांगी कि रोजगार उपलब्ध कराने की सरकार की प्रतिबद्धताओं के बावजूद पिछले दस वर्षों के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों एवं निजी क्षेत्रों में संविदा एवं आउटसोर्स पर कार्यरत कितने श्रमिकों की छंटनी की गई। उन्होंने पूछा कि क्या सरकार ने इस तथ्य पर गौर किया है कि झारखंड स्थित बोकारो स्टील प्लांट, सेल, सीमेंट, कोयला एवं परिवहन कंपनियों में छंटनी के कारण बड़े पैमाने पर बेरोजगारी पैदा हुई है, जो आदिवासी बहुल झारखंड के लिए अच्छा संकेत नहीं है। पूछा कि क्या सरकार ऐसी कंपनियों को श्रम कानूनों का सख्ती से पालन करने के लिए उचित कदम उठाने का निर्देश देने का विचार रखती है। सांसद के प्रश्न के उत्तर में श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा है कि औद्योगिक प्रतिष्ठानों में छंटनी से संबंधित मामले में सरकार की पूर्व अनुमति लेनी आवश्यक है।

एसडीओ ने मानकी-मुंडा से मांगा सहयोग

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिला के उपायुक्त के निर्देश पर सोमवार को अनुमंडल कार्यालय में एसडीओ-पोड़ाहाट श्रुति राजलक्ष्मी ने मानकी-मुंडा के साथ बैठक की। इसमें क्षेत्र की जन समस्याओं पर चर्चा के बाद आगामी त्योहार सरहुल, ईद और रामनवमी के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सहयोग की अपील की गई। एसडीओ ने सभी मानकी-मुंडा से त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने और किसी भी अफवाह या गलत सूचना से बचने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रशासन सभी त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करेगा और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। बैठक में मानकी-मुंडा ने भी प्रशासन को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

आपसी रंजिश में युवक को मारी गोली, झामुमो नेता सहित दो गिरफ्तार

पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र का मामला, लगे 45 छर्रे

AGENCY PALAMU : पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र के निमिया गांव में आपसी रंजिश में एक युवक को गोली करने का मामला सोमवार को प्रकाश में आया है। जख्मी धीरेंद्र कुमार सिंह (40) को गोली लगी है। एमआरएमसीएच में प्राथमिक उपचार करने के बाद धीरेंद्र सिंह को बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया गया है। धीरेंद्र के शरीर में 40 से 45 छर्रा लगा है। घटना का कारण पहले से विवाद बताया जाता है। घटना में इस्तेमाल अवैध हथियार 12 बोर का देशी कट्टा बरामद कर लिया गया है। इस सिलसिले में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के पाटन प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह (40) और विजय सिंह (55)

अस्पताल में इलाजरत घायल धीरेंद्र सिंह ● फोटोन न्यूज

को गिरफ्तार किया गया है। दोनों निमियां के रहने वाले हैं। मेदिनीनगर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मणि भूषण प्रसाद ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया है कि दोनों आरोपियों को जेल भेजने की तैयारी है। घटना में इस्तेमाल हथियार बरामद कर लिया गया है। पाटन के थाना प्रभारी लाल जी के अनुसार गोली का छर्रा लगने से जख्मी धीरेंद्र कुमार सिंह और गोली मारने वाले रंजीत सिंह और विजय सिंह पड़ोसी हैं। 20 से 25 मीटर की दूरी पर उनका घर है। घटना रविवार देर रात की है। गोली चलने से पहले रंजीत सिंह, विजय सिंह और धीरेंद्र सिंह के बीच पुराने विवाद को लेकर तू तू मैं मैं हुई। गाली गलौज के बाद गोली चली। गोली का छर्रा लगने से धीरेंद्र जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए एमआरएमसीएच में लाया गया। रात 11 बजे से लेकर 11:30 तक इलाज चला और फिर बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स भेज दिया गया। धीरेंद्र का बयान लेने के बाद स्पष्ट होगा कि गोली किसने चलाई। जिस हथियार से गोली चली वह अवैध है और उसे जब्त कर लिया गया है। दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा।

मारपीट में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत आरोपी गिरफ्तार

KHUNTI : अड़की थानांतर्गत रागोनोय गांव में गत गुरुवार की शाम आपसी विवाद में हुई मारपीट की घटना में गंभीर रूप से घायल उसी गांव के सीनू एंगा पूर्ति नामक युवक की खूंटी के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान रविवार को मौत हो गई। इस संबंध में मृतक की पत्नी की ओर से अड़की थाने में आरोपित लक्ष्मण एंगा पूर्ति के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित की निशानदेही पर पुलिस ने मारपीट में प्रयुक्त हॉकी स्टिक को बरामद कर लिया है। मृतक की पत्नी ने अपने लिखित आवेदन में कहा है कि गुरुवार की शाम उसके पति और आरोपित के बीच हुए आपसी विवाद के दौरान आरोपित लक्ष्मण एंगा पूर्ति ने उसके पति सीनू एंगा पूर्ति को हॉकी स्टिक से बुरी तरह मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था।

खूंटी में वज्रपात से महिला की मौत

KHUNTI : तपकारा थाना क्षेत्र के लतौली गांव में सोमवार को अपराह्न लगभग चार बजे हुए वज्रपात से बसंती गुड़िया नामक 35 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि उसकी एक वर्ष की बेटी लीली कंडुलना को खरोंच तक नहीं आई। बसंती गुड़िया तेलेस्फोर कंडुलना की पत्नी थी। मिली जानकारी के अनुसार बसंती गुड़िया की बेटी घर के आंगन में शौच कर रही थी। अचानक बारिश शुरू हुई, तो बसंती अपनी बेटी को लाने के लिए घर निकलकर अपने आंगन में पहुंची ही थी कि जोरदार आवाज के साथ वज्रपात हुआ, जिसकी चपेट में आकर बसंती की मौत हो गई।

हालांकि स्वजन उसे रेफरल अस्पताल तोरपा ले गये, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। तपकारा थाना प्रभारी नितेश गुप्ता ने बताया कि पुलिस शव को थाना ले आई है। मंगलवार को सदर अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे स्वजनों को सौंप दिया जाएगा।

सिविल सर्जन के खिलाफ हाई कोर्ट में रिट याचिका दाखिल, एक लाख रुपये रिश्वत मांगने का आरोप

झारखंड सरकार, अपर मुख्य सचिव व लिपिक संजीत कुमार सहाय को भी बनाया गया पक्षकार

PHOTON NEWS DHANBAD : सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी के स्थानांतरण के नाम पर एक लाख रुपये घूस मांगने का आरोप धनबाद के सिविल सर्जन डॉ. चंद्रभानु प्रतापन पर लगाया गया है। यह आरोप लगाते हुए धनबाद के कांग्रेस नेता और शिकायतकर्ता इजहार अहमद बिहारी ने हाई कोर्ट में रिट याचिका दाखिल की है। हाई कोर्ट ने याचिका स्वीकार कर लिया है। इजहर अहमद ने सिविल सर्जन डॉ. चंद्रभानु प्रतापन और सिविल सर्जन कार्यालय के लिपिक संजीत कुमार सहाय पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। दोनों पर कार्रवाई की मांग की गई है। इसके लिए शिकायतकर्ता इजहार अहमद बिहारी ने झारखंड सरकार और

> मामले की जानकारी नहीं है, यदि ऐसा है, तो इसका जवाब हाई कोर्ट में दिया जाएगा।
>
> – डॉ. सीवी प्रतापन
> सिविल सर्जन, धनबाद

स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव को भी पक्षकार बनाया है।

नोटिस का सिविल सर्जन ने नहीं दिया था जवाब : अपने प्रार्थना में इजहार अहमद बिहारी ने हाई कोर्ट को बताया है कि 23 जनवरी को अपने वकील रजनीश कुमार झा के माध्यम से सिविल सर्जन को लीगल नोटिस भेजा गया था। लेकिन पैसे मांगे जाने की मामले में उन्होंने लीगल नोटिस का कोई भी जवाब नहीं दिया। इसके बाद थक हार कर हाई कोर्ट का शरण लिया जा रहा है।

जानें क्या है मामला : धनबाद स्वास्थ्य विभाग में बड़े पैमाने पर सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी का तबादला किया गया था। इसमें सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी यशोदा देवी का भी तबादला कराना था। इजहार अहमद ने बताया कि यशोदा देवी के मामले को लेकर सिविल सर्जन से मिलने गए थे। उन्होंने बताया कि यहां एक लाख रुपये स्थानांतरण के लिए सिविल सर्जन ने मांग की। इसकी लिखित शिकायत उपायुक्त माधवी मिश्रा से की है। इजहार अहमद सिविल सर्जन के अलावा लिपिक संजीत कुमार पर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया है। यशोदा देवी को डरा धमका कर शांत कराया जा रहा है।

सरकार को बदनाम कर रहे हैं कर्मचारी : इजहार अहमद बिहारी ने कहा कि सरकारी सेवकों को घूस मांगना शोभा नहीं देता है। उनके साथ लिपिक संजीत कुमार भी शामिल है। ट्रांसफर-पोस्टिंग का जिम्मा सिविल सर्जन ने लिपिक संजीत को दिया है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार को ऐसे कर्मचारी और पदाधिकारी बदनाम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री समेत वरीय अधिकारियों को भी शिकायत की गई है।

समाहरणालय सभागार में बैठक करते सिविल सर्जन ● फोटोन न्यूज

स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों के कार्यों का होगा आकलन : सिविल सर्जन

HAZARIBAG : उपायुक्त नैन्सी सहाय के निर्देश पर सिविल सर्जन सरयू प्रसाद ने सोमवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक की। इसमें स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं सहित नियमित स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की गई। बैठक में सिविल सर्जन ने संबंधित पदाधिकारियों को समय पर गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच सुनिश्चित करने, उन्हें एंबुलेंस उपलब्ध कराने व संस्थागत प्रसव सहित अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध सुविधाओं को संचालित करने का निर्देश दिया। सिविल सर्जन ने संबंधित पदाधिकारियों से कहा कि वे नियमित रूप से अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करें। उन्होंने कहा कि सभी स्वास्थ्य कर्मी, चिकित्सक, नर्स, एएनएम आदि कर्मियों के कार्यों का समय-समय पर आकलन किया जाएगा। अगर वह अपने दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतते हैं, तो उन्हें चिह्नित कर उन पर कार्रवाई की जाएगी।

मानव तस्करी की शिकार हुई दो नाबालिग दिल्ली से रेस्क्यू

AGENCY KHUNTI : जिले के अड़की थाना क्षेत्र की दो नाबालिग लड़कियों का रविवार को दिल्ली के नेबसराय थाना क्षेत्र से रेस्क्यू किया गया। जानकारी के अनुसार उक्त दोनों लड़कियों को अच्छे काम का लालच देकर मानव तस्कर दिल्ली ले गए थे। दिल्ली में प्लेसमेंट एजेंसी वाले उन्हें दाई का काम करने के लिए अन्यत्र भेजने वाले थे। इसकी भनक लगते ही दोनों नाबालिग लड़कियां किसी प्रकार तस्करों के चंगुल से छूटकर भागने में सफल रही और एक लड़की ने अपने मोबाइल से इसकी सूचना झारखंड भवन के टोल फ्री नंबर पर देते हुए मदद की गुहार लगाई। सूचना मिलते ही नोडल ऑफिसर नचिकेता ने परामर्शी निर्मल खलखो, मिशन मुक्ति फाउंडेशन के सचिव वीरेंद्र कुमार सिंह और रेस्क्यू फाउंडेशन के अक्षय कुमार पांडे के साथ मिलकर पीड़िताओं के रेस्क्यू के प्रयास में जुट गई। पीड़िताओं के मोबाइल फोन का लाइव लोकेशन दिल्ली के नेबसराय थाना क्षेत्र में मिलने पर नेबसराय थाना पुलिस के सहयोग से पीड़िताओं को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। इस बीच पीड़िताओं को दिल्ली से खूंटी लाने और अग्रतर कार्रवाई के लिए उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर एक रेस्क्यू टीम खूंटी से दिल्ली रवाना हो गई है। टीम में बाल संरक्षण पदाधिकारी मो. अल्ताफ खान, महिला थाना प्रभारी फूलमनी टोप्पो, एएसआई रमजानुल हक, आरक्षी प्रिया कुमारी आदि शामिल हैं।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार युवक की मौत

KHUNTI : खूंटी-रांची रोड में मैनुगढ़ा के समीप रविवार देर शाम किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक पर सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को आसपास के लोगों द्वारा इलाज के लिए सदर अस्पताल खूंटी भेजा गया, जहां इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान खूंटी के कालामाटी गांव निवासी डेबा उरांव के वर्षीय पुत्र करमा उरांव (24) के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार करमा उरांव रविवार शाम डुंगरा बाजार से वापस अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। सोमवार को सदर अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस ने उसके परिजनों को शव सौंप दिया।

अंतरजिला महिला अंडर-19 क्रिकेट में धनबाद ने खूंटी को हराया

PHOTON NEWS CHAIBASA : झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के तत्वावधान में पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंतरजिला महिला अंडर-19 क्रिकेट प्रतियोगिता के ग्रुप-बी के उद्घाटन मैच में धनबाद ने खूंटी को एकतरफा मुकाबले में 148 रनों से पराजित कर पूरे चार अंक हासिल किए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए धनबाद की पूरी टीम 37 ओवर में 204 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। मध्यमक्रम की बल्लेबाज वृष्टि कुमारी ने 5 चौके एवं 1 छक्के की मदद से सर्वाधिक 48 रन बनाए। अन्य बल्लेबाजों में आयशा अली ने सात चौके की सहायता से 32 तथा अंजलि सोरेन ने 21 रनों का योगदान दिया। खूंटी की ओर से सपना कुमारी ने 48 रन देकर 3

मैच के बाद धनबाद की टीम ● फोटोन न्यूज

विकेट तथा काजल कुमारी ने 35 रन बनाकर 2 विकेट हासिल किए। सुनीका कुमारी और प्रीति कुमारी को एक-एक सफलता हाथ लगी। जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी खूंटी की पूरी टीम 23.2 ओवर में मात्र 56 रन पर सिमट गई। मजेदार बात ये कि इस 56 रन में भी कप्तान किरण उरांव ने 5 चौके एवं 1 छक्के की सहायता से 41 रन बनाए। अन्य कोई भी बल्लेबाज दहाई अंक तक नहीं पहुंच पाया। धनबाद की ओर से नेहा कुमारी ने घातक गेंदबाजी करते हुए मात्र 3 रन देकर 5 खिलाड़ियों को चलता किया। अंकिता मौर्या ने 3 तथा वृष्टि कुमारी ने 2 विकेट हासिल किए। मैच समाप्ति के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में धनबाद की नेहा कुमारी को उसकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया।

छह महीने से राशन नहीं लेने वालों का रद्द करें कार्ड : उपायुक्त

PHOTON NEWS LATEHAR : उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में सोमवार को आपूर्ति विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के सुचारू रूप से क्रियान्वयन को लेकर समाहरणालय सभागार में बैठक हुई। इसमें उपायुक्त ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी रश्मि लकड़ा को निर्देश दिया कि जो निष्क्रिय राशन कार्ड हैं, जिन्होंने लंबे समय से राशन का उठाव नही किया हो, विशेषकर पिछले 6 महीने से जिनके द्वारा राशन का उठाव नहीं किया गया है, वैसे लोगों को चिह्नित करते हुए उनका राशन कार्ड रद्द करने की कार्रवाई करें।

जिले में पीवीटीजी परिवारों को डाकिया योजना से दी जाने वाली राशन संबंधित समीक्षा क्रम में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि पीवीटीजी परिवारों को

बैठक को संबोधित करते उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ● फोटोन न्यूज

ससमय शत-प्रतिशत डाकिया योजना का लाभ मिले, इसे सुनिश्चित करें। सोना-सोबरन धोती साड़ी योजना के सभी लाभुकों को शत प्रतिशत लाभान्वित किया जाए। बीएसओ व डीएसओ लॉगिन में लंबित मामलों को अविलंब निष्पादित करें। इससे पूर्व उपायुक्त ने एनएफएसए के तहत फरवरी और मार्च में किए गए खाद्यान्न वितरण की जानकारी लेते हुए लक्ष्य के अनुकूल काम न कर पाने वाले प्रखंडों पर नाराजगी जताते हुए खाद्य वितरण के कार्यों में सुधार लाने का सख्त निर्देश दिया। बैठक में जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन व एमओ भी उपस्थित थे।

बड़े पैमाने पर कोयला उत्खनन करने के लिए तस्करों ने बना दिए थे 13 अवैध रैट होल

केबीपी परियोजना से दो मिलियन टन कोयले की चोरी

PHOTON NEWS RAMGARH : झारखंड की बड़ी परियोजना कोतरे बसंतपुर पचमो में माइनिंग जल्द शुरू हो जाएगा। रामगढ़ जिले के वेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र अंतर्गत बसंतपुर इलाके में पावर मेक प्रोजेक्ट की सब्सिडियरी कंपनी केबीपी माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड जल्द ही यहां ओबी हटाकर कोयले का उत्पादन शुरू कर देगी।

जिस जगह यह कार्य होने जा रहा है वहां कोयला तस्करों का गढ़ था। इस इलाके से अभी तक दो मिलियन टन कोयले की चोरी कर ली गई है। इतने बड़े पैमाने पर कोयला उत्खनन करने के लिए तस्करों ने 13 अवैध रैट होल बना दिए थे। सीसीएल, जिला प्रशासन और वन विभाग के ज्वाइंट ऑपरेशन में तस्करों के अवैध माइंस को ध्वस्त कर दिया गया। सीसीएल प्रबंधन ने

कोयला खदान में विस्फोट का दृश्य ● फोटोन न्यूज

आशंका जाहिर की है कि तस्करों ने यहां से करोड़ों रुपए के कोयले निकाले, जिससे सरकार को भारी नुकसान हुआ है।

जानकारी के अनुसार बसंतपुर इलाके से रोजाना लगभग 100 ट्रैक्टर कोयला चोरी की जाती थी। सूत्रों के अनुसार, जब अवैध खनन अपने चरम पर था, तो हर दिन लगभग 100 ट्रैक्टर (300 टन) कोयला चोरी हो रहा था। इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि लगभग 54000 टन कोयले की तस्करी हर वर्ष हो रही थी। मानसून के कारण इन अवैध भूमिगत खदानों में कुछ महीनों के लिए खनन रुकता था। साल में औसतन 180 दिन खनन होता था, जिससे सालाना 54,000 टन कोयला चोरी हो रहा था। चार दशक में 1.5 से 2 मिलियन टन कोयले के नुकसान होने की बात कही जा रही है।

प्रशासन ने अवैध कोयला माफिया पर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। 27 फरवरी से 10 मार्च तक चले इस विशेष अभियान में 13 अवैध भूमिगत खदानों को ध्वस्त किया गया। लगभग 3,000 किलोग्राम विस्फोटकों का उपयोग हुआ। विस्फोट से पहले स्थानीय लोगों को लाउडस्पीकर के जरिए सतर्क किया गया। प्रशासन ने सुरक्षा प्राथमिकता रखते हुए यह सुनिश्चित किया कि कोई जनहानि न हो। रामगढ़ डीसी चंदन कुमार ने सोमवार को बताया कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक अवैध खदानों को पूरी तरह बंद नहीं कर दिया जाता।

BRIEF NEWS

एक्सआईएसएस में रक्तदान शिविर, सदर को दिया गया 15 यूनिट खून

RANCHI : सोमवार को जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) और रोटरैक्ट क्लब ऑफ सोशल रिवोल्यूशन ने रोटरी क्लब ऑफ रांची मिडटाउन व सदर अस्पताल के सहयोग से परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस दौरान डोनर्स ने 15 यूनिट रक्तदान किया। ये ब्लड बैंक को दे दिया गया। इससे पहले कार्यक्रम का उद्घाटन एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ. जोसफ मारियानुस कुजूर ने किया। जिसमें रोटरी क्लब के उपाध्यक्ष रोटेरियन राजेश प्रशांत, सचिव भूपेंद्र सिंह जग्गी, सदर अस्पताल की डॉ नीलम वर्मा और रोटरैक्ट क्लब के अध्यक्ष अभिषेक तिर्की समेत अन्य सदस्य मौजूद थे। निदेशक ने कहा कि एक्सआईएसएस समाज के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। रोटरी क्लब के उपाध्यक्ष राजेश प्रशांत ने कहा कि एक यूनिट रक्तदान से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है। इसलिए लोगों को अधिक इस अभियान से जुड़ना चाहिए। शिविर में छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

एलआरडीसी कोर्ट ने नगड़ी सीओ को जारी किया शोकॉज

RANCHI : एलआरडीसी कोर्ट ने नगड़ी सीओ को जमीन म्युटेशन नहीं करने के एक मामले में शोकॉज किया है। यह मामला एलआरडीसी कोर्ट मामला संख्या 292आर 15/2022-23 से संबंधित है। मामले में अधिवक्ता विजयलक्ष्मी ने सोमवार को बताया कि उनकी मुवक्किल मधुबाला की पुंदाग में पांच कटठा जमीन है, लेकिन इसका म्युटेशन तत्कालीन सीओ की ओर से यह कहकर लटकाया गया कि उक्त प्लॉट आदिवासी से जुड़ा है और इस प्लॉट में शेष जमीन नहीं है। सीओ की ओर से बार-बार म्युटेशन को टालने के बाद मधुबाला ने हाई कोर्ट में अपील दायर की और पुनः एलआरडीसी कोर्ट में म्युटेशन के लिए आवेदन दिया। इसके बाद एलआरडीसी कोर्ट ने तत्कालीन सीओ को शोकॉज किया है।

सुतारा आर्ट स्टूडियो की प्रदर्शनी कल से

RANCHI : सुतारा आर्ट स्टूडियो के तत्वावधान में ग्राफिक और प्रिंट मेकिंग वर्कशाप और प्रदर्शनी का आयोजन 19 मार्च से किया जा रहा है। प्रदर्शनी में लोग 20 से 24 मार्च तक प्रवेश कर सकेंगे। सुतारा आर्ट स्टूडियो की संचालिका हेमलता ने बताया कि वर्कशाप में हिस्सा लेने वाले कलाकार नई तकनीक का अभ्यास करेंगे और इन कलाकारों की कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। प्रदर्शनी का आयोजन कांके रोड स्थित सीएमपीडीआई मुख्यालय के निकट सुरेंद्र प्रसाद के ऑरा आर्ट एकेडमी में किया जा रहा है। प्रदर्शन का उद्घाटन 19 मार्च की शाम चार बजे होगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों में अजित दुबे, हरेंद्र सिन्हा, पीएन सिंह, आशीष शीतल मुंडा, रामानुज शंकर, विनोद रंजन और दीपांकर करमकार उपस्थित रहेंगे।

आई डोनेशन की कारगर व्यवस्था के काम में तेजी से सुधार होने की जगी उम्मीद

अब रिम्स में लेटेस्ट टेक्नोलॉजी से होने लगी आंखों की सर्जरी

एलवी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट हैदराबाद के साथ किया गया है एमओयू

7 सालों में 145 मरीजों का किया जा चुका है कॉर्निया ट्रांसप्लांट

हाईटेक मशीन के साथ मैनपावर भी उपलब्ध कराएगा आई इंस्टीट्यूट

VIVEK SHARMA RANCHI : राज्य के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल रिम्स में प्रबंधन व्यवस्था सुधारने को लेकर तेजी से काम कर रहा है। इस बीच इलाज के लिए आने वाले मरीजों को बड़ी राहत मिलने वाली है। एक तरफ जहां कॉर्निया ट्रांसप्लांट में तेजी आएगी, वहीं लेटेस्ट तकनीक से आंखों की सर्जरी भी की जाएगी। बता दें कि रिम्स कैंपस में बन रहा रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थॉल्मोलॉजी (आरआईओ) का भवन हैंडओवर होने वाला है। इसके बाद झारखंड के अलावा अन्य राज्यों से आने वाले मरीजों को भी आंखों से जुड़ी हर समस्या का इलाज होगा।

2018 में शुरू हुआ था कॉर्निया ट्रांसप्लांट : रिम्स ने 2018 में पहला कॉर्निया ट्रांसप्लांट किया था। तब से अब तक 145 ट्रांसप्लांट किए हैं। रिम्स ने इसे बढ़ाने के लिए जुलाई 2024 में एलवी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट हैदराबाद के साथ एमओयू किए हैं। इस एमओयू के बाद आई डोनेशन में सुधार होने की उम्मीद है। रिम्स के पीआरओ ने बताया कि नई व्यवस्था से मरीजों को राहत मिलेगी। आई डोनेशन को लेकर भी लोगों को जागरूक किया जाएगा। हाईटेक मशीन के साथ मैनपावर भी उपलब्ध कराने में एलवी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट सहयोग करेगा।

लोगों को जीवन में मिल रही रोशनी : अप्रैल 2024 से फरवरी 2025 तक रिम्स में कुल 70 आई डोनेशन दर्ज किए गए हैं। इनमें से 60 कॉर्निया अस्पताल में इलाज के दौरान मौत के बाद प्राप्त किए गए हैं। 47 ब्लाइंड लोगों को इन दान किए गए कॉर्निया से ट्रांसप्लांट के जरिए आंखों की रोशनी का उपहार मिला, जबकि बाकी कॉर्निया का उपयोग मेडिकल स्टडी और अनुसंधान के लिए किया गया। इसके अलावा रिम्स ने आई डोनेशन को और बढ़ावा देने के लिए 24 घंटे हेल्पलाइन भी शुरू की है। मृतक के परिजन 9430170366 या 9430106070 पर कॉल करके कॉर्निया डोनेट की व्यवस्था कर सकते हैं। चूंकि कॉर्निया को मौत के 4 से 6 घंटे के भीतर हटाना आवश्यक होता है, इसलिए आई बैंक की टीम तुरंत प्रतिक्रिया देती है और कभी-कभी 150 किलोमीटर तक की यात्रा करती है।

टीम कर रही परिजनों को जागरूक

आई डोनेशन को बढ़ावा देने के लिए रिम्स ने एचसीआरपी के तहत एक विशेष टीम का गठन किया है। यह टीम इलाज के दौरान मौत के बाद मृतक के परिजन को परामर्श देती है और उन्हें अपने प्रियजनों की आंखें दान करने के लिए प्रेरित करती है। इस पहल ने लोगों में जागरूकता बढ़ाई है और कई परिवारों को इस नेक काम में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया है। हालांकि जागरूकता की कमी के कारण रिम्स ने अधिक से अधिक लोगों से अपील की है कि वे इस नेक कार्य में हिस्सा लें और जरूरतमंदों की मदद करें। वहीं पीआरओ ने बताया कि लोग अब खुद से ऑनलाइन भी आई डोनेशन के लिए फॉर्म भर सकते हैं, ताकि आपके जाने के बाद भी आपकी आंखों से कोई इस खूबसूरत दुनिया को देख सके।

नए भवन में शिफ्ट होगा आई बैंक

आई डोनेशन के लिए रिम्स ने पहले ही आई बैंक शुरू किया है। इस बैंक को अत्याधुनिक तकनीक से लैस किया गया है, ताकि डोनेट किए गए कॉर्निया को सुरक्षित और संरक्षित किया जा सके। इस सुविधा के लिए नए भवन में जगह हैंडओवर कर दिया गया है, जहां पर आई बैंक को शिफ्ट कर दिया जाएगा। इस बैंक के चालू हो जाने से रिम्स ब्लाइंडनेस से निपटने में एक कदम और आगे बढ़ जाएगा।

कल से स्थानीय शासन के प्रति लोगों को किया जाएगा जागरूक

बिरसा मुंडा के गांव से शुरू होगी राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की पदयात्रा

PHOTON NEWS RANCHI : बिरसा मुंडा के गांव उलिहातु से राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की पदयात्रा शुरू होगी। 5 दिन बाद यात्रा मोरहाबादी में आकर समाप्त होगी। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुनीत शर्मा ने कहा कि कांग्रेस की राजीव गांधी पंचायती राज विभाग की पदयात्रा 19 मार्च से शुरू होगी। पांच दिनों तक चलने वाली इस पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य पंचायती राज और स्थानीय शासन के प्रति लोगों जागरूक करना है। पदयात्रा के समापन में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश शामिल होंगे। यह जानकारी शांतनु मिश्रा ने दी।

झारखंड में घट गई वन भूमि सुनीत शर्मा ने कहा कि बिरसा मुंडा की जन्मस्थली से यह यात्रा 19 मार्च से शुरू होगी। यात्रा जंगल और देहात के रास्ते लोगों से मिलते हुए रांची पहुंचेगी। इस दौरान लोगों की समस्याओं से भी अवगत होंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड बना तो इसे लैंड ऑफ फॉरेस्ट कहा जाता था। आज स्थिति यह कि वन क्षेत्र बढ़ा लेकिन वन घट गया है। वन विभाग के आंकड़ों में झारखंड के कुल क्षेत्रफल का 29 प्रतिशत वन क्षेत्र दिखाया गया है। वास्तविकता यह है कि लगभग 20% भूमि पर जंगल बचे हैं। शेष जमीन बंजर भूमि है।

जारी है जंगलों की कटाई राष्ट्रीय वन नीति 1988 में कहा गया है कि कुल क्षेत्रफल का 33% क्षेत्र वन आच्छादित क्षेत्र होना चाहिए। झारखंड राज्य का निर्माण और इसके नाम दोनों में यह स्पष्ट है कि राज्य वन आच्छादित राज्य है। बावजूद इसके, लगातार जंगलों की कटाई हो रही है नए पौधे नहीं लगाए जा रहे हैं। वन विभाग के द्वारा इन विषयों पर उदासीन रवैया है। इसका सीधा असर इस राज्य में रहने वाले आदिवासी और मूलवासी के जीवन पर पड़ रहा है। वन अधिकार अधिनियम 2006 आम नागरिकों को अधिकार देता है कि वह अपना जीवन यापन अपने क्षेत्र के वन से पूरा करेंगे। जब राज्य में जंगल ही नहीं बचेगा तो जंगल पर निर्भर रहने वाले आदिवासी और मूलवासी के जीवन में संकट होना तय है।

सत्ता में आने के लिए महिलाओं को मंईयां सम्मान राशि देने का किया झूठा वादा

हेमंत सरकार ने 18 लाख महिलाओं के साथ किया विश्वासघात : राफिया नाज

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड प्रदेश भाजपा प्रवक्ता राफिया नाज ने हेमंत सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सम्मान के नाम पर धोखा दे रही है। उनका कहना था कि मइयां सम्मान योजना के तहत 18 लाख महिलाओं को मिलने वाली राशि रोकी जा चुकी है, जो उनके साथ एक बड़ा विश्वासघात है। उन्होंने आरोप लगाया कि हेमंत सरकार ने सत्ता में आने के लिए महिलाओं को मंईयां सम्मान राशि देने का झूठा वादा किया था। लेकिन, अब तक इन 18 लाख महिलाओं को एक भी रुपया नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि महिला सम्मान की बात करने वाली सरकार ने माताओं, बहनों और बेटियों के हक को कुचला है।

महिलाओं को नहीं मिल रहा लाभ : प्रवक्ता ने कहा कि सरकार द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर और वेबसाइट भी काम नहीं कर रहे हैं। इससे महिलाओं को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने इस मुद्दे पर सरकार की निष्क्रियता को उजागर करते हुए कहा कि सरकार केवल लोगों को ठगने में व्यस्त है। वे महिलाओं के अधिकारों को दबा रही है। भाजपा प्रवक्ता ने यह भी सवाल उठाया कि अगर राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा था कि मंईयां सम्मान योजना के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध है, तो फिर 18 लाख महिलाओं को उनकी राशि क्यों नहीं दी गई।

राज्य में चरणबद्ध आंदोलन करेगी भाजपा

राफिया सरकार को चेतावनी दी कि यदि जल्द ही महिलाओं को मंईयां सम्मान राशि नहीं दी गई, तो भाजपा चरणबद्ध आंदोलन करेगी। यह मुद्दा हर घर, हर गली तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा इस मुद्दे पर संघर्ष करेगी और सरकार को जवाबदेह बनाएगी। यह लड़ाई सिर्फ 18 लाख महिलाओं के लिए नहीं, बल्कि हर महिला के लिए है। भाजपा प्रवक्ता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए उठाए गए कदमों पर सरकार को जवाब देना होगा।

श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति ने महावीर मंडल के पदाधिकारियों को किया सम्मानित

PHOTON NEWS RANCHI : श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति भुताहा तालाब रांची ने अपने शताब्दी वर्ष के मौके पर सोमवार को एक भव्य आम सभा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का संचालन मुख्य संरक्षक उदय साहू ने किया, जबकि सभा की अध्यक्षता शंकर दुबे ने की। इस दौरान महावीर मंडल केंद्रीय समिति के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। मुख्य संरक्षक किशोर साहू ने सफल चुनाव के लिए सभी चुनाव पदाधिकारियों को चुनरी, माला और तलवार देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही फूलों की वर्षा भी की गई। धन्यवाद ज्ञापन महासमिति के महामंत्री गोपाल पारीक ने किया।

मंगलवारी जुलूस की तैयारी पूरी : महासमिति के प्रवक्ता नमन भारतीय ने बताया कि आगामी मंगलवारी जुलूस को बड़े धूमधाम से निकाला जाएगा। 18 मार्च, 25 मार्च और 4 अप्रैल को आयोजित होने वाले मंगलवारी जुलूस के साथ-साथ अष्टमी के दिन भी गाजे-बाजे के साथ जुलूस निकाला जाएगा।

ये हैं नव निर्वाचित पदाधिकारी : नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में अध्यक्ष जय सिंह यादव, उपाध्यक्ष पवन गुप्ता-राहुल सिन्हा (चंकी), मंत्री सुभाष साहू,सह मंत्री बलिराम प्रसाद-संतोष गुप्ता-उदय रविदास, कोषाध्यक्ष प्रमोद शाश्वत, अंकेक्षक प्रेम सिंह, प्रचार मंत्री सुनील कुमार वर्मा-शंकर साहू-विष्णु देव प्रसाद लिल्लू-राकेश सिंह-नंकू तिर्की-राजा सेन गुप्ता-रविंदर वर्मा-राज किशोर प्रसाद-प्रकाश सेन सिन्हा-संजय पोद्दार-शंकर प्रसाद शामिल है।

सहानुभूति और मनवता का संदेश देता है रमजान का महीना : तौहीद

PHOTON NEWS RANCHI : रमजान का महीना सभी महीनों से अलग है। यह इंसान को दोस्ती, सहानुभूति और मनवता का संदेश देता है। गरीबों और मोहताजों के दुःख, दर्द को साझा करने के साथ उसे मिटाने का मौका भी देता है। यह बातें रांची पब्लिक स्कूल के सचिव सह समाजसेवी मो. तौहीद ने कही। उन्होंने कहा कि यदि हम अपने देश स्तर पर देखें, तो यह गंगा-जमुनी संस्कृति का प्रतिनिधि भी है। रमजान के महीने में अक्सर जगहों पर देखा जाता है कि हिंदू, सिख, ईसाई और अन्य धर्मों के लोग, मुस्लिम भाइयों के साथ मिलकर इफ्तार करते हैं। अगर रांची की बात करें तो, रमजान का हर दिन ईद का दिन है। रमजान आरंभ होते ही संपूर्ण रांची जिले भर के अंदर एक तरह की खुशी की लहर दौड़ जाती है। मुबारकबादियों का सिलसिला शुरू हो जाता है। प्रत्येक समुदाय के लोग अपने मुस्लिम भाइयों के साथ इफ़्तार पार्टियों के इलावा आम दिनों में भी में शामिल होते हैं।

बिल के लिए पारस हॉस्पिटल ने रोक दिया शव, परिजन लगाते रहे गुहार

PHOTON NEWS RANCHI : प्राइवेट हॉस्पिटलों की मनमानी कम होने का नाम ही नहीं ले रही है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के आदेश के बावजूद बिल के लिए पारस हॉस्पिटल ने एक शव को रोक दिया। सुबह से लेकर शाम तक परिजन शव देने की गुहार लगाते रहे। लेकिन, प्रबंधन ने शव देने से इनकार कर दिया। प्रबंधन का कहना था कि बकाया बिल का भुगतान किए बिना वे शव नहीं देंगे। इस बीच मृतक के परिजन सुनील सिंह ने बताया कि रविवार को पवन सिंह अपने दोस्तों के साथ बाइक से जा रहा था। इस बीच उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। तीनों घायलों को एंबुलेंस की मदद से रांची भेजा गया। एंबुलेंस वाले ने तीनों को पारस हॉस्पिटल में एडमिट करा दिया। जहां दो अन्य घायलों के परिजनों से 70-70 हजार जमा कराया गया। वहीं पवन के परिजनों ने भी 30 हजार जमा कराया। इसके बाद सुबह परिजनों को बताया गया कि पवन की मौत हो गई। साथ ही 1 लाख 40 हजार का बिल भरने को कहा गया। परिजनों ने इसमें असमर्थता जताई। किसी तरह परिजनों ने 10 हजार रुपये और जमा कराया। लेकिन, स्टाफ मानने को तैयार नहीं थे। देर रात तक परिजनों को शव नहीं सौंपा गया। इस मामले में पारस हॉस्पिटल के पीआरओ मानस कुमार ने बताया कि ऐसा कोई मामला मेरी जानकारी में नहीं है। हो सकता है बॉडी रिलीज करने की प्रक्रिया में समय लग रहा हो। चूंकि हॉस्पिटल मैनेजमेंट की ओर से स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि डेड बॉडी को किसी भी हाल में नहीं रोकना है।

22 मार्च को राज्य निर्वाचन आयुक्त का कार्यकाल हो जाएगा समाप्त

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य निर्वाचन आयुक्त डीके तिवारी का कार्यकाल 22 मार्च को समाप्त हो जाएगा। इससे राज्य में 48 स्थानीय शहरी निकायों में चुनाव कराने की चल रही प्रक्रिया के प्रभावित होने की आशंका है। देश के सभी राज्यों ने निर्वाचन आयुक्तों का कार्यकाल पांच साल निर्धारित किया है। झारखंड सरकार ने राज्य निर्वाचन आयुक्त का कार्यकाल चार साल ही निर्धारित किया है। बता दें कि स्थानीय निकाय चुनाव में पिछड़ी जातियों के आरक्षण के विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने ट्रिपल टेस्ट को अनिवार्य कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि अगर किसी राज्य को बगैर ट्रिपल टेस्ट के स्थानीय निकाय चुनाव कराना चाहे तो पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षित सीट को अनारक्षित मान कर चुनाव कराना होगा। यानी बिना ट्रिपल टेस्ट के पिछड़ी जातियों को स्थानीय निकाय में आरक्षण के लाभ नहीं मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आलोक में राज्य सरकार ने पिछडा वर्ग आयोग को ट्रिपल टेस्ट की जिम्मेवारी सौंपी।

अधिकारियों के साथ डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने की मीटिंग, सबको दिया टास्क, कहा-

ड्रिंक एंड ड्राइव व ध्वनि प्रदूषण पर विशेष ध्यान देने की जरूरत

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में समाहरणालय में जिला स्तर के सभी वरीय अधिकारियों और पदाधिकारियों के साथ एक अहम बैठक हुई। इसमें कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई और अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के लिए कई दिशाक्षनिर्देश दिए गए। उपायुक्त ने बैठक में स्पष्ट रूप से कहा कि जिला प्रशासन आम जनों की शिकायतों के प्रति गंभीर है और उन्हें त्वरित गति से निष्पादित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि उन्हें विधि-व्यवस्था, सरकारी भूमि पर कब्जा, ड्रिंक एंड ड्राइव, ध्वनि प्रदूषण, जन शिकायतों का तेज गति से समाधान, भूमि विवाद, लंबित दाखिल-खारिज और अन्य मामलों के शीघ्र निष्पादन पर गंभीरता से कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को अपनी प्रतिबद्धता दिखाने और इन मामलों में संवेदनशील रहने की आवश्यकता है। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी सदर रांची उत्कर्ष कुमार, अपर समाहर्ता रांची रामनारायण सिंह और अन्य जिला स्तर के पदाधिकारी उपस्थित थे।

लोगों को जागरूक करना जरूरी : उपायुक्त ने ड्रिंक एंड ड्राइव के मामलों पर विशेष चिंता जताई और कहा कि इन मामलों में वृद्धि हो रही है। इससे शहर में लोगों की जानें जा रही हैं। इसके मद्देनजर उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को लगातार अभियान चलाने का निर्देश दिया, ताकि इन दुर्घटनाओं को कम किया जा सके। इसके अलावा उन्होंने लोगों को जागरूक करने का भी निर्देश दिया।

पुलिस स्टेशन में दर्ज कराएं शिकायत : उपायुक्त ने शहर और आसपास के क्षेत्रों से आने वाली ध्वनि प्रदूषण की शिकायतों पर भी गंभीरता दिखाई। उन्होंने विशेष रूप से बियर बार, रेस्टोरेंट्स, बैंक्वेट हॉल्स आदि में हो रहे ध्वनि प्रदूषण पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों का पालन हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। ध्वनि प्रदूषण की शिकायत आम लोग टोल-फ्री नंबर 112 पर या नजदीकी पुलिस स्टेशन में दर्ज करा सकते हैं।

शिकायतों के निष्पादन में तेजी लाएं

अधिकारियों के साथ बैठक करते डीसी • फोटोन न्यूज

बैठक में अबुआ साथी के तहत आने वाली शिकायतों के शीघ्र निष्पादन पर भी चर्चा की गई। उपायुक्त ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी शिकायतों का समय पर समाधान किया जाए ताकि आम जन का विश्वास जिला प्रशासन में बना रहे। उन्होंने कहा कि कार्यालयों में दलालों और बिचौलियों का आना बिल्कुल नहीं होना चाहिए और ऐसे तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि भूमि विवाद के मामलों के समाधान के लिए एक नया सेल बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से कई भूमि संबंधित मामले आ रहे हैं, जिनमें सीएनटी एक्ट उल्लंघन, सरकारी भूमि पर कब्जा और भूमि से जुड़े फर्जीवाड़े शामिल हैं।

रिम्स निदेशक ने अस्पताल परिसर का किया निरीक्षण

गायब पाए गए होमगार्ड के जवानों की सैलरी काटने का निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने देखा कि अस्पताल के ऑनकोलॉजी, सुपरस्पेशलिटी और डेंटल कॉलेज की ओर तैनात सुरक्षा होमगार्ड के जवान अनुपस्थित थे। सुबह 9 बजे से लेकर 9.35 तक प्रशासनिक पदाधिकारी के निरीक्षण के दौरान भी कोई जवान परिसर में उपस्थित नहीं था। इसके बाद नाराज निदेशक ने संबंधित जवानों की पहचान करते हुए उनकी एक दिन की सैलरी काटने का निर्देश दिया। साथ ही, उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसी पुनरावृत्ति हुई तो इन जवानों को अस्पताल से हटा दिया जाएगा।

बर्दाश्त नहीं की जाएगी अनुशासनहीनता

निदेशक ने कहा कि इससे साफ है कि सुबह के शिफ्ट के जवान समय से पहले अपनी ड्यूटी से चले जाते हैं, जबकि दिन के शिफ्ट के जवान देर से पहुंचते हैं। इस तरह की अनुशासनहीनता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निदेशक के इस सख्त रुख के बाद अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सुधार की उम्मीद जताई जा रही है। यह कदम अस्पताल में सुरक्षा की स्थिति को सुधारने और अनुशासन बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

समाचार सार

पूर्व विधायक के पुत्र का निधन

GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला प्रखंड में बड़ाजुड़ी मेन रोड निवासी सेवानिवृत शिक्षक रूद्र नारायण सिंह (71) का हृदयगति रुकने से निधन हो गया। वे घाटशिला (पोटका) के प्रथम विधायक स्व. हरिपद सिंह के पुत्र थे। वे लंबे समय तक आवासीय उच्च विद्यालय, ऊपर पावड़ा में भी शिक्षक रहे थे। वे अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र व पांच पुत्रियों को छोड़ गए है। इसके अलावा परिवार में उनके भाई नयन गोपाल सिंह, असित सिंह सरदार, रंजीत सिंह व अमित कुमार सिंह हैं।

होली मिलन में साहित्यकारों ने मचाया धमाल

JAMSHEDPUR : बहुभाषीय साहित्यिक संस्था सहयोग का होली मिलन समारोह सोमवार को बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में हुआ। इसमें सहयोग के सदस्यों ने खूब धमाल मचाया। भिंडी, टमाटर, मूली, बैगन आदि की माला से सदस्यों का स्वागत किया गया। सुधा गोयल और डॉ. जूही समर्पिता ने सखियों को स्वागत में खूब गाली सुनाई और बुरा ना मानो होली है... कह कर सबको गले लगाया। कार्यक्रम में जयश्री, डॉ. रागिनी भूषण, अध्यक्ष डॉ. मुदिता चंद्रा, व्यंगकार ललन शर्मा, विद्या तिवारी, ममता कर्ण, डॉ. शालिनी प्रसाद सिंह, डॉ. संध्या सिन्हा, डॉ. पुष्पा कुमारी, मंजू, पुष्पांजलि मिश्रा, माधुरी मिश्रा, शकुंतला पाठक, डॉ. शकुंतला पाठक, लक्ष्मी झा, मुकेश रंजन, नीता सागर ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

बसंत उत्सव में कलाकारों ने बांधा समां

JAMSHEDPUR : शहर की बंगभाषी सांस्कृतिक संस्था सृजनी के तत्वाधान में सोमवार को बसंत उत्सव का आयोजन साईं बाबा मंदिर घोड़ाबांधा, टेल्को में किया गया। इस दौरान गीत, कविता एवं नृत्य की सरिता बही। कार्यक्रम में 36 प्रस्तुतियों में 85 स्थानीय कलाकारों ने शास्त्रीय व उपशास्त्रीय गीत, नृत्य और कविता पाठ में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि पं. संदीप बोस, चंद्र देव व मलय आचार्जी ने साईं बाबा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। संस्था की ओर से देबांजलि रॉयचौधरी व शुक्ला सरकार ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन कृष्णा साहू ने किया।

बदले मार्ग से चलेगी नीलांचल एक्सप्रेस

JAMSHEDPUR : टाटानगर से होकर चलने वाली ट्रेन नंबर- 12875 नीलांचल एक्सप्रेस बदले मार्ग से चलेगी। रेलवे के सर्कुलर के मुताबिक, यह ट्रेन अपने निर्धारित रूट की बजाए पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन-मिजार्पुर- प्रयागराज- कानपुर होकर चलेगी। यह ट्रेन 21 मार्च से 29 अप्रैल के बीच अलग-अलग तिथि पर बदले मार्ग से चलेगी।

मंईयां योजना के लाभुक परेशान

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का पैसा बैंक अकाउंट में नहीं आने से हजारों लाभुक परेशान हैं। सरकार ने एकमुश्त तीन महीने की राशि 7500 रुपये होली से पहले देने की घोषणा की है, जिसे लेकर सोमवार को योजना के लाभुक आधार नंबर, बैंक अकाउंट नंबर और मोबाइल नंबर लेकर जिले के सभी प्रखंड व अंचल कार्यालय पहुंचीं और ऑपरेटर से जांच कराया। कार्यालय में महिलाओं का आना-जाना दिन भर लगा रहा। कंप्यूटर ऑपरेटर भी जवाब देते-देते थक गया।

जुगसलाई थाने में सैनिक की पिटाई व जेल भेजने को लेकर हुआ प्रदर्शन

उपायुक्त कार्यालय के बाहर पूर्व सैनिकों ने जमकर लगाए नारे, डीजीपी से की गई शिकायत

- शिकायत करने थाने गया था जवान, खुद को सैनिक बताते ही टूट पड़े पुलिसकर्मी

PHOTON NEWS JSR : शहर के जुगसलाई थाने में बागबेड़ा निवासी सैनिक सूरज राय के साथ मारपीट का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सोमवार को पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने डीसी ऑफिस के सामने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी की और प्रकरण के लिए पुलिस को दोषी ठहराया। इसके बाद उन्होंने डीसी ऑफिस में ज्ञापन सौंपा, जिसमें मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की गई और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। इसके साथ ही, जुगसलाई थाना प्रभारी को तत्काल सस्पेंड करने की मांग भी की गई।

उपायुक्त कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते पूर्व सैनिक ● फोटोन न्यूज

थाने के निजी चालक से हुआ था झगड़ा

पूर्व सैनिक सेवा परिषद के जिला संयोजक राजीव रंजन ने बताया कि सूरज राय सेना में हवलदार हैं। वे अपने चचेरे भाई विजय राय के साथ जुगसलाई थाने की गाड़ी चलाने वाले एक निजी ड्राइवर से बहस कर रहे थे। इस विवाद के बाद सूरज राय जुगसलाई थाने में शिकायत करने गए थे।

सेना के अधिकारियों ने भी दिखाई नाराजगी

आरोप है कि जुगसलाई थाने के पुलिसकर्मी सूरज राय को देखकर गुस्से में आ गए। जब सूरज राय ने उन्हें बताया कि वह सेना के जवान हैं, तो पुलिसकर्मी और भी भड़क गए। इसके बाद, सूरज राय के साथ थाने में दुर्व्यवहार किया गया, उन्हें पीटा गया और फिर जेल भेज दिया गया। सेना के अधिकारी भी इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं और उन्होंने इस मुद्दे पर राज्य पुलिस प्रमुख (डीजीपी) से संपर्क किया है। डीजीपी ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। डीएसपी सीसीआर ने बताया कि डीजीपी के आदेश के बाद जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पारंपरिक हथियारों के साथ आदिवासियों ने किया उग्र प्रदर्शन

JAMSHEDPUR : ग्राम सभा बालीगुमा और गोड़गोड़ा के संयुक्त तत्वाधान में उपायुक्त कार्यालय के समक्ष प्रस्तावित मानगो नगर निगम कार्यालय एवं मानगो अंचल कार्यालय निर्माण के विरोध में जन आक्रोश रैली-प्रदर्शन किया गया। सोमवार को हुई इस रैली में आदिवासियों ने तीर धनुष सहित पारंपरिक हरवे-हथियार और वाद्य यंत्र के साथ पहुंचे। ग्रामीणों ने दावा किया कि यह स्थल बालीगुमा तथा गोड़गांडा के ग्रामीणों की पूर्वज काल से पारंपरिक शमशान घाट (माड़घाटी) जमीन एवं संथालों के पवित्र धार्मिक स्थल बिदु चांदान जाहेरगाढ़ के रूप में व्यवहार करते हैं। जमीन पर साक्ष्य भी मौजूद हैं। दुर्भाग्य है कि जिला प्रशासन ने बगैर ग्रामसभा से अनुमति लिए अंचल एवं मानगो नगर निगम कार्यालय का निर्माण करने का निर्णय ले लिया।

कदमा में कुख्यात भानु मांझी के साथ हथियार कारोबारी भी दबोचा गया

PHOTON NEWS JSR : कदमा थाना की पुलिस ने शहर के कुख्यात बदमाश भानु मांझी को गिरफ्तार किया है। भानु मांझी कई मामलों में पहले भी जेल जा चुका है। सोमवार को एसएसपी किशोर कौशल ने अपने ऑफिस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि भानु मांझी कदमा थाना क्षेत्र के उलियान गुरुद्वारा के पास खुदी बागान के नजदीक हथियार लेकर बैठा है और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। इस सूचना के बाद डीएसपी हेडक्वार्टर-1 भोला प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया, जिन्होंने छापामारी कर भानु मांझी को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक देसी ऑटो पिस्टल और दो कारतूस बरामद हुए। भानु मांझी से पूछताछ करने पर उसने बताया कि उसने यह पिस्टल साकची के गंडक रोड के रहने वाले राकेश कुमार मंडल उर्फ पकौड़ी से खरीदी थी। राकेश कुमार मंडल हथियारों की बिक्री करता था। इसके बाद पुलिस ने राकेश कुमार मंडल के घर पर छापामारी की और उसे भी गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से पुलिस ने एक देसी कट्टा, दो कारतूस, एक देसी ऑटो पिस्टल, एक मैगजीन और तीन कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसएसपी किशोर कौशल ● फोटोन न्यूज

आदित्यपुर में पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

SERAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर थाना क्षेत्र स्थित धिराजगंज में सोमवार को पीपल के पेड़ से युवक का शव फंदे पर लटकता हुआ मिला। इससे इलाके में हड़कंप मच गया। यह शव तपन कुमार महतो उर्फ मामू का है। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। घटना की जानकारी होते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया। हालांकि, घटना का स्पष्ट कारण पता नहीं चल सका है। पुलिस हत्या व आत्महत्या, दोनों एंगल से मामले की जांच कर रही है। पुलिस शव के पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। पुलिस इस मामले में लोगों से पूछताछ कर रही है। परिजनों से भी जानकारी ली जा रही है। युवक घर से कब निकला था। किसके साथ निकला था। उसकी किसी से दुश्मनी थी या नहीं। इन सब बिंदुओं पर जांच चल रही है।

डॉ. यमुना तिवारी 'व्यथित' का काव्य संकलन लोकार्पित

JAMSHEDPUR : सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन व तुलसी भवन द्वारा संस्थान के मानस सभागार में सोमवार को साहित्य समिति, तुलसी भवन के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. यमुना तिवारी 'व्यथित' की चयनित त्वरित कविताओं का संकलन 'समय के साक्षी शब्द' का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता तुलसी भवन के अध्यक्ष सुभाष चंद्र मुनका तथा संचालन साहित्य समिति की उपाध्यक्ष डॉ. वीणा पांडेय 'भारती' ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में रांची विश्वविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. जंग बहादुर पांडेय उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि अरका जैन विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. अंगद तिवारी, टाटा मोटर्स के पूर्व उपमहाप्रबंधक डॉ. चंद्रेश्वर खां तथा तुलसी भवन के न्यासी अरुण कुमार तिवारी मंचासीन रहे। सरस्वती वंदना डॉ. रागिनी भूषण ने प्रस्तुत किया। स्वागत वक्तव्य तुलसी भवन के मानद महासचिव डॉ. प्रसेनजित तिवारी ने दिया। लोकार्पित पुस्तक पर पाठकीय प्रतिक्रिया वसंत जमशेदपुरी ने प्रस्तुत की। पुस्तक प्रकाशन के वित्त पोषक कन्हैया लाल अग्रवाल को लोकार्पण के पश्चात पुस्तक समर्पित की गई। रचनाकार का परिचय कैलाशनाथ शर्मा 'गाजीपुरी' व धन्यवाद ज्ञापन तुलसी भवन कार्यकारिणी के प्रसन्न वदन मेहता द्वारा दी गई।

सम्मान ग्रहण करते यमुना तिवारी

एमएड दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा आज से

JAMSHEDPUR : कोल्हान विश्वविद्यालय की ओर से घोषित विभिन्न परीक्षाएं इसी महीने से शुरू होंगी। इसके लिए परीक्षा केंद्रों का निर्धारण कर दिया गया है। जारी नोटिफिकेशन के तहत एमएड दूसरे व चौथे सेमेस्टर के परीक्षा की तिथि घोषित कर दी गई है। जारी अधिसूचना के तहत पहले सेमेस्टर की परीक्षा 18 मार्च से 27 मार्च तक होगी। परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलेगी। इसके लिए रिपोर्टिंग टाइमिंग सुबह 9.30 बजे है। इसी प्रकार एमएड चौथे सेमेस्टर की परीक्षा 19 मार्च से शुरू होगी। कोल्हान विश्वविद्यालय की ओर से जारी अधिसूचना के तहत परीक्षा 24 मार्च तक सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक संचालित होगी। ज्ञानचंद जैन कॉमर्स कॉलेज को इस परीक्षा का केंद्र बनाया गया है।

चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर युवक की हत्या, आरोपी फरार

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के बड़ाजामदा ओपी क्षेत्र के टंकीसाई बस्ती में दो युवकों में किसी बात को लेकर हुई मारपीट ने खतरनाक रूप ले लिया। चाकू से किए गए ताबड़तोड़ हमले में अजय बारीक नामक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी छोटू वर्मा फरार हो गया है। पुलिस ने मामले की जांच-पड़ताल कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, रविवार की रात अजय बारीक और सूरज उर्फ छोटू वर्मा के बीच किसी बात को लेकर अचानक विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि छोटू वर्मा ने अपने पास रखे धारदार चाकू से अजय के पेट में ताबड़तोड़ कई वार कर दिए। इसके बाद अजय गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। बाद में स्थानीय लोगों ने उसे तत्काल टाटा स्टील के नोवामुंडी अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अजय बारीक की मौत की खबर जैसे ही टंकीसाई बस्ती में पहुंचा तो वहां मातम छा गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस मामले को लेकर स्थानीय लोग आक्रोशित हैं। आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। घटना के बाद से इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। पुलिस ने आश्वस्त किया है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस हत्याकांड के बाद से बड़ाजामदा और आसपास के क्षेत्रों में दहशत का माहौल है। इधर पुलिस ने सोमवार को शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया।

मृतक अजय बारीक की फाइल फोटो व हत्यारोपी सूरज उर्फ छोटू वर्मा

घाटशिला प्रखंड के 10 लैंपस होंगे डिजिटल

GHATSILA : प्रखंड के 10 लैंपस में डिजिटल सेवा अगले वित्तीय वर्ष यानी अप्रैल से शुरू की जाएगी, जो मिनी बैंक का एक स्वरुप होगा। इसे लेकर सोमवार को लैंपस कार्यालय में को-ऑपरेटिव बैंक के शाखा प्रबंधक सुदेशना मुंडा ने बैठक की। इसमें घाटशिला, गंधनिया, मोहलीशोल, ज्वालकाटा, बेहड़ा समेत अन्य लैंपस के सदस्य व सचिव मौजूद थे। इस मौके पर सुदेशना मुंडा ने कहा कि बैंक और लैंपस में सामंजस्य स्थापित किया जाएगा। कंप्यूटर समेत सभी उपकरण कई माह पहले सभी लैंपस को उपलब्ध करा दिए गए हैं। डिजिटल लैंपस के संचालन को लिए भी ट्रेनिंग दी जा चुकी है। बैठक में सचिव तपन मार्डी, शंकर तंतुबाई, नरेंद्र नाथ टुडू, दुलाल मार्डी, अतुल महतो, मलय कुमार समेत कई सदस्य मौजूद थे।

बागबेड़ा में युवक को गोली मारने वाले दोनों बदमाश किए गए गिरफ्तार

PHOTON NEWS JSR : बागबेड़ा में 14 मार्च को महेश सिंह नामक युवक को गोली मार दी गई थी। घायल महेश सिंह को इलाज के लिए टीएमएच अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सोमवार को जुगसलाई थाना में डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पुलिस ने फरार आरोपियों संदीप सिंह और राकेश शर्मा को गिरफ्तार किया है। संदीप सिंह बागबेड़ा कॉलोनी रोड नंबर-6 कृष्णापुरी का निवासी है, जबकि राकेश शर्मा परसुडीह थाना क्षेत्र के कीताडीह मस्जिद के पास का रहने वाला है। संदीप सिंह के पास से एक पिस्टल, एक मैगजीन और राकेश शर्मा के पास से दो कारतूस बरामद किए गए हैं।

संदीप सिंह का आपराधिक इतिहास भी है। उस पर पहले से चार मामले दर्ज हैं। डीएसपी ने बताया कि 11 मार्च को दो पक्षों में विवाद हुआ था और मारपीट हुई थी। यह विवाद एक शादी पार्टी में डांस और बाजा बजाने को लेकर था। उसी विवाद के बाद 14 मार्च को संदीप सिंह ने बदला लेने के लिए महेश सिंह को गोली मार दी। प्रेस कांफ्रेंस के बाद पुलिस ने दोनों बदमाशों को एमजीएम अस्पताल में मेडिकल जांच के लिए भेजा, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी ● फोटोन न्यूज

विधायक ने रात में किया औचक निरीक्षण, देखा- 6 के स्थान पर मात्र 3 पंप ही कर रहे हैं काम, आज रांची में सचिवों से करेंगे शिकायत

ध्यान न दिया गया तो बर्बाद हो जाएगी मानगो पेयजल परियोजना : सरयू

PHOTON NEWS JSR : मानगो पेयजल परियोजना की स्थिति सुधारने और यहां के सभी घरों तक पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से रविवार की रात जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय और उनके जनसुविधा प्रतिनिधियों ने मानगो पेयजल परियोजना का औचक निरीक्षण किया। रात 11.30 बजे से लेकर 2.30 बजे तक चले इस निरीक्षण में इंटेकवेल, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और तमाम टंकियों के पास जाकर यह देखा गया कि सिस्टम किस तरीके से काम कर रहा है। ये सब देखने के बाद राय ने एक प्रस्ताव दिया कि मानगो पेयजल परियोजना को पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से लेकर नगर विभाग विकास को दे दिया जाए। उन्होंने उम्मीद जताई कि मानगो नगर निगम इस परियोजना को चलाएगा तो कम से कम नगर निगम की जिम्मेदारी तो तय होगी। राय मंगलवार को रांची में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव और नगर विकास विभाग के सचिव से इस मुद्दे पर बात करेंगे। सरयू राय ने बताया कि चार घंटे के नाइट डोमिनेशन में उन्हें बेहद निराशा हुई। जिस उद्देश्य से यह महत्वाकांक्षी पेयजल परियोजना स्थापित की गई थी, उसमें लगातार गिरावट आ रही है। कई गंभीर किस्म की कमियां दिखीं। पूरे देश में पेयजल परियोजनाओं की कार्यप्रणाली में उत्तरोत्तर सुधार हो रहा है और बीते 6 साल में इस परियोजना के संचालन में भारी गिरावट हुई।

राय ने बताया कि इंटेकवेल में जितने पंप लगे हैं, सभी काम नहीं कर रहे हैं। इंटेकवेल के पास 6 पंप स्थापित होने चाहिए और हर पंप 375 हॉर्स पावर का होना चाहिए, लेकिन वहां चालू स्थिति में मात्र तीन ही पंप दिखे। जहां इंटेकवेल से पानी जाता है वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में और उसकी सफाई होती है, वहां की व्यवस्था भी बेहद लचर है। कुछ भी सिस्टेमेटिक नहीं दिखा।

उन्होंने बताया कि जब रॉ वाटर जाएगा, तो उसमें कितनी फिटकरी डालेंगे, कितना ब्लीचिंग पाउडर डालेंगे, कितना हाइपो डालेंगे, इसकी कोई व्यवस्था नहीं है। यहां के सारे पंप काम नहीं कर रहे हैं। यहां 150 हॉर्स पावर के तीन पंप लगाने का प्रावधान है, लेकिन वहां एक पंपसेट पूर्णतः बंद है। पानी साफ नहीं हो रहा है। सिस्टम यह बनाया गया है कि एक टंकी भर जाएगी तो दूसरी टंकी भरेगी, दूसरी भर जाएगी तो तीसरी भरेगी। टंकियों में पानी पहुंचाने के लिए कम क्षमता के पंप लगाए गए हैं। इन पंपों में भी आधे बराबर खराब ही रहते हैं।

मानगो वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण करने पहुंचे विधायक सरयू राय

पाइपलाइन बिछी, लेकिन मेन लाइन से नहीं जुड़ी

सरयू राय ने बताया कि क्षेत्र में भी ऐसे बहुत सारे स्थान हैं, जहां पाइपलाइन तो बिछा दी गई है, लेकिन मेन लाइन से जोड़ा ही नहीं गया है। नतीजनतन जवाहरनगर के रोड नंबर 14 में पाइनलाइन तो बिछा दी गई, पर कनेक्शन नहीं हुआ। संत कुटिया के पास मुख्य सड़क को काट कर कनेक्शन जोड़ना है, लेकिन वह भी नहीं हुआ। मानगो पोस्ट आफिस रोड में गौड़ बस्ती में हरि मंदिर के समीप पाइपलाइन तो बिछा दी गई, लेकिन मात्र 5 से 7 फीट पाइपलाइन नहीं जोड़े जाने के कारण यहां पानी नहीं जा रहा है। मानगो के संकोसाई में एकता नगर का भी कनेक्शन छूटा हुआ है। यहां सिर्फ 5 फीट पाइपलाइन जोड़ दी जाए तो पानी जाने लगेगा। मेन लाइन के समीप जो घर हैं, वहां तो पानी जा रहा है, लेकिन बस्तियों में पानी नहीं पहुंच पा रहा है। कारण है, कनेक्शन का ना जोड़ा जाना।

विधायक भी परेशान, व्यवस्था देखने वाला कोई नहीं

सरयू राय ने बताया कि विडंबना यह कि इस व्यवस्था को देखने वाला कोई नहीं है। अगर कोई शिकायत करे तो उसे मॉनीटर करने और उसका समाधान करने वाला कोई नहीं। इसीलिए सोमवार की सुबह उन्होंने अपने आवास पर दो बैठकें की। एक बैठक मानगो नगर निगम के उप नगर प्रशासक, उनके अधिकारी और पेयजल स्वच्छता विभाग के सिविल के कार्यकारी अभियंता और उनके अधिकारी शामिल थे। दूसरी बैठक में पेयजल स्वच्छता विभाग के यांत्रिक प्रभाग के कार्यकारी अभियंता, एई और उनके पदाधिकारियों के साथ बैठक की। राय ने सभी के सामने समस्या रखी तो यही पता चला कि इस परियजना को चलाने के लिए ठेके पर एक एजेंसी बहाल की गई है। उस एजेंसी के कार्यकलापों की सही तरह से मॉनिटरिंग विभाग के उच्च पदस्थ अधिकारी नहीं कर रहे हैं। नतीजा यह हुआ कि जहां पानी साफ करने के लिए फिल्टरेशन प्लांट लगाना है, उसके लिए 10 साल पहले जो बालू और कंकड़ बिछाए गए थे, वही आज तक चल रहे हैं। वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का फ्लो मीटर भी बंद है। जितनी इंडिकेटर मशीनें लगाई गई हैं, सभी बंद हैं। पानी भगवान भरोसे ही चल रहा है।

उमस भरी गर्मी से मिली राहत, ओले भी खूब गिरे

GHATSILA : घाटशिला सहित पूर्वी सिंहभूम जिले में सोमवार की शाम तब खुशनुमा हो गई, जब झमाझम बारिश के साथ ओले भी गिरे। करीब 15 मिनट तक हुई बारिश ने लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत दिलाई। घाटशिला में तो ऐसी बारिश हुई कि मुख्य बाजार की दुकानों में नाली का पानी घुस गया। अचानक पानी घुसने से काफी सामान बर्बाद हो गए। दुकान के अंदर पानी घुस जाने से दुकानदार ने काफी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि इसी वित्तीय वर्ष में 9 लाख की राशि से नाली की मरमत कराई गई थी, जो पूरी तरह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई।

BRIEF NEWS

शराब के नशे में धुत युवकों ने बीच सड़क पर पुलिस से की हाथापाई

CHAMPARAN : जिले के रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के मलंग बाबा मंदिर के समीप अरेराज-मोतिहारी मार्ग पर नशे में धुत्त युवकों ने बीच सड़क पुलिसवालों से हाथापाई की है। युवको की पहचान जितेंद्र कुमार उर्फ टिमन कुमार और भोला सहनी के रूप में हुई है। बताया गया कि दोनों युवक नशे की हालत में पुलिस के जवानों से उलझ गए और उनके साथ बदसलूकी करने लगे।इस दौरान पुलिस के जवानो और शराबियों के बीच जमकर नोक-झोंक भी हुई। यहां तक की हाथपाई की नौबत आ गई।पुलिस के अनुसार शराबी टिमन साह ने पुलिस को बीच सड़क पर रोककर गंदी-गंदी गालियां दे रहा था। पुलिस होमगार्ड के जवान के मना करने और पकड़ने पर टिमन साह ने हथियार भी छिनने की नाकाम कोशिश की। सूचना पर पहुंची रघुनाथपुर थाना के अन्य पुलिस के जवानों ने जितेंद्र उर्फ टिमन को गिरफ्तार कर लिया, जबकि भोला सहनी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

स्कूल के पीछे झाड़ी में मिला महिला का शव

CHAMPARAN : जिले में कोटवा थाना क्षेत्र के कोटवा पंचायत के टिकैता ओझा टोला गांव में एक सरकारी स्कूल के पीछे से पुलिस ने एक महिला का शव बरामद किया है। शव को रखकर केले के पते से छिपाया गया था। जिसकी पहचान फुलेश्वरी देवी, पति रामदेव राउत, उम्र 50 वर्ष, टिकैता, वार्ड न. 3 के रूप में हुई है। सोमवार को स्कूल खुलने के बाद बच्चों ने खिड़की से महिला का शव देखा , जिसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की है और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के शरीर पर किसी भी तरह का निशान पुलिस द्वारा नहीं देखा गया है। महिला पिछले दो दिन से घर से गायब थी, जिसको लेकर उसके एक बेटे ने थाने में लिखित आवेदन दिया है।

मत्स्य प्रत्यक्षण-सह-तीन दिवसीय हुआ प्रशिक्षण

BHAGALPUR : पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग द्वारा सोमवार को भागलपुर के मत्स्य प्रभाग में मत्स्य प्रत्यक्षण सह तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यशाला 17 मार्च से 19 मार्च तक चलेगा। कार्यशाला का विधिवत उद्घाटन भागलपुर के जिलाधिकारी डॉक्टर नवल किशोर चौधरी एवं पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के निदेशक ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी डॉक्टर नवल किशोर चौधरी को पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के द्वारा पुष्प, अंग वस्त्र के साथ चांदी की मछली भेंट की गई। इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि मत्स्य विभाग में बिहार सरकार एवं केंद्र सरकार की ओर से कई योजनाओं को लेकर राशि दी गई है। इस योजना का लाभ इस व्यवसाय से जुड़े लोगों मिले। उन तक यह जानकारी सुविधा अनुसार पहुंचे इस पर कार्य करने की जरूरत है।

बजट सत्र विधानसभा में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने सरकार को की घेरने कोशिश, कहा-

राज्य में सरकार नाम की कोई चीज नहीं रह गई : भाई वीरेंद्र

AGENCY PATNA : बिहार विधानमंडल में आज बजट सत्र के दसवें दिन विधानसभा में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने अपराध को मुद्दा बनाकर सदन के बाहर और भीतर सरकार को घेरने की कोशिश की।

कार्यवाही के दौरान विपक्षी दल अपराध को मुद्दा बनाकर सरकार के खिलाफ हमलावर हो गए। होली के दौरान बिहार में पुलिसकर्मियों पर हमले और अपराध की घटनाओं पर राजद के विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि राज्य में सरकार नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। बिहार में कानून का राज समाप्त हो गया है। राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि राज्य का हर व्यक्ति चाहे वह नेता हो, पत्रकार हो या आम लोग कोई भी सुरक्षित नहीं है। सरकार में बैठे लोग अपराधियों को संरक्षण दे रहे हैं। पुलिसकर्मी की हत्या, ज्वेलरी दुकान में लूट की घटनाएं इसके उदाहरण हैं। अपराधी वारदात को अंजाम देकर खुलेआम घूम रहे हैं और पुलिस उन्हें नहीं पकड़ पा रही है। ऐसे में लगता है कि सरकार के लोग कहीं न कहीं इनसे मिले हुए हैं। दूसरी ओर सत्तापक्ष से भाजपा सदस्यों ने इन घटनाओं के पीछे राजद का हाथ बताया। भाजपा विधायक राजेश कुमार ने कहा कि जो भी घटनाएं हो रही हैं, उसमें राजद के लोग शामिल हैं। राजद के लोगों के नाम इन घटनाओं में सामने आ रहे हैं। पूरी जानकारी है कि इन घटनाओं में राजद के लोग संलिप्त हैं।

भाजपा का आरोप : घटनाओं के पीछे राजद का हाथ

» राज्य का हर व्यक्ति चाहे वह नेता हो, पत्रकार हो या आम लोग, कोई भी सुरक्षित नहीं

» अपराधी वारदात को अंजाम देकर खुलेआम घूम रहे हैं और पुलिस उन्हें पकड़ नहीं पा रही

भाजपा विधायक ने पुलिस की कार्यशैली पर उठाया प्रश्न

PATNA : भाजपा विधायक अरुण शंकर प्रसाद ने बिहार पुलिस की कार्यशैली को लेकर अपनी सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि अपराधियों के साथ नरम व्यवहार और सामाजिक कार्यकताओं के साथ अभद्र व्यवहार। यह कैसी पीपुल फ्रेंडली पुलिसिंग है। बिहार में मधुबनी जिले के खजौली विधानसभा से भाजपा विधायक अरुण शंकर प्रसाद ने अपने क्षेत्र से जुड़े एक मामले में आज सदन में कहा कि उनके क्षेत्र में विजय कुमार सिंह नाम के एक व्यक्ति को पुलिस ने रात 10 बजे घर से पकड़ लिया,जबकि इसी नाम के दूसरे आदमी को पकड़ना था। इस पर सरकार की ओर से जवाब आया कि यह एक ही नाम के दो आदमी के भ्रम की स्थिति में हुआ और सुबह जब विजय कुमार सिंह के परिजनों ने आधार कार्ड पेश किया तो निजी मुचलके पर उन्हें छोड़ दिया गया।

राज्य सरकार खून की होली खेल रही, दो दिनों में हुईं 22 हत्याएं : मुकेश

PATNA : बिहार विधानसभा में बजट सत्र का 10 वां दिन सदन के बाहर और अंदर नीतीश सरकार के खिलाफ विपक्ष के आरोपों और हंगामे के साथ शुरू हुआ। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) विधायक मुकेश रौशन ने कहा कि सरकार खून की होली खेल रही है। राज्य में दो दिन में 22 हत्याएं हुई हैं। होली की छुट्टियों के बाद सोमवार से बिहार विधानसभा के बजट सत्र की फिर से शुरूआत हुई। सदन के बाहर विपक्षी सदस्यों ने कई मुद्दों पर नीतीश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यवाही शुरू होने के दौरान भी हाथों में पोस्टर लेकर विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। राजद विधायक मुकेश रौशन ने 'बिहार में हर दिन हत्या, लूट, बलात्कार' लिखे पोस्टर लहराए। राज्य के अलग अलग जिलों में पुलिसवालों की हत्या पर सदन के बाहर विधायकों ने बड़ा हंगामा किया। बाद में सदन के भीतर भी विरोध जारी रहा। सदन में विपक्ष ने खून की होली लिखे पोस्टर दिखाए।

नाबालिग बच्ची को न्याय दिलाने के लिए विधायक ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को ज्ञापन सौंपते विधायक शंकर सिंह व अन्य

AGENCY PURNIA : रूपौली विधानसभा क्षेत्र के निर्दलीय विधायक शंकर सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपते हुए रघुवंशनगर थाना क्षेत्र के नवटोलिया महिखंड गांव में नाबालिग बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म एवं हत्या के मामले में सीआईडी जांच कराने की मांग की है।विधायक शंकर सिंह ने मुख्यमंत्री को सौंपे गए ज्ञापन में कहा है कि 12 फरवरी 2025 को सुबह करीब 10:30 बजे नाबालिग बच्ची घास काटने के लिए मक्के के खेत में गई थी। उसी दौरान दरिंदों ने बच्ची के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी।विधायक ने बताया कि घटना के बाद शक के आधार पर परिजन ने जिन दो युवकों को आरोपित बताया था, उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। विधायक ने मुख्यमंत्री को अवगत कराते हुए कहा कि स्थानीय लोगों और ग्रामीणों का कहना है कि जिस दिन युवक को गिरफ्तार किया गया है उस दिन वे दोनों युवक कुसेर्ला के पास गंगा और कोसी के संगम स्थल पर माघी पूर्णिमा के अवसर पर गंगा स्नान और मुंडन संस्कार में शामिल थे। परिजन ने इस संबंध में ठोस प्रमाण भी प्रस्तुत किया है, जिसे पूर्णियाँ के पुलिस अधीक्षक को सौंपा गया है।

इस मामले को लेकर निर्दलीय विधायक की धर्मपत्नी एवं जिला पार्षद प्रतिमा कुमारी ने पूर्णियाँ के पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय शर्मा से मुलाकात कर पूरे प्रकरण पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने एसपी से आग्रह किया कि दोनों परिजन द्वारा प्रस्तुत प्रमाणों को गंभीरता से लेते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए ताकि असली दोषियों को कड़ी सजा मिले और निर्दोष व्यक्तियों को न्याय मिल सके।

अपराध पर लगाम लगाने के लिए पुलिस को खुली छूट, अधिकारियों ने गोली चलाने का दिया निर्देश

AGENCY PATNA : बिहार के एडीजी लॉ एंड ऑर्डर और एडीजी हेडक्वार्टर ने पुलिस मुख्यालय में आज पत्रकार वार्ता में कहा कि बिहार में अब तक जितनी भी घटनाएं हुई है पुलिस ने सभी घटनाओं में कार्रवाई की है। कई जगहों पर हमारे पुलिस टीम पर अटैक हुआ है उसके खिलाफ भी पुलिस ने कठोर कार्रवाई की है। एडीजी हेडक्वार्टर कुंदन कृष्णन ने कहा कि यदि कोई अपराधी पुलिस को कट्टा (देसी पिस्तौल) दिखाता है, तो पुलिस को उसे चुनौती देने के बजाय गोली चलाने का अधिकार होगा। इस मौके पर एडीजी लॉ एंड ऑर्डर पंकज दराद ने कहा कि अगर पुलिस पर कोई अटैक किया तो पुलिस गोली चलाएगी हवाई फायर करेगी अगर लगेगा कि यह जानलेवा है तो उनको भी पुलिस गोली मारेगी । इस बात से किसी भी पुलिस पदाधिकारी और पुलिसकर्मी को गुरेज नहीं है हम लोगों को संयम बरतना है या हमारे प्रथम प्राथमिकता रही है और रहेगी। दोनो अधिकारी ने कहा कि होली पर्व के क्रम में पुलिस की प्राथमिकता रहती है कि राज्य में साम्प्रादियक सौहार्द बना रहे तथा कहीं से कोई ऐसी अप्रिय घटना ना हो जिससे साम्प्रादायिक समरसता प्रभावित ना हो। इस वर्ष होली पर्व पर दो भिन्न समुदायों के बीच कुल-11 सामान्य घटनाएं प्रतिवेदित हुई हैं। कहीं कोई विधि-व्यवस्था की गंभीर समस्या नहीं उत्पन्न हुई। कुल-11 कांड अंकित किये गयें। इन घटनाओं में कुल 14 लोग जख्मी हुए हैं। किसी की मृत्यु नहीं हुई। 29 व्यक्तियों को अभी तक गिरफ्तार किया गया है। 04 को डिटेन किया गया है। दोनों अधिकारी ने कहा कि एक ही समुदाय के दो जातियों के बीच दो घटनाएं प्रतिवेदित हुए हैं। जिनमें 26 लोग जख्मी हुए हैं। 03 व्यक्ति को अभी तक हिरासत में लिया गया है। इस दौरान पुलिस पर हमले की कुल-12 घटनाएं प्रतिवेदित हुई है।

एसपी के निर्देश पर जिले में सभी बैंकों के सुरक्षा उपायों की पुलिस ने की जांच

AGENCY ARARIA : एसपी अंजनी कुमार के निर्देश पर सोमवार को जिले भर के विभिन्न बैंकों और फाइनेंशियल संस्थाओं में सुरक्षात्मक उपाय को लेकर जांच की गई। नगर थाना पुलिस मनीष कुमार रजक के नेतृत्व में अररिया जिला मुख्यालय, फारबिसगंज थानाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में नगर परिषद क्षेत्र के बैंक और फाइनेंशियल संस्थाओं के साथ पूरे जिले भर के थाना और ओपी पुलिस के द्वारा बैंक परिसर और बाहर लगे सीसीटीवी कैमरा, आपातकालीन सायरन सहित अन्य सुरक्षात्मक उपायों की जांच की गई। पुलिस अधिकारी द्वारा जांच के क्रम में सुरक्षात्मक उपायों के कमी को दूर करने के लिए बैंक के शाखा प्रबंधक को कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए। बैंकों और बैंक के बाहर की सुरक्षा का भी जायजा पुलिस अधिकारियों के द्वारा लिया गया।साथ ही बड़े ट्रांजेक्शन को लेकर बैंक के स्टाफ को कई हिदायत भी दी गई। बैंक की सुरक्षा में लगे सुरक्षा एजेंसी को भी पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षा को लेकर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

मोतिहारी जेल का डीएम ने किया निरीक्षण

CHAMPARAN : जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने सोमवार को जेल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने जेल अधीक्षक, चिकित्सक, उपाधीक्षक, सहायक अधीक्षक, लिपिक सहित जेल के सभी कर्मी को अपने-अपने कर्त्तव्य पर उपस्थित पाया। निरीक्षण के क्रम में कार्यालय के सभी शाखा यथा प्रवेश शाखा, मुक्ति शाखा, लेखा शाखा, स्थापना शाखा, बंदी कल्याण शाखा, मानवाधिकार शाखा, वीसी कक्ष एवं मुलाकाती कक्ष का निरीक्षण किया गया एवं शाखा से संबंधित प्रभारी व पदाधिकारी को कार्यों के त्वरित निष्पादन हेतु आवश्यक निदेश दिया गया। प्रवेश शाखा के निरीक्षण के क्रम में जिला पदाधिकारी द्वारा प्रवेश पंजी का अवलोकन किया एवं शाखा प्रभारी को पंजी के संधारण के लिए आवश्यक निदेश दिया गया।

जदयू कार्यकर्ताओं ने छह सूत्री मांगों को लेकर किया आमरण अनशन

AGENCY BHAGALPUR : जिले के बिहपुर प्रखंड जदयू एसी/एसटी प्रकोष्ठ ने सोमवार से छह सूत्री मांगो लेकर बिहपुर प्रखंड मुख्यालय के समक्ष आमरण-अनशन शुरू किया। आमरण अनशन में प्रखंड अध्यक्ष विजय पासवान के साथ साथ राजनीति तांती, रामानंद पोद्दार, लतासो देवी, श्रीनंदन रविदास और प्रमिला देवी ने शामिल थे। वहीं प्रखंड के हरियो पंचायत के गोविंदपुर-मुसहरी और कहारपुर के कोसी कटाव पीड़ित व विस्थापितों के पुर्नवास कराने की मांग को बिहपुर विस विधायक ईं शैलेंद्र ने सोमवार को बिहार विस के सदन में सरकार और संबधित विभाग के मंत्री के समक्ष उठाया।

विधयक शैलेंद्र की मांग पर मंत्री की ओर से जल्द ही साकारात्मक पहल करने की बात कही गई, जिसके बात विधायक ने अनशन कर रहे जदयू नेताओं और कटाव विस्थापितों से फोन पर बात किया। नवगछिया भाजपा के जिला उपाध्यक्ष प्रो. गौतम के नेतृत्व में बिहपुर मंडल अध्यक्ष दिलीप महतो, परमानंद मंडल, कन्हैया झा आदि अनशन पर बैठे लोगों को जूस पिलाकर उनका अनशन तोड़वाया। मौके पर सिंटू और सदानंद मंडल समेत एनडीए के कई कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

एमजीसीयू में रसायन विज्ञान के अग्रिम क्षेत्रों पर होगा दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

AGENCY CHAMPARAN : महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में आगामी 19 एवं 20 मार्च 2025 को रसायन विज्ञान के अग्रिम क्षेत्रों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन होगा,जिसमे रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम शोध, उभरते रुझान और वैज्ञानिक नवाचारों पर चर्चा की जायेगी। सम्मेलन में विज्ञान जगत के ख्यातिप्राप्त अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक शिरकत करेगे।जिसमे जर्मनी के अलंगिन स्थित फ्रेडरिक अलेक्जेंडर यूनिवर्सिटी के प्रो. स्वेतलाना बी. त्सोगोएवा,अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित सिटी कॉलेज के प्रो. महेश के. लक्ष्मण प्रो. कौशिक मलिक यूनिवर्सिटी ऑफ जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीकाप्रो. सुरेन्द्र प्रसाद द यूनिवर्सिटी ऑफ द साउथ पैसिफिक (वरढ), सुवा, फिजी सहित कई ख्यातिनाम वैज्ञानिकों के नाम शामिल है। साथ इसमें देशभर से 25 से अधिक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय वक्ता अपने अनुसंधान और विशेषज्ञता साझा करेंगे। इस सम्मेलन में 200 से अधिक शोधार्थियों एवं प्रतिभागियों की भी भागीदारी रहेगी। सम्मेलन के अध्यक्ष एवं संयोजक, रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. देवदत्त चतुर्वेदी ने बताया कि इस सम्मेलन के माध्यम से हम वैश्विक वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और शोधकताओं को एक मंच प्रदान कर रहे हैं, जहाँ वे नवीनतम अनुसंधान पर विचार-विमर्श कर सकेंगे और रसायन विज्ञान के उभरते पहलुओं पर चर्चा करें।

जिले में आयोजित विभिन्न महोत्सवों में भारी अनियमिता की जांच की मांग

AGENCY SAHARSA : जन सुराज पार्टी के प्रदेश महासचिव सह नव निर्माण मंच के संस्थापक सदस्य किशोर कुमार ने जिले में हो रहे विभिन्न महोत्सव के आयोजन में भारी अनियमितता का आरोप लगाते हुए इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की है।पूर्व विधायक ने सोमवार को अपने आवास पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान मीडिया कर्मियों को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिले में आयोजित होने वाले कोसी महोत्सव, बाणेश्वर महोत्सव, विषहरी महोत्सव, संत रविदास महोत्सव, मटेश्वर नाथ महोत्सव,उग्रतारा महोत्सव, लक्ष्मीनाथ महोत्सव और बनगांव होली महोत्सव जैसे सांस्कृतिक आयोजनों में भारी अनियमिता हुई है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय विरासत कला संस्कृति और इतिहास को सहेजे रखना था लेकिन विगत कुछ वर्षों से यह महोत्सव अपने मूल उद्देश्य से भटक गया है और प्रशासनिक भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। उन्होंने कहा कि आयोजनों में स्थानीय जनता की भागीदारी घटती जा रही है, जिससे साफ जाहिर होता है कि यह कार्यक्रम अब महज औपचारिकता बनकर रह गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है महोत्सव की कमेटी में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की करीबी लोग ही शामिल होते हैं, जो आयोजन के नाम पर सिर्फ सरकारी पैसे की बंदरबांट करते हैं। हाल ही में संपन्न हुए बनगांव होली महोत्सव में भी यही स्थिति देखने को मिली।

सपनों की उड़ान अब तक 6584 युवाओं को मिला इस योजना का लाभ

मुख्यमंत्री उद्यमी योजना से मजबूत हो रही उद्यमशीलता की भावना

AGENCY PATNA : उद्यमी योजना ने प्रदेश में मजबूत उद्यमशीलता की भावना को विकसित किया है। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इस योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत 5 लाख 41 हजार 667 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसमें 9,247 आवेदकों का चयन रैंडम तरीके से किया गया है, जिसमें 6,584 को वित्तीय सहायता दी गई है। ताकि वे अपना उद्योग स्थापित कर सकें। इसमें सर्वाधिक आवेदन आइसक्रीम उत्पादन, बेकरी, मसाला, नोटबुक तैयार करने, खाद्य तेल, बीज प्रसंस्करण, सैनेटरी नैपकीन, मखाना पैकिंग, बेसन या आटा बनाने से जुड़े लघु या मद्यम उद्योग स्थापित करने को लेकर आए थे। राज्य के उद्योग विभाग के मुताबिक योजना के दूसरे चरण में अतिरिक्त 7,153 आवेदकों का चयन किया गया है। जबकि 1,431 आवेदकों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है। इसके अलावा बिहार सरकार राज्य के 101 अनुमंडलों में उद्यमिता विकास केंद्र स्थापित करने की तैयारी है। इसे लेकर विभागीय स्तर पर कसरत तेज कर दी गई है। इस योजना का लाभ लेकर कई उद्यमियों ने सफलता की राह आसान की है। जमुई जिले के सोनू कुमार ने नोटबुक निर्माण लघु उद्योग स्थापित किया, जिसमें चार अन्य लोगों को रोजगार मिला। वे अपनी नोटबुक्स को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के साथ ही स्थानीय दुकानों में भी बेचते हैं। इससे उन्हें अच्छी खासी आमदनी हो जाती है। इसी तरह खुशबू कुमारी, जो दिव्यांग हैं। उन्होंने मसाला उद्योग स्थापित किया और पांच अन्य लोगों को रोजगार दिया। उनका मानना है कि सिर्फ पंख होने से ही कोई उड़ नहीं सकता, इसके लिए साहस और हौसले की जरूरत होती है। उद्योग विभाग के अनुसार मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना से लाभ लेकर उन्होंने यह सफलता हासिल की है।

राजद के पास न पिछले 15 वर्षों की कोई उपलब्धि न भविष्य का कोई विजन : उमेश सिंह कुशवाहा

AGENCY PATNA : जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने सोमवार को बयान जारी कर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा राजद के पास न तो पिछले 15 वर्षों की कोई ठोस उपलब्धि है और न ही भविष्य के लिए कोई स्पष्ट विजन। इसी हताशा में वे नकारात्मकता फैलाकर आम जनता को गुमराह करने की कोशिश में जुटे हैं, लेकिन बिहार की होशियार जनता उनके भ्रमजाल में नहीं फंसेगी। उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि बिहार अब जंगलराज के खौफनाक दौर से निकलकर सुशासन और समृद्धि की राह पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व में बिहार विकास के नित-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, जिसे विकास विरोधी विपक्ष हजम नहीं कर पा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि विगत लोकसभा चुनाव और चार विधानसभा सीटों पर हुए उप-चुनाव में जनता ने स्पष्ट संदेश दे दिया है कि राजद की नकारात्मक राजनीति किसी भी सूरत में सफल नहीं होगी। इसके बावजूद विपक्ष अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहा है। साथ ही, उन्होंने कहा कि विपक्ष जनता की आँखों में धूल झोंकने की जितनी भी कोशिश कर ले, उन्हें कोई राजनीतिक फायदा नहीं मिलने वाला। उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि हमारे नेता नीतीश कुमार का एकमात्र एजेंडा बिहार का विकास है और सरकार इसी लक्ष्य को लेकर पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है, जबकि विपक्ष एन केन प्रकारेण सत्ता में आकर पुनः लूट, अपराध एवं भ्रष्टाचार का माहौल कायम करना चाहता है, उन्हें आम जनता के हितों से दूर-दूर तक कोई सरोकार नहीं है।

भारत ने बढ़ाए डिजिटल बाजार की ओर कदम

भारत ने उपभोक्ता संरक्षण की दिशा में बड़ी पहल करते हुए जवाबदेह डिजिटल बाजार की ओर कदम बढ़ाए हैं। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस (15 मार्च) की पूर्व संध्या पर भारत सरकार के पत्र एवं सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने सरकार के प्रयासों को साझा किया है। इस साल विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस की थीम- स्थायी जीवनशैली के लिए एक उचित बदलाव है। यह ध्येय वाक्य दुनिया भर में मजबूत उपभोक्ता संरक्षण और सशक्तीकरण का आह्वान करता है। भारत सरकार के उपभोक्ता मामलों के विभाग ने पिछले साल ई-कॉमर्स विनियमन, डिजिटल उपभोक्ता संरक्षण, उत्पाद सुरक्षा मानकों और सतत उपभोग की नीतियों में अहम सुधार किया है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम-1986 को निरस्त कर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम-2019 को अधिनियमित किया गया। इसमें जिला, राज्य और केंद्रीय स्तरों पर त्रिस्तरीय अर्ध-न्यायिक तंत्र उपभोक्ता आयोग का प्रावधान है। आयोग उपभोक्ताओं के अधिकारों की सुरक्षा और अनुचित व्यापार प्रथाओं से संबंधित विवादों का सरल और त्वरित निवारण करता है। यही नहीं, उपभोक्ता कल्याण कोष की स्थापना कर देश में उपभोक्ता आंदोलन को सशक्त करने का प्रयास किया गया है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान विभिन्न राज्यों को उनके संबंधित राज्य उपभोक्ता कल्याण (कॉर्पस) कोष की स्थापना अर्थात संवर्द्धन के लिए केंद्र सरकार के हिस्से के रूप में 32.68 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। 28 राज्यों और आठ केंद्रशासित प्रदेशों में से 24 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश ने उपभोक्ता कल्याण (कॉर्पस) कोष की स्थापना की है। मोदी सरकार ने कोरोना काल (कोविड-19) में भी उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा से समझौता नहीं किया। इसके लिए ई-दाखिल पोर्टल की सुविधा प्रदान की गई। इसे शिकायत दर्ज करने के अभिनव और आसान ऑनलाइन प्लेटफार्म के रूप में डिजाइन किया गया। अपनी स्थापना के बाद से यह उपभोक्ताओं को समय पर न्याय सुनिश्चित करने में गेम चेंजर साबित हुआ है। यह पोर्टल सहज और आसान-सा-नेविगेट करने वाला इंटरफेस प्रदान करता है। ई-दाखिल पोर्टल को पहली बार सात सितंबर, 2020 को राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने लॉन्च किया था। देशभर में ई-दाखिल की शुरूआत के बाद सरकार ने ई-जागृति भी लॉन्च की है। यह केस फाइलिंग, ट्रैकिंग और प्रबंधन को और अधिक सुव्यवस्थित करती है। यह सभी पक्षों के बीच सहज संचार की सुविधा भी प्रदान करने में सक्षम है। इस दौरान राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) शिकायतों के समाधान के इच्छुक उपभोक्ताओं के लिए केंद्रीय बिंदु बनकर उभरा है। इसने उपभोक्ताओं को शिकायतें दर्ज करने और कुशल और प्रभावी तरीके से समाधान खोजने में सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसमें शिकायत निवारण को कारगर बनाने के लिए उन्नत तकनीक को शामिल किया गया है। इसमें एआई संचालित स्पीच रिकॉग्निशन,अनुवाद प्रणाली और बहुभाषी चैटबॉट शामिल है। इसके महत्व को देखते हुए इसे बहुभाषी समर्थन के साथ अपग्रेड किया गया। हेल्पलाइन को भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) और भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) जैसे विभिन्न नियामक निकायों के साथ एकीकृत किया गया। हाल यह है कि एनसीएच में प्राप्त कॉल्स की संख्या दस गुना से अधिक बढ़ गई है। एनसीएच को नया रूप दिया है। यह नया रूप हिंदी, अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं सहित 17 भाषाओं में उपभोक्ताओं को टोल-फ्री नंबर 1915 के माध्यम से शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है। अब तो लोग एकीकृत शिकायत निवारण तंत्र (आइएनजीआरएएम) पोर्टल के माध्यम से भी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। आसान पहुंच के लिए इसमें व्हाट्सएप, एसएमएस, ई-मेल, एनसीएच एप, वेब पोर्टल और उमंग एप जैसे कई चैनल जोड़े गए हैं। इन प्रयासों में जागो ग्राहक जागो पोर्टल और मोबाइल एप की भूमिका भी सराहनीय है। एक और बड़ा काम यह हुआ है कि ई-कॉमर्स में अनुचित व्यापार प्रथाओं से उपभोक्ताओं को बचाने के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम- 2019 के प्रावधानों के तहत उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम- 2020 को भी अधिसूचित किया है। ये नियम, अन्य बातों के साथ-साथ, ई-कॉमर्स संस्थाओं की जिम्मेदारियों को रेखांकित करते हैं। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने 30 नवंबर 2023 को डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। ये दिशा-निर्देश ई-कॉमर्स क्षेत्र में पहचाने गए 13 विशिष्ट डार्क पैटर्न को संबोधित और विनियमित करते हैं। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाली भ्रामक प्रथाओं को रोकना है। यह प्लेटफार्म यह अनिवार्य करता है कि ई-कॉमर्स प्लेटफार्म उपभोक्ता डेटा की सुरक्षा करें। विपणन संचार के लिए स्पष्ट सहमति प्राप्त करें और विवाद समाधान के लिए सुलभ तंत्र प्रदान करें। यह ढांचा ई-कॉमर्स में उपभोक्ता विश्वास को बढ़ाने में कारगर है। इससे नैतिक व्यावसायिक आचरण को बढ़ावा मिलना तय है। यह जवाबदेह डिजिटल बाजार की दिशा में मोदी सरकार का बड़ा कदम है। उल्लेखनीय है कि विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पहली बार 1983 में मनाया गया था। यह तिथि राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी के 15 मार्च 1962 को अमेरिकी कांग्रेस को दिए गए संबोधन की याद में चुनी गई थी, जहां वे औपचारिक रूप से उपभोक्ता अधिकारों को मान्यता देने वाले पहले विश्व नेता बने थे।

भारत ही लिखें और बोलें

ANALYSIS

✍ लोकेन्द्र सिंह

भारतीयता का प्रश्न जब भी आता है, तब यह समूह उसके विरुद्ध ही खड़ा मिलता है। एक तरह से यह उसका स्वभाव बन गया है। भारत को भारत कहने पर आखिर हायतौबा क्यों मची हुई है। भारत विरोधी समूह को एक बार संविधान सभा की बहस पढ़नी चाहिए। निश्चित ही उसे ध्यान आएगा कि तत्कालीन कांग्रेसी नेता अपने देश का नाम भारत ही रखना चाहते थे, लेकिन अंग्रेजी मानसिकता के दास लोगों के सामने उनकी चली नहीं। आखिरकार भारत के साथ इंडिया नाम भी चिपक गया। कांग्रेस के वरिष्ठ एवं सम्मानित नेता सेठ गोविंद दास ने कहा था कि वेदों, महाभारत, पुराणों और चीनी यात्री ह्वेनसांग के लेखों में भारत देश का मूल नाम था। इसलिए स्वतंत्रता के बाद संविधान में इंडिया को प्राथमिक नाम के रूप में नहीं रखा जाना चाहिए। वास्तव में भारत हमारी संस्कृति एवं परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन इंडिया शब्द के साथ ऐसी किसी गौरव की अनुभूति करानेवाली बात नहीं जुड़ी है। भारत कहने पर हमें समृद्धशाली परंपरा का स्मरण होता है। स्वाभाविक रूप से हम लोग अपनी परंपरा से जुड़ जाते हैं। जब भी किसी ने अपने देश को भावनात्मक आधार पर स्मरण किया है, उसने उसके लिए भारत शब्द ही उपयोग किया है।

देश के प्राचीन एवं संविधान सम्मत नाम भारत का जिस प्रकार वातावरण बनाया जा रहा है, उससे दो बातें सिद्ध हो जाती हैं। पहली, देश में अभी भी एक वर्ग ऐसा है, जो मानसिक रूप से औपनिवेशिक गुलामी का शिकार है। भारत के स्व और उसकी सांस्कृतिक परंपरा को लेकर उसके मन में गौरव की कोई अनुभूति नहीं है। दूसरी, वास्तव में यह समूह भारत विरोधी है। भारतीयता का प्रश्न जब भी आता है, तब यह समूह उसके विरुद्ध ही खड़ा मिलता है। एक तरह से यह उसका स्वभाव बन गया है। भारत को भारत कहने पर आखिर हायतौबा क्यों मची हुई है। भारत विरोधी समूह को एक बार संविधान सभा की बहस पढ़नी चाहिए। निश्चित ही उसे ध्यान आएगा कि तत्कालीन कांग्रेसी नेता अपने देश का नाम भारत ही रखना चाहते थे, लेकिन अंग्रेजी मानसिकता के दास लोगों के सामने उनकी चली नहीं। आखिरकार भारत के साथ इंडिया नाम भी चिपक गया। कांग्रेस के वरिष्ठ एवं सम्मानित नेता सेठ गोविंद दास ने कहा था कि वेदों, महाभारत, पुराणों और चीनी यात्री ह्वेनसांग के लेखों में भारत देश का मूल नाम था। इसलिए स्वतंत्रता के बाद संविधान में इंडिया को प्राथमिक नाम के रूप में नहीं रखा जाना चाहिए। वास्तव में भारत हमारी संस्कृति एवं परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन इंडिया शब्द के साथ ऐसी किसी गौरव की अनुभूति करानेवाली बात नहीं जुड़ी है। भारत कहने पर हमें समृद्धशाली परंपरा का स्मरण होता है। स्वाभाविक रूप से हम लोग अपनी परंपरा से जुड़ जाते हैं। जब भी किसी ने अपने देश को भावनात्मक आधार पर स्मरण किया है, उसने उसके लिए भारत शब्द ही उपयोग किया है। राष्ट्रगान में इंडिया भाग्य विधाता नहीं आता, अपितु भारत भाग्य विधाता गाया जाता है। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने भी भारतमाता कौन है व्याख्यायित किया, इंडिया माता नहीं। स्वतंत्रता के आंदोलन में स्वतंत्रता सेनानियों एवं क्रांतिकारियों ने भी भारत माता की जय का नारा बुलंद किया। संविधान सभा में जब भारत के नाम को लेकर आए प्रस्ताव पर चर्चा हो रही थी,

तब प्रसिद्ध गांधीवादी नेता एवं कांग्रेस सरकार के मंत्री महावीर त्यागी ने पंडित जवाहरलाल नेहरू की दलीलों पर व्यंग्य करते हुए कहा कि यह (नेहरूजी) हैरो (विलायत) में पढ़े हैं और मैंने केवल एक छोटी सी पाठशाला में अंग्रेजी पढ़ी है, पर मेरे गुरु नंदराम जी ने छठी क्लास में मुझे बताया था कि व्याकरण के अनुसार प्रोपर नाउन (व्यक्तिवाचक संज्ञा) का अनुवाद नहीं होता है, पर जब हैरो की ग्रामर के विद्यार्थी कहते हैं कि नामों का अनुवाद भी हो सकता है, तो मैं अपना संशोधन वापस लेता हूं। मेरे प्रतिष्ठित मित्र को सचेत रहना चाहिए कि कल के अंग्रेजी समाचारपत्रों में यह छप सकता है कि आनरेबल प्राइम मिनिस्टर ऑफ इंडिया मिस्टर जैमरैड कैनालू के कहने पर त्यागी ने अपना संशोधन वापस लिया। नेहरूजी ने जब पूछा कि क्या कहा तुमने, तब वाकपटुता के लिए प्रसिद्ध महावीर त्यागी ने कहा- जैम का अर्थ है जवाहर, रेड का लाल और कैनालू का अर्थ है नेहरू। दरअसल महावीर त्यागी ने इंडिया दैट इज भारत' प्रस्ताव में एक ऐसी गलती की ओर ध्यान आकर्षित किया था, यदि उसे नहीं सुधारा जाता तो आज संविधान की दुहाई देनेवाले लोग कहते कि अपने देश का नाम न तो इंडिया है और न ही भारत, संविधान के अनुच्छेद-1 के अनुसार हमारे देश का नाम इंडिया दैड इज भारत है। महावीर त्यागी का आधा संशोधन मानकर इंडिया दैट इज भारत से उद्धरण चिह्न हटा लिए और इंडिया शब्द के बाद कौमा लगा दिया। बहरहाल विश्व में शायद ही किसी देश का ऐसा उदाहरण कहीं मिले, जिसका उसकी अपनी भाषा में नाम अलग हो और अंग्रेजी में अलग। सबका एक ही नाम चलता है। दुनियाभर में अनेक उदाहरण हैं, जब देशों ने बाह्य पहचान को हटाकर अपने स्व का धारण किया और अपना वास्तविक नाम स्वीकार किया है। इनमें हमारे ही पड़ोसी देश म्यांमार और श्रीलंका उदाहरण हैं। भारत में अभी ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं आया कि उसका नाम अब केवल 'भारत' लिखा जाएगा। लेकिन, कांग्रेस सहित उसके समर्थित समूह में हलचल मच गई है। अभी कोई नहीं जानता कि संसद के विशेष सत्र में ऐसा कोई प्रस्ताव आएगा या नहीं। यदि आए तो उसका स्वागत किया जाना चाहिए और इस दिशा में कोई प्रस्ताव नहीं भी आता, तब एक संकल्प सबको लेना चाहिए कि जहां तक संभव होगा, हम अपने देश का नाम भारत ही लिखें और बोलें। नोएडा में 10 मार्च 2025 को विमर्श भारत का पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि भारत को अंग्रेजी नाम इंडिया नहीं, बल्कि भारत कहा जाना चाहिए। यह 'कंस्टीटूशन आफ इंडिया' है, 'रिजर्व बैंक आफ इंडिया' है...ऐसा क्यों है। ऐसा सवाल उठना चाहिए। इसे सुधारा जाना चाहिए। अगर देश का नाम भारत है, तो इसे इसी नाम से पुकारा जाना चाहिए। भारत एक भौगोलिक इकाई या संवैधानिक ढांचे से कहीं अधिक है। यह एक गहन दर्शन और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। स्मरण हो कि इससे पहले 2 सितंबर 2023 को सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी भी यह आग्रह कर चुके हैं कि भारत को भारत ही कहना चाहिए। उन्होंने सकल जैन समाज के एक कार्यक्रम के दौरान उचित ही कहा कि हमारे देश का नाम सदियों से भारत ही है। भाषा कोई भी हो, नाम एक ही रहता है। हमारा देश भारत है और हमें सभी व्यावहारिक क्षेत्रों में इंडिया शब्द का इस्तेमाल बंद करके भारत शब्द का इस्तेमाल शुरू करना होगा, तभी बदलाव आएगा। हमें अपने देश को भारत कहना होगा और दूसरों को भी यही समझाना होगा। प्रकांड विद्वान स्वर्गीय राजीव दीक्षित से लेकर सद्गुरु जग्गी वासुदेव तक अनेक महानुभाव यह आग्रह कर चुके हैं कि हमारे देश का नाम भारत होना चाहिए। कांग्रेस में भी जो राष्ट्रभक्त नेता हैं, उनका आग्रह भी भारत नाम के लिए रहा है। अभी हाल के वर्षों में यानी 2012 में ही कांग्रेस के सांसद रहे शांताराम नाइक ने राज्यसभा में विधेयक प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने प्रस्ताव रखा कि संविधान के अनुच्छेद-1 में और संविधान में जहा-जहां इंडिया शब्द आया का उपयोग हुआ हो, उसे बदलकर भारत कर दिया जाए। कांग्रेस के सांसद नाइक ने यह भी कहा कि इंडिया शब्द से एक सामंतशाही शासन का बोध होता है, जबकि भारत से ऐसा नहीं है, परंतु आज एक ऐसे नेता के प्रति स्वामीभक्ति प्रकट करने के चक्कर में कांग्रेसी भारत का विरोध कर रहे हैं, जो भारत को एक राष्ट्र ही नहीं मानता है। वह चुनौती भी देते हैं कि संविधान में कहीं भी भारत को राष्ट्र नहीं लिखा है, जबकि संविधान की प्रस्तावना में ही भारत को एक संप्रभु राष्ट्र कहा गया है। बहरहाल देश के नाम शुद्धि के लिए संविधान संशोधन हो या नहीं, हमें संकल्प करना चाहिए कि हम अपने लिखने, पढ़ने और बोलने में भारत ही उपयोग करेंगे। यदि ऐसा किया, तब किसी प्रकार के संशोधन की अपेक्षा भी नहीं रह जाएगी। वैसे भी अभी सामान्य तौर पर हम अपने देश के लिए भारत नाम का ही उपयोग करते हैं।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

चुनाव आयोग को बदनाम करने का प्रयास

अमेरिका की सत्ता में डोनाल्ड ट्रंप की अप्रत्याशित वापसी के पीछे उनके नारे मेक अमेरिका ग्रेट अगेन यानी मागा की अहम भूमिका रही थी। ट्रंप अमेरिका को फिर से महान बनाने का वादा कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने आधुनिक विश्व के इस सबसे पुराने लोकतंत्र की चुनावी विसंगतियों को सुधारने के कोई संकेत नहीं दिए हैं। यही चुनावी विसंगतियां अक्सर अमेरिका में चुनाव परिणाम को लेकर विवादों को जन्म देती हैं। यहां तक कि ट्रंप भी इस चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाते रहे हैं, लेकिन उनके सत्ता संभालने के बाद भी इसमें सुधार के कोई आसार नहीं दिख रहे। अमेरिकी चुनाव प्रणाली की सबसे बड़ी विसंगति तो यही है कि उसका कोई मानकीकरण नहीं है। इस मोर्चे पर उसे विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की चुनाव प्रणाली की ओर देखना चाहिए। अमेरिका में कोई संघीय चुनाव प्राधिकारी संस्था भी नहीं है, जो पूरे देश में चुनाव प्रक्रिया का एक समान नियमन कर सके। इसके उलट भारत में राष्ट्रीय चुनाव कानून के साथ ही भारत निर्वाचन आयोग जैसी केंद्रीय चुनाव प्राधिकारी संस्था भी है, जो संवैधानिक अधिकारों से सशक्त है। इसके अलावा भारत में देश के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में एक ही विधि से मतदान कराने के लिए इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम जैसी व्यवस्था भी है। यह मशीन कम पढ़े-लिखे लोगों के लिए भी उपयोगी होने के साथ ही कुछ ही घंटों में परिणाम का आकलन करने में सक्षम है। अमेरिका में चुनाव प्रक्रिया अस्त-व्यस्त एवं अराजक है। विभिन्न राज्यों में मतदान से लेकर मतगणना को लेकर अलग-अलग व्यवस्थाएं हैं। हर काउंटी के भी अपने चुनाव कानून हैं, जो अलग-अलग तरीके से मतदान प्रक्रिया को संचालित करते हैं। कई जगहों पर मतपत्र की व्यवस्था है, जहां मतदाताओं को अपनी पसंद दशार्ने के लिए मार्कर दिया जाता है। वे चुनाव चिह्नों का उपयोग नहीं करते। कुछ काउंटी में मतपत्रों के साथ एक मशीन के माध्यम से अपनी पसंद को दशार्ने का प्रविधान है। वर्ष 2000 तक मतदाताओं से उनकी पसंद के प्रत्याशी के नाम पर पंच करने के लिए कहा जाता था। इससे भी अजीब तो यह लगेगा कि कहीं लीवर पंच करके भी मतदान की व्यवस्था रही है। कुछ समय पहले तक पंच करने को लेकर भी राज्यों में अलग-अलग व्यवस्था थी। टेक्सास में बैलट को इस तरह पंच करना अनिवार्य रहा कि उसमें पूरा छेद हो जाए। अगर इसमें कुछ कमी रह जाती तो मत की गिनती नहीं होती। इसके उलट फ्लोरिडा में बैलट को पंच करने की व्यवस्था अपेक्षाकृत उदार रही, जहां आंशिक चिह्न से भी काम चल जाता। इसी को लेकर 2000 के चुनाव में जार्ज बुश जूनियर और अलगोर के बीच चुनावी लड़ाई अदालत की देहरी तक पहुंच गई थी और अंतिम निर्णय आने में कई दिन लग गए थे। इस वाकये के करीब 25 साल गुजर जाने के बाद भी अमेरिका में चुनाव सुधारों की दिशा में कोई खास प्रगति नहीं हुई। जो संस्थाएं अस्तित्व में भी आईं तो उनकी भूमिका सलाहकार के रूप में ही सीमित होकर रह गई है। एक आकलन के अनुसार, करीब 70 प्रतिशत मतदाता मतपत्र, 23 प्रतिशत पसंद को दशार्ने वाली मशीन और शेष सात प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से मतदान करते हैं। मतपत्रों से चुनाव कराने को लेकर भी अलग-अलग राज्यों में अपनी व्यवस्था है। नियत समय से पूर्व मतदान के भी तरह-तरह के स्वरूप मौजूद हैं। यहां तक कि एक राज्य के अलग-अलग इलाकों में भी एकसमान व्यवस्था नहीं। जैसे टेक्सास में मतदाता ईवीएम से वोट देंगे या मतपत्र से, यह उनके निवास स्थान से निर्धारित होगा कि वे कहां रहते हैं। अमेरिका के पूर्वी और पश्चिमी तट के समय में अंतराल भी चुनावी विसंगतियों को बढ़ाता है। जैसे न्यूयार्क में शाम छह बजे मतदान संपन्न हो जाता है, तो टीवी चैनल एक्जिट पोल दिखाने लगते हैं। उस समय तक कैलिफोर्निया में मतदान के पांच घंटे शेष रह जाते हैं। यह मतदाताओं के मानस को प्रभावित करने का काम करता है। इससे स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की संकल्पना को क्षति पहुंचती है। इसके उलट भारत में लोकसभा चुनाव का परिणाम मतगणना के दिन शाम तक करीब-करीब तय हो जाता है। इसी तरह विधानसभाओं के चुनाव नतीजे तो दोपहर तक ही स्पष्ट हो जाते हैं। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव का फैसला होने में कई दिन तक लग जाते हैं। उसके बाद भी विवाद की आशंका बनी रहती है। डोनाल्ड ट्रंप ने शुरूआती रुझान के आधार पर ही अपनी जीत का एलान कर दिया था, लेकिन औपचारिक घोषणा में कई दिन लग गए, क्योंकि तमाम राज्यों में मतगणना की प्रक्रिया जारी थी। इस प्रकार देखें तो लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और चुनावों की कसौटी विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत पूरे संसार में सिरमौर दिखाई पड़ता है। इस मामले में अमेरिका हमसे मीलों पीछे और उसे भारत की बराबरी करने में न केवल बहुत समय लगेगा, बल्कि इसके लिए उसे बहुत प्रयास भी करने पड़ेंगे। यह निराशाजनक है कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव में नए प्रतिमान स्थापित करने के बावजूद भारत में ही कुछ लोग और विशेष रूप से राजनीतिक दल चुनाव प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाने से बाज नहीं आते। इसके लिए कभी मतदाता सूची और कभी मतदाता पहचान पत्रों के दोहरे क्रमांक के मसले उठाए जाते हैं।

Social Media Corner

सच के हक में...

डॉ. देबेंद्र प्रधान जी ने एक मेहनती और विनम्र नेता के रूप में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने ओडिशा में भाजपा को मजबूत करने के लिए कई प्रयास किए। सांसद और मंत्री के रूप में उनका योगदान गरीबी उन्मूलन और सामाजिक सशक्तिकरण पर जोर देने के लिए भी उल्लेखनीय है। उनके निधन से बहुत दुख हुआ। मैं उनके अंतिम दर्शन करने गया और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। ओम शांति।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड में सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों द्वारा आयुष्मान योजना कार्ड धारकों को गलत जानकारी देकर भ्रमित किया जा रहा है और जबरन राशि की वसूली की जा रही है। गरीब, दलित, आदिवासियों को लूटने का यह गोरखधंधा मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री की मिलीभगत से अंजाम दिया जा रहा है। चाहे वह नल-जल योजना हो, प्रधानमंत्री आवास योजना हो या आयुष्मान भारत योजना, हेमंत सोरेन सरकार ने अपनी संकीर्ण मानसिकता और दुर्भावना की राजनीति के कारण जनता के हितों को नुकसान ही पहुंचाया है। मुख्यमंत्री जी से आग्रह है कि वे दुर्भावना की राजनीति छोड़ आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों से की गई जबरन वसूली को वापस कराएं। आने वाले समय में, मैं जनता से सीधे संवाद कर इस मुद्दे को और प्रभावी तरीके से उठाऊंगा।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

नाकामी की पोल खोलता नदियों का प्रदूषण

जलशक्ति मंत्रालय की ओर से संसद में दी गई यह जानकारी निराश करने वाली है कि नदियों के प्रदूषण को दूर करने का काम सही तरह नहीं हो पा रहा है। यह स्वीकारोक्ति इसलिए चिंताजनक है, क्योंकि एक लंबे समय से कहा जा रहा है कि नदियों में सीवरों का गैर शोधित पानी नहीं गिरने दिया जाएगा। बीते दिनों संसद में दी गई जानकारी से यह पता चल रहा है कि सीवेज सिस्टम की खामी से नदियों को प्रदूषण मुक्त करने में बाधा आ रही है। 2014 में मोदी सरकार ने सत्ता में आने के साथ ही जब गंगा नदी को प्रदूषण मुक्त करने का अभियान नए सिरे से शुरू किया और इसके लिए एक नई व्यवस्था बनाई, तब यह उम्मीद बंधी थी कि इस नदी को प्रदूषण मुक्त करने के साथ अन्य नदियों को प्रदूषित होने से रोकने में सफलता मिलेगी, लेकिन स्थिति यह है कि अभी गंगा को भी पूरी तरह प्रदूषण मुक्त नहीं किया जा सका है। नदियों में सीवरों और गंदे नालों का पानी बिना शोधित किए न जाने पाए, यह देखने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों और उनके नगर निकायों की है, लेकिन वे इसमें कोताही बरत रहे हैं। इसी का नतीजा है कि अभी भी नदियों का प्रदूषण जारी है। इसका कारण यह है कि जहां सीवेज शोधन संयंत्र पूरी क्षमता से काम नहीं कर रहे हैं, वहीं अनेक शहरों के गंदे नाले अभी तक इन संयंत्रों से नहीं जोड़े जा सके हैं। दुनिया के अन्य देशों की तरह अपने देश में भी तमाम शहर नदियों किनारे बसे हुए हैं। समय के साथ नदियों के तट पर आबादी का घनत्व भी बढ़ रहा है। इस आबादी के एक बड़े हिस्से के पास सीवेज सिस्टम नहीं है, क्योंकि वह अनधिकृत कॉलोनियों में अधिक रहती है। इसके अलावा शहरों का जो सीवेज सिस्टम है, वह पुराना पड़ चुका है। समस्या इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि सीवेज सिस्टम पर्याप्त क्षमता के नहीं हैं। वे सीवरों का पूरा गंदा पानी शोधित नहीं कर पाते। इसके चलते सीवरों का गैर शोधित पानी सीधे नदियों में जाता है। यह स्थिति महानगरों में भी है। पिछले दिनों दिल्ली में सत्ता बदलने के बाद से यमुना की सफाई पर खूब चर्चा हो रही है। चुनाव में यमुना का प्रदूषण एक राजनीतिक मुद्दा बन गया था। हालांकि आम आदमी पार्टी सरकार भी यमुना को साफ करने की बात करती थी, लेकिन वह नाकाम रही। इसका एक कारण राज्य और केंद्र सरकार का झगड़ा भी रहा। इस झगड़े की वजह से यमुना की सफाई प्राथमिकता नहीं बन सकी। शायद ही कोई दल हो, जो नदियों को प्रदूषण से मुक्त करने की बात न करता हो, लेकिन इसके बाद भी वे प्रदूषित बनी हुई हैं। यह राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी को दशार्ता है। नदियों के प्रदूषित होने का एक बड़ा कारण नगर नियोजन से संबंधित नौकरशाही का नाकारापन भी है। नौकरशाही ने नदियों किनारे होने वाली अनियोजित बसाहट को रोकने में उदासीनता का ही परिचय दिया है। उन्होंने इसे लेकर सरकारों को आगाह भी नहीं किया। नदियों के प्रदूषण में नौकरशाही की भूमिका पर कभी कोई ठोस चर्चा नहीं हुई। अच्छा हो कि सरकार इस पर कोई श्वेतपत्र लाए कि नदियां क्यों प्रदूषित हैं। श्वेतपत्र में इसका भी उल्लेख किया जाए कि जब नदियों किनारे बसाहट हो रही था, तब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी बढ़ती आबादी के लिए उपयुक्त सीवेज सिस्टम का निर्माण क्यों नहीं करा रहे थे। यदि यह मान लिया जाए कि पहले इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आखिर इसका क्या मतलब कि अब भी ध्यान न दिया जाए। एक ऐसे समय, जब केंद्र के साथ राज्य सरकारों की ओर से नदियों को साफ करने के दावे किए जा रहे हैं, तब सीवेज सिस्टम में सुधार न हो पाना, गंदे नालों का सीवेज शोधन संयंत्रों से न जुड़ पाना और इन संयंत्रों का पूरी क्षमता से काम न कर पाना चकित करता है। अरबों रुपये सीवेज व्यवस्था को दुरुस्त करने में खर्च किए जा चुके हैं, पर यही तथ्य बार-बार सामने आता है कि यह व्यवस्था अपर्याप्त और असंतोषजनक है। सीवेज व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए बनाए गए कई सीवेज शोधन संयंत्र एक-दो साल चलने के बाद ही बंद हो जाते हैं।

एक स्वैच्छिक शासनादेश

शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रत्येक विद्यार्थी के शैक्षणिक अभिलेखों को डिजिटल बनाने के वास्ते एक स्वचालित स्थायी शैक्षणिक खाता रजिस्ट्री (एपीएएआर) पहचान की शुरूआत का मकसद देश के शैक्षणिक ईकोसिस्टम में उनके जीवन भर के सभी रिकॉर्ड की सच्चाई का एकमात्र स्रोत सुनिश्चित करना है। आधार से जुड़ा एपीएएआर भारत में स्कूली रिकॉर्ड के तेजी से डिजिटलीकरण की दिशा में पहला कदम नहीं है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन के बाद से शिक्षा अधिकारियों ने शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली प्लस (यूडीआईएसई+) और विद्यार्थी डेटाबेस प्रबंधन सूचना प्रणाली को आगे बढ़ाया है। हालांकि रिकॉर्ड रखने के ये मौलिक रूप से नए तकनीकी सुधार एक बात है, लेकिन जिस तरह से साफ तौर पर गैरकानूनी तरीके से उन्हें अभिभावकों पर थोपा जा रहा है और राज्य स्तर पर हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, वह बिल्कुल ही दूसरी बात है। एपीएएआर को गैरकानूनी बताना महज व्याख्या नहीं है। शिक्षा मंत्रालय की वेबसाइट के हिसाब से स्पष्ट है कि यह कार्यक्रम अनिवार्य नहीं है तथा इसके इस्तेमाल को अनिवार्य बनाने वाला कोई कानून नहीं है। लेकिन, स्कूल और जिला स्तर के शिक्षा प्रशासक उस हकीकत के दायरे के भीतर काम करते नहीं दिखते। उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में स्कूलों को शत-प्रतिशत संतृप्ति या सभी वियार्थियों के पूर्ण नामांकन का एक स्पष्ट लक्ष्य दिया गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के उत्साह में स्कूलों ने नामांकन न कराने की स्थिति में अभिभावकों को नतीजे भुगतने की चेतावनी दी है तथा राज्य शिक्षा प्राधिकारियों ने धार्मिक अल्पसंख्यक संस्थानों एवं यहां तक कि साथी प्रशासकों पर भी अपनी तलवारें लहराई हैं और एपीएएआर तथा मौजूदा रिकॉर्ड के बीच नामांकन संबंधी आंकड़ों के बेमेल होने का आरोप लगाया है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

A beginning and an end

It is that time of year again when the weather changes and another long hot season begins. Chaitra, the Indian month of March to you, heralds the start of the Hindu New Year. Strangely, March is officially the signal for closure of the financial year for the government. Schools are busy holding final exams, banks close down for the end of the financial year and mayhem is let loose upon us as urgent requests for the renewal (yet again) of our KYC documents are sent by the bank almost on a weekly basis. Try doing this online and I guarantee you a heart attack: for, one is never sure whether sharing these details online becomes a tool in the hands of a crafty hacker to access your bank accounts and other important private details. Moreover, no bank customer-care phone is ever reachable and as for the banks themselves, they have cut down their staff to the bare minimum so that you can never get across to the person you seek. Finally, when you do manage to find a friendly bank manager and a helpful officer whose phone number you feed into your phone, be prepared to discover that he has moved to another branch or bank when you dial his number for help.

The much-celebrated digitisation of our banking system is touted as the biggest achievement in empowering Indians, but has anyone actually tried to understand what it has developed into? How I long for the old bank manager who stayed for years at his desk, greeted you warmly and shared a friendly cup of coffee as he helped you with your problem. I am sure I'm not the only one who wants the world to go back to that functioning chaos where problems actually got solved instead of creating fresh ones every week.Having got that off my chest, let me now greet the burst of colour in Nature that surrounds us in March. The red silk cotton tree (semul) is in full bloom before it will burst into wispy balls of cotton wool that will create an epidemic of hay fever, as it is joined by the pollen in the air from flowers and plants full of it. I awoke one morning last week to see my bottlebrush tree sprout tiny red blossoms that are a riot of colour now. By next week, they will start falling, making our mali grumble as he sweeps the dead flowers and leaves. By then, the Easter lilies will poke their heads out, making up for the fading winter flowers that are ready to droop and die.

What this teaches me is that each season is both a beginning and an end. As the end of one draws near, the next one is ready to bloom and grow. This is the law of natural growth and regeneration and all pastoral communities celebrate it with different festivals.Holi, Bihu, Hola Mohalla, Baisakhi — all these are markers of harvest and a brief period of rest for the hard-working farmer as he can leave his fields fallow to regenerate. In Kumaon, my natal home, married girls visit their parents and are pampered with sweets and gifts. And, as is common, fun, food, song and dance happen spontaneously as the cold winter days are put behind and blossoms in orchards predict a fruitful time ahead.Sadly, many of these charming local and regional festivals are becoming occasions for riotous and unsocial behaviour. Drinking, smoking hash and consuming thandai generously laced with intoxicants has made it virtually impossible for young girls to participate in the revelry of spraying friends with coloured powders and water. In Uttar Pradesh and doubtless in Bihar, passing trains are covered in mud and dung flung by village rascals at faces seated near the windows. This is a violation of the spirit of the festival but, as they say in UP, 'Bura na mano, Holi hai!' (It's Holi, after all. Let it go!)

From this, let's turn to the world that is going round in mad circles with Trump and Musk playing the tune that has every country tied up in knots. Many like to call him crazy, but there is a canny politician inside the crazy Trump cards being played. Nobody can seriously challenge that the violence and proxy wars being fought were doing the world no good. It was time that the European nations realised that the days of colonial imperialism were seriously numbered and that they could not expect the US to foot the bill all the time. As elsewhere in the world, the old order was winding down and new power centres were sprouting.

The leopards of Jawai, a sanctuary built on trust and respect

Jawai's leopards have adapted to this coexistence in ways unseen elsewhere

Amid the rugged granite hills of Rajasthan's Pali district lies a land unlike any other — a realm where leopards move like whispers in the twilight, their golden coats blending seamlessly into the rocky outcrops. This is Jawai, a sanctuary not by government decree but an unspoken covenant of coexistence, where man and beast share space in an extraordinary truce.

Unlike the famed forests of Ranthambore or Gir, Jawai was never marked on the conservation maps. No fences divide it; no regulations dictate its wild inhabitants. Instead, it thrives as a living testament to a centuries-old understanding between the region's leopards and its human custodians — the Rabari herders. These pastoralists, clad in their signature crimson turbans, have long accepted the presence of these elusive predators as part of their sacred landscape.Jawai's leopards, in turn, have adapted to this coexistence in ways unseen elsewhere. Unlike their cousins in dense forests who slink through shadows, these majestic creatures lounge openly on sun-warmed boulders, casting regal silhouettes against the sky. They descend at dusk, moving like liquid gold through the terrain, while temple bells ring in harmony with the nocturnal hush. There is no fear here — only an ancient rhythm of life and respect.

When researchers first arrived, expecting tales of conflict, they found none. What they encountered instead was an ecosystem where reverence replaced retaliation. This unique harmony has turned Jawai into an ecological wonder, a place where conservation is not imposed but ingrained in the very fabric of its people's beliefs. Here, no shepherd picks up a gun to seek revenge if he loses a goat. They say, "It is the will of the gods. The hills belong to them as much as to us." And so leopards live, not in the fear of man, but in the shelter of their belief.

From the granite hills, the leopards gaze down upon the life below — the Rabari herdsmen with their bright turbans, the slow-moving ox carts tracing patterns on the dusty trails, the temple bells echoing against the rocks. At dusk, when the sky turns amber, the elusive cats descend from their high thrones, gliding like ghosts through the landscape. The villagers see them, their eyes catching the gleam of the leopards' golden coats. But there is no panic, nobody runs for cover.Perhaps, it is the presence of the ancient temples — those hidden sanctuaries dedicated to deities and saints — that has sealed this ancient truce. Or perhaps, it is simply that the leopards of Jawai and the people of these villages have always been part of the same story. In Jawai, the leopards do not roar, silence is the language, and respect is the law that keeps this land in balance.But change, like the desert wind, has begun to sweep through this tranquil land. Word of Jawai's thriving leopards has spread beyond the hills, attracting visitors eager for a glimpse of the 'spotted lords'. Luxury safari lodges have now risen on the fringes of Jawai, their

canvas tents and stone cottages blending with the rugged terrain. Here, men and women sit by fire-lit patios, sipping steaming cups of chai as they wait for the morning Gypsys to take them into the hills. Trained guides, once herdsmen themselves, now lead these expeditions, their keen eyes reading the signs of the wild — fresh pugmarks in the dust, a distant warning call of a langur, the lingering scent of a leopard's passage on the wind.At dawn, the engines rumble to life, and the jeeps begin their climb. The thrill is not just in spotting the cats but in the ride itself — bouncing over rocky trails, clambering up near-vertical 45-degree slopes.

And then, the moment arrives. A flash of gold against the grey and a pair of luminous eyes locking onto human ones: it is a mesmerising moment. The cameras click. A collective breath is held. For a fleeting second, time stands still.Yet, with fame comes uncertainty. The same outsiders who marvel at Jawai's wonders also bring whispers of development — of fencing the land, imposing regulations, and turning this organic sanctuary into a structured reserve.

Conservationists debate whether such measures will protect or disrupt the delicate balance that has existed for generations. Will bureaucracy replace the unwritten law of mutual respect? Will Jawai's leopards, long accustomed to freedom, find themselves confined?For now, the leopards remain watchers, as they have always been. As the sun dips below the ancient hills and the moonlight bathes the valley in silver, they step out once more — silent, unseen, eternal. Jawai is still theirs, a land not ruled by force but by trust. And perhaps, that is its greatest legacy.

HP's waste woes

Garbage dumps a looming ecological disaster

The Himachal Pradesh government's proposed Policy for Solid Waste Management Facilities in Rural Areas, 2024, though a welcome move, raises pressing concerns about the state's overall waste management strategy. Aiming to streamline waste segregation and disposal at the panchayat level, the policy must be expedited as HP is already grappling with a waste crisis, exacerbated by ineffective execution of past plans. The data is staggering. The state generates approximately 375 tonnes of solid waste daily across 60 urban local bodies (ULBs). The legacy waste backlog stands at over 2.48 lakh tonnes, with only six of the 16 identified sites having been cleared. Meanwhile, the National Green Tribunal has flagged a 9.6-MLD (million litres per day) shortfall in sewage treatment capacity and 20 ULBs still lack sewage management facilities. Shockingly, while some sewage treatment plants are overloaded, a

significant proportion of households remain disconnected, exposing a critical flaw in planning.The government has signed pacts with cement manufacturers for co-processing non-recyclable plastic waste, but this remains a limited solution. A large proportion of plastic waste —from shampoo bottles to chips packets — continues to clog water bodies and urban landscapes. While over four lakh rural households still await access to proper wet waste disposal, the sheer volume of accumulating garbage suggests that incremental measures will not suffice.

A long-term, action-oriented strategy is needed — one that includes mandatory waste segregation at source, expansion of waste-to-energy projects, stricter plastic production regulations and comprehensive recycling initiatives. The recently announced environmental cell within the Urban Development Department must act decisively to bridge policy gaps. Himachal's fragile ecology cannot withstand poor waste management. The voters must make it a poll issue, pressing upon the government to embrace outcome-driven enforcement. Otherwise, the very hills that attract millions of tourists will soon be buried under mounting waste.

Why hypocrisy is the meat of the matter

While it may be ethically, spiritually and morally desirable, vegetarianism does not necessarily assure one a place in the hallowed halls of goodness

In Spiti, we had stopped at the monastery of Dhankar. A young monk came to us and asked when we would return to Shimla. A little hesitantly, he wondered if we had space in the vehicle, and if so, would we take the Rinpoche, the 'Precious One', the Head Lama of the monastery, with us? He would be en route to McLeodganj, where many of the head monks gathered annually for their winter retreat. We said we would be honoured to. A few days later, we picked the Rinpoche and the young monk, and set off. It's a long drive and my friend, whose car it was, planned to do this non-stop. In between, when we took a break, an absolutely gorgeous little Lhasa Apso would pop out of the monk's deep sleeves, be let out to do his business and then, the little dog would hop back into the arms of his loving master.We were repeatedly offered tsampa, which is made from roast barley flour. This, like buckwheat and other millets, forms the mainstay of plant-based food in the area. Then, there is literally 'hard cheese' called chhurpi in parts of India's northeast and in portions of the Trans Himalaya.

In the Trans Himalaya, given the soil conditions, the climate and high altitude, the number of crops per year is severely limited. Green vegetables are mostly brought in from lower areas. In the way that Chango's famous apples are grown in cold aridity, Kinnaur's peas are prized not only for their flavour, but also for their relative rarity. While communications and supplies have improved considerably and have brought variations in diet, there were times when asking for a vegetable, if any was available, meant that one would get soggy cabbages for breakfast, lunch and dinner.

Traditional dietary options remained limited. The result is that despite the fact that most people of these areas are Buddhists, almost everyone eats meat. The animal is honoured by every part of it being eaten or used. The authoritative biographer of His Holiness the Dalai Lama,

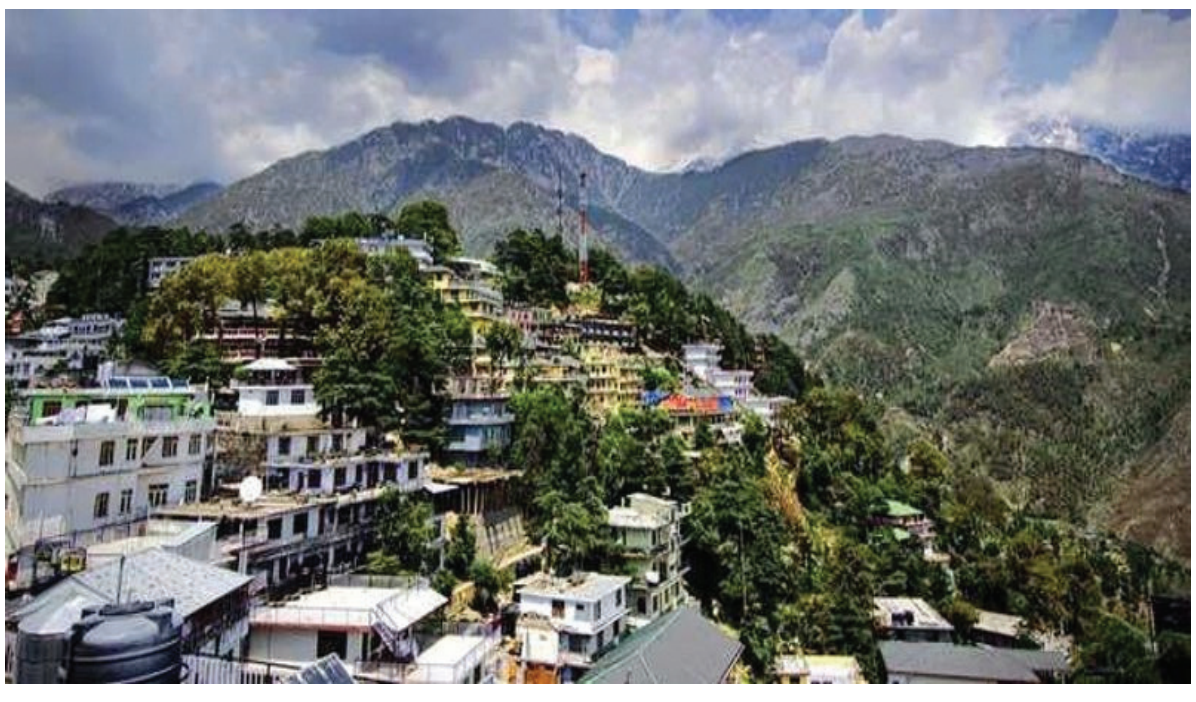

Alexander Norman, notes: "It is characteristic of the Buddhist approach to avoid absolutes. Also, to the dismay of some, the Dalai Lama, though he has often spoken in favour of vegetarianism… is not a vegetarian himself."While it may be ethically, spiritually and morally desirable, vegetarianism does not necessarily assure one a place in the hallowed halls of goodness. Some of the worst humans on our planet have been vegetarians and have touted their supposed saintliness with this, as their only qualification. Take the case of Adolf Hitler. Towards the last years of his life when he committed the greatest atrocities against humans, Hitler touted his vegetarianism at every given opportunity. A close associate, the minister of armaments and war production, Albert Speer, observed that the Fuhrer gave descriptions of animal suffering and slaughter at meals to try to dissuade his colleagues from eating meat. Robert Payne, biographer of several world leaders, wrote that the Nazi propaganda minister, Joseph Goebbels, portrayed Hitler as "a virtuous man, an ascetic who did not drink, smoke or eat meat".Returning from America and the World Parliament of Religions that had been held in Chicago, in 1893, Swami Vivekananda spoke to the Hindus of Tamil Nadu's Sivaganga. That is where he made his famous statement: "We are neither Vedantists, most of us now, nor Pauranics, nor Tantrics. We are just 'Don't-touchists'. Our religion is in the kitchen. Our God is the cooking pot, and our religion is, 'Don't touch me, I am holy'."

Exhorting people to change, the words he uttered just before this, have equal import: "Give up all those old discussions, old fights about things which are meaningless, which are nonsensical in their very nature. Think of the last 600 or 700 years of degradation when grown-up men by hundreds have been discussing for years whether we should drink a glass of water with the right hand or the left, whether the hand should be washed three times or four times, whether we should gargle five or six times. What can you expect from men who pass their lives in discussing such momentous questions as these and writing most learned philosophies on them!" While Swami Vivekananda was not speaking in the context of vegetarianism, or its absence, but about false beliefs and rituals, some of these words would have implications in a provocative and inconclusive debate.

Political or social appropriations and misappropriations of both heroes and villains is nothing new. Yesterday's hero is today's villain and the other way round. Should there be praise for the vegetarian and condemnation for the meat-eater? An image from a childhood book has stayed with me. This is of a Mayan hunter praying over an animal he has killed; he says: "I have need."

As one writes this, it may be added that I am what one would call a non-vegetarian in passing. Nor am I a rigorously religious person. But, as a Hindu, I do not eat beef. That does not make me a better or worse human than someone who does. It is simply an acknowledgement of the belief system that I was born into, and one that I accept. It advocates giving up hypocrisy. Here, you, the reader, may be ahead of me.

SIP and SWP are not the same. Here's how they differ

SIP invests regularly in mutual funds for wealth growth

SWP allows regular withdrawals for steady income

Choosing SIP or SWP depends on financial goals and needs

New Delhi. Many investors often confuse SIP (Systematic Investment Plan) and SWP (Systematic Withdrawal Plan). While both involve mutual funds, they serve entirely different purposes.

SIP is a way to invest money in mutual funds at regular intervals, helping investors build wealth over time. On the other hand, SWP allows investors to withdraw a fixed amount from their mutual fund investments periodically, making it useful for those who need regular income."SIP and SWP are two distinct concepts, like two sides of the same coin. SIP is a method of investing, while SWP refers to a way of withdrawing funds," said Anand K. Rathi, Co-Founder of MIRA Money.

WHAT IS SWP AND HOW IS IT DIFFERENT FROM SIP?

A Systematic Withdrawal Plan (SWP) lets investors withdraw a set amount from their mutual fund investments at regular intervals. This method is especially helpful for retirees or individuals who need a steady cash flow. Investors can choose the withdrawal amount and frequency, making it a flexible option for managing expenses.

In contrast, a Systematic Investment Plan (SIP) allows investors to invest a fixed amount in mutual funds at regular intervals. This strategy promotes disciplined investing and takes advantage of rupee cost averaging, reducing the impact of market ups and downs. SIPs are best suited for long-term financial goals and wealth creation."The key difference between the two lies in their purpose and cash flow direction. SWP involves withdrawing funds from an investment, making it suitable for income generation, while SIP focuses on accumulating wealth through periodic investments," said Swapnil Aggarwal, Director of VSRK Capital.

He also pointed out that SIP helps reduce market risk by averaging out the cost of investment, whereas SWP can lead to capital depletion if withdrawals exceed returns.When choosing between SIP and SWP, it depends on financial goals. SIPs are ideal for those who want to grow their wealth over time, while SWPs are better suited for people who need regular income. Many financial planners suggest investing through SIPs during working years and later switching to SWPs in retirement for a steady income.

HOW DOES SIP AND SWP WORK?

To understand the difference, let's take an example of investing Rs 1 lakh and see how returns vary in both cases.

Scenario 1: 1 lakh (10% return) SWP - Rs 5,000

In the first month, you earn Rs 833 (10% annual return divided by 12 months), and your total investment grows to Rs 1,00,833 before the withdrawal.

After withdrawing Rs 5,000, the remaining balance is Rs 95,833.

This process continues, and depending on market fluctuations, your capital may reduce over time if withdrawals exceed the fund's growth rate.

If withdrawals are lower than the returns earned, your investment can sustain itself longer, or even grow. But if you withdraw aggressively, your capital depletes faster.

Scenario 2: Investing Rs 1 Lakh through SI

Now, instead of a lump sum investment, let's say you invest Rs 8,333 per month (Rs 1 lakh divided over 12 months) in a mutual fund through an SIP with an expected annual return of 10%.

Fast-fashion retailer Forever 21 files for bankruptcy for 2nd time in 6 years

New Delhi. Fast-fashion retailer Forever 21's US operating company on Sunday filed for Chapter 11 bankruptcy for the second time in six years, hamstrung by dwindling mall traffic and mounting competition from online retailers.

The move likely means liquidation for the company, which was unable to find a buyer for its roughly 350 US stores. Its trademark and intellectual property - still held by an entity called Authentic Brands Group - may live on in a different form.The rise of e-commerce, paired with the slow death of the American mega mall, has been an ongoing headwind for Forever 21. It previously filed for Chapter 11 in 2019 and was bought out of bankruptcy by Sparc, a joint venture between label owner Authentic Brands Group and mall operators Simon Property and Brookfield Asset Management Inc.

Forever 21 said it will conduct liquidation sales at its stores while simultaneously conducting a courtsupervised sale and marketing process for some or all of its assets.

The company listed its estimated assets in the range of $100 million to $500 million, according to a filing with bankruptcy court in the District of Delaware, with liabilities being in the range of $1 billion to $10 billion. The filing also showed creditors in the range of 10,001 to 25,000.In the event of a successful sale, Forever 21 said it may pivot away from a full wind down of operations to facilitate a going-concern transaction.The company said its stores and website in the United States will remain open and continue serving customers, and that its international stores remain unaffected.

Forever 21 is owned by Catalyst Brands, an entity formed on January 8 through the merger of Forever 21's previous owner, Sparc Group, and JC Penney, a department store chain owned since 2020 by mall operators and Simon Property Group.When Catalyst Brands was formed, it said in a statement that it was "exploring strategic options" for Forever 21.Authentic Brands will continue to own Forever 21's trademark and intellectual property, which could live on in some form. Authentic Brands CEO Jamie Salter last year called acquiring Forever 21 "the biggest mistake I made."

Founded in Los Angeles in 1984 by South Korean immigrants, Forever 21 at its height was popular among young shoppers on the prowl for stylish but affordable clothing. By 2016 it was operating around 800 stores globally, with 500 of those in the United States.

Explainer: Why Tesla sales and shares are falling

New Delhi. Elon Musk's Tesla is facing significant challenges as its global sales and stock prices are tumbling. The company, which has long dominated the electric vehicle (EV) market, is now struggling to compete with Chinese automakers like BYD, which recently overtook Tesla as the world's largest EV producer.Adding to Tesla's woes, Musk's controversial political views and affiliations have alienated some consumers, further impacting sales and investor confidence.In 2024, Tesla produced 1,774,442 electric vehicles, falling just 4,500 units short of BYD's 1,777,965. The decline in Tesla's sales is particularly evident in its two largest markets: the United States and China. According to S&P Global Mobility, new Tesla registrations in the U.S. fell by 11% in January 2025 compared to the previous year, even as competitors reported growth. In China, Tesla's sales dropped by a staggering 51.47% month-on-month and 49.16% year-on-year in February 2025, according to the China Passenger Car Association (CPCA).Europe has also seen a sharp decline in Tesla's sales, with a 45% drop reported by Jato Dynamics. In Germany, Tesla registrations plummeted by 76% in February 2025 after Musk endorsed the far-right political party- AfD. Similar declines were observed in Norway, Denmark, Sweden and France. The company is also facing boycotts and protests in the United Kingdom and Portugal, further denting its reputation and sales.Elon Musk's political activities have become a significant point of concern for investors and consumers alike. A recent survey by Morgan Stanley revealed that 85% of respondents believe Musk's controversial political views are negatively impacting Tesla's business. Musk's vocal support for former U.S. President Donald Trump and his involvement in Trump's Department of Government Efficiency (DOGE) have drawn criticism, with some consumers opting to boycott Tesla vehicles altogether.

Tesla's strategy of cutting prices to compete with cheaper Chinese EVs has also backfired. While price reductions have provided a short-term boost in sales, they have severely eroded the company's profit margins, leading to investor unease. Add to it, Chinese EV makers continue to sell tech-heavy and feature-rich electric cars at prices far lower than Tesla. With a sharp focus on affordability, technology and styling, particularly in the electric vehicle (EV) space, Chinese companies have already disrupted the global car market. Global brokerage firm JPMorgan recently lowered its forecast for Tesla's first-quarter 2025 deliveries by 20%, from 444,000 to 355,000, and cut its price target for Tesla shares to USD 120 from USD 135. The brokerage cited protests at Tesla stores, sales boycotts, and a surge in second-hand Tesla vehicles as signs of growing consumer dissatisfaction.Tesla's stock price has mirrored its struggles. After soaring to a record high of USD 488 in mid-December 2024, Tesla shares have fallen by about 50%, hitting a low of USD 215 on March 10, 2025—the stock's worst day since 2020.

Ola Electric share price hits record low after insolvency petition. What next

New Delhi. Ola Electric shares tumbled nearly 7% on Monday, sinking below Rs 50 for the first time. The stock hit a record low of Rs 46.94 on the Bombay Stock Exchange (BSE) in early trade. By 10:54 am, it was trading at Rs 47.25, down 6.51%.

The slump came after the company revealed that an insolvency petition had been filed against its subsidiary, Ola Electric Technologies.

The petition was submitted by M/s. Rosmerta Digital Services, an operational creditor, at the National Company Law Tribunal (NCLT) in Bengaluru. The creditor accused Ola of defaulting on payments for services and asked for a Corporate Insolvency Resolution Process (CIRP) to be initiated.

Ola Electric issued a statement to stock exchanges, saying: "We wish to inform you that a petition has been filed under Section 9 of the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 ("IBC") by M/s. Rosmerta Digital Services Limited, an Operational Creditor of Ola Electric Technologies Private Limited, a wholly owned subsidiary of Ola Electric Mobility Limited ("the Company")."

"The petition has been submitted before the National Company Law Tribunal Bengaluru Bench ("NCLT, Bengaluru"), alleging to default in payment towards the services rendered by the Operational Creditor and seeking initiation of the Corporate Insolvency Resolution Process ("CIRP") against the Ola Electric Technologies Private Limited," it added.

The company has pushed back against the claims, saying it has taken legal advice and plans to challenge the allegations. It assured investors that it will take all necessary steps to defend itself.

According to analysts, the stock may continue to remain weak. "The company needs to get its sales volume back. If it doesn't regain its sales volume at this juncture when the entire EV space is about to pick up, then there is a serious flaw with the acceptability of its products. Ola Electric has launched vehicles in most segments and despite that, volume stability is not there. So, I expect the negativity will remain," Vinit Bolinjkar, Head of Research at Ventura Securities, told Business Today.Vaishali Parekh, Vice-President (Technical Research) at Prabhudas Lilladher, said the stock has been in a downtrend. "The counter has been in a downward trend and traded in the oversold category on daily charts. We will wait for a trend reversal," she told Business Today.Technical indicators also point to weakness. The stock traded below key moving averages, including the 5-day, 10-day, 20-day, 50-day, and 100-day simple moving averages (SMAs). Its 14-day relative strength index (RSI) stood at 41.57. A level below 30 is considered oversold, while above 70 is overbought.

NPS pension processing now similar to OPS rules. Check latest guidelines

New guidelines have been introduced to speed up the pension processing process and to ensure that retired employees receive their pensions on time without any trouble.

New Delhi. The Central Pension Accounting Office (CPAO) has released new guidelines to ensure that retirees under the National Pension System (NPS) get their pensions on time. In a memo dated March 12, 2025, the CPAO reminded officials to follow the same process as the Old Pension Scheme (OPS), as per earlier instructions issued on 18 December 2023.

"It has been observed that while submitting such cases to CPAO, few PAOS have not followed the guidelines in submission of NPS cases as OPS cases. To be more specific, it has been noticed that three (03) copies of Provisional PPOs (used earlier for submission of NPS cases to CPAO) have been submitted by PAOS, while submitting NPS cases as OPS cases whereas only two (02) copies of PPO Booklets (Pensioner Portion & Disburser Portion) should be submitted alongwith cases to CPAO," mentioned the memo.The CPAO has observed that despite clear instructions, few Pay and Accounts Offices have been making mistakes in processing pension cases. For example, they have been submitting three copies of the Provisional Pension Payment Order (PPO) instead of the required two bookletsone for the pensioner and one for the disburser, which has been causing unnecessary delays.Hence, to speed up the process and to ensure that retired employees receive their pensions on time without any trouble, CPAO has directed all officials, including Principal CCAs, CCAs, AGs, and authorised bank CPPCs, to adhere to the rules.

UNDERSTANDING NPS, OPS AND UPS

Old Pension Scheme (OPS)

Before 2004, government employees were covered under the OPS, which offered a fixed pension based on their last withdrawn salary and years of service. The scheme provided lifelong pension benefits and also ensured that the pensioner's family received payments in case of their passing.This scheme is applicable to those central government employees who joined before 22 December 2003.

National Pension System (NPS)

Introduced in 2004, NPS replaced OPS and later extended to private employees, self-employed individuals, and NRIs. Unlike OPS, NPS is market-linked, meaning the pension amount depends on investment performance.

Unified Pension Scheme (UPS)

Introduced in 2024, UPS combines the benefits of OPS and NPS. It offers a guaranteed pension along with a contribution-based system.

Currently, this scheme is available for central government employees and may

IndusInd Bank share price gains 5% after RBI's statement. Buy or sell

New Delhi. IndusInd Bank stock jumped 5% in early trade on Monday after the Reserve Bank of India (RBI) reassured investors that the private lender's financial health was stable. The central bank dismissed speculation about the bank's condition and said depositors need not react to reports floating around.

Following the statement, IndusInd Bank stock hit Rs 707 on Bombay Stock Exchange (BSE), up 5.19%. Even with today's rise, the stock remains down over 28% so far this year, while the BSE Sensex is down 6% in the same period.

WHAT DID RBI SAY?

The RBI's comments came after IndusInd Bank disclosed a 2.4% dent in its net worth due to a derivatives valuation issue. This triggered multiple downgrades, with analysts warning of a possible loss in the March quarter.However, CEO Sumant Kathpalia remained optimistic, stating the bank would still post a profit for Q4 and FY25, adding that its capital adequacy stood strong at over 15%.

The RBI noted that IndusInd has engaged an external audit team to review the situation and that the board has been directed to sort the issue by Q4FY25, with all required disclosures to stakeholders.

The regulator also pointed out that the bank's Capital Adequacy Ratio stood at 16.46% and its Provision Coverage Ratio at 70.2% as of December 31, 2024. Its Liquidity Coverage Ratio was at 113% as of March 9, comfortably above the 100% regulatory requirement.

SHOULD YOU BUY OR SELL?

ICICI Securities maintained a "Reduce" rating on IndusInd Bank, keeping its target price at Rs 850. The brokerage highlighted concerns over the internal controls exposed by the derivatives issue, stating that the financial hitestimated at around Rs 20-21 billioncould weigh on the bank's Q4 results, potentially pushing it into a loss.For Q3FY25, IndusInd Bank posted a total income of Rs 15,155.80 crore, up 1.91% from the previous quarter and 8.5% higher year-on-year. The bank reported a net profit of Rs 1,402.33 crore for the period.IndusInd Bank had flagged that the derivatives positions in question were linked to foreign currency deposits and borrowings, not client or industry exposure. The lender stopped internal hedging from April 2024 and discovered the discrepancies by September. Analysts say this could weigh on its near-term performance, though better-than-expected growth or a smooth leadership transition could be upside risks.

Can't save more than Rs 1,000 Here's where to invest it smartly

New Delhi. Remember when Rs 10 could buy a full plate of samosas a decade ago? Today, you might be lucky to get just one piece. That's inflation at work. It eats away at your money over time.Simply saving your money isn't enough, because its value keeps decreasing. The only way to stay ahead of rising prices is to invest, even if you can start with just Rs 1,000 a month.WHY SHOULD YOU INVEST?

Inflation is like a slow leak in your wallet. If you only save money and do not invest, your purchasing power keeps reducing. The key is to make your money grow faster than inflation. Even small investments can help if done wisely.According to Trivesh, COO of Tradejini, the stock market has gained a wider audience in recent years, especially after the post-COVID rally. "The Indian stock market has given impressive returns in the last few years. Nifty 50 gained 21% in 2024, which attracted more investors. But can the market always perform like this?" he said.

STOCK MARKET vs MUTUAL FUNDS?

For those willing to take risks, investing Rs 1,000 a month in small-cap stocks can generate high returns. Small stocks have huge growth potential, but they also face extreme volatility. "In 2024, small-cap stocks gave 35% returns, but since January 2025, they have fallen 28%," said Trivesh.Investing directly in stocks can provide higher returns, but it also comes with higher risk. "Rs 1,000 may not be enough to build a diversified portfolio. This makes risk management difficult. Also, investing in stocks requires deep knowledge and constant monitoring. Market volatility can lead to short-term losses, which new investors may find hard to handle," he added.If you do not have time to aalyse stocks, mutual funds can be a good option.

The introduction of Choti SIP (small SIPs) has made investing easier and helped spread financial awareness. "Mutual funds allow monthly investments with a small amount. Fund managers handle stock selection, making them a convenient option for beginners," said Trivesh.

How flexibility helps flexi-cap funds

New Delhi. In the last quarter of 2017, the Securities and Exchange Board of India (SEBI) introduced tightly defined categories of equity mutual funds based on market capitalization. But it soon woke up to the fact that many Asset Management Companies (AMCs) that ran multi-cap funds had portfolios that more or less mirrored other categories such as large cap, large and mid-cap or even mid-cap and small cap funds as it had set no pre-defined limits across market-capitalizations.

SEBI then announced that Multi Cap Funds are required to hold at least 75% of their assets in equity and equity-related instruments at any point in time. Further, the portfolio must allocate at least 25% of its assets to large-cap stocks, 25% to mid-cap stocks, and another 25% to small-cap stocks. When the industry protested, SEBI back-tracked and created yet another category named Flexi-Cap Funds.

Flexi Cap Funds got defined as funds that invest at least 65% of their assets in equities and equity-related products, with a dynamic allocation between large-cap, mid-cap, and small-cap stocks. It was introduced as a new category of equity funds in November, 2020.

As opposed to multi-cap funds, these funds had the leeway to provide heavier weightage in their investments across any market capitalization category, if they deemed it fit. Any remaining portion that the fund may have, after investing in stocks across market capitalizations can be invested in debt and money market instruments.

Centre Updates List Of Terrorist Organisations, Unlawful Groups

New Delhi. An updated list of the Ministry of Home Affairs (MHA) names a group of 67 terrorist organisations and unlawful associations facing a ban under the Unlawful Activities (Prevention) Act for their role in terrorist activities against India, threatening the country's security.

The list released by the Ministry of Home Affairs names 45 organizations that are officially categorized as terrorist organizations under Section 35 of the UAPA and are included in the First Schedule of the Act. The remaining 22 groups are classified as unlawful associations under Section 3(1) of the UAPA.Many of these organizations have been involved in militancy, separatism, and violent activities across India. The MHA keeps on updating such list. The declaration of these banned organisations is part of India's ongoing efforts to curb terrorism and extremist activities within its borders. Organizations listed under the UAPA face strict legal action, including asset freezes and arrests of members involved in unlawful activities.The group of outfits designated as terrorist organisations are Babbar Khalsa International; Khalistan Commando Force; Khalistan Zindabad Force; International Sikh Youth Federation; Lashkar-e-Taiba or Pasban-e-Ahle Hadis or The Resistance Front and all its manifestations and front organisations; Jaish-e-Mohammed or Tahreik-e-Furqan or People's Anti-Fascist-Front (PAFF) and all its manifestations and front organisations; Harkat-ul-Mujahideen or Harkat-ul-Ansar or Harkat-ul-Jehad-e-Islami or Ansar-ul-Ummah; Hizb-ul-Mujahideen or Hizb-ul-Mujahideen Pir Panjal Regiment; Al-Umar-Mujahideen; Jammu and Kashmir Islamic Front; United Liberation Front of Assam (ULFA); National Democratic Front of Bodoland (NDFB) in Assam; People Liberation Army (PLA); United National Liberation Front (UNLF); People's Revolutionary Party of Kangleipak (PREPAK); Kangleipak Communist Party (KCP); Kanglei Yaol Kanba Lup (KYKL); Manipur Peoples Liberation Front (MPLF); All Tripura Tiger Force (ATTF); National Liberation Front of Tripura (NLFT); Liberation Tigers of Tamil Eelam (LTTE); Students Islamic Movement of India (SIMI), Deendar Anjuman; Communist Party of India (Marxist-Leninist)-Peoples War, all its formations and front organisations; Maoist Communist Centre (MCC), all its formations and front organisations; Al Badr; Jamiat-ul-Mujahideen; Al-Qaida or Al-Qaida in Indian Sub-Continent (AQIS) and all its

manifestations.Dukhtaran-e-Milat (DEM); Tamil Nadu Liberation Army (TNLA); Tamil National Retrieval Troops (TNRT); Akhil Bharat Nepali Ekta Samaj (ABNES); and organisations listed in the Schedule to the UN Prevention and Suppression of Terrorism (Implementation of Security council Resolutions) order, 2007 made under Section 2 of the United Nations (Security Council) Act, 1947 and amended from time to time; as well as Communist Party of India (Maoist) all its formations and front organisations, Garo National Liberation Army (GNLA), all its formations and front organisations; Kamatapur LIberation Organisation, all its formations and front organisations; Islamic State or Islamic State of Iraq and Levant or Islamic State of Iraq and Syria or Daish, and all its manifestations; National Socialist Council of Nagaland (Khaplang), all its formations and front organisations; The Khalistan Liberation Force and all its manifestaions; Tehreek-ul-Mujahideen (TuM); Jamaat-ul-Mujahideen Bangladesh or Jamaat-ul-Mujahideen India or Jamaat-ul-Mujahideen Hindustan and all its manifestations; Jammu and Kashmir Ghaznavi Force (JKGF) and all its manifestations and front organisations; Khalistan Tiger Force (KTF) and all its manifestations anf front organisations; and Hizb-ut-Tahrir (HuT) and all its manifestations and front organisations are other terrorist.

Rajasthan minister meets state's top cop, phone-tapping row resurfaces

NEW DELHI. Rajasthan cabinet minister Kirodi Lal Meena met Director General of Police (DGP) U R Sahoo in Jaipur on Sunday, sparking criticism from the opposition. Congress leaders attacked the ruling BJP government over the meeting, questioning why the minister visited the top cop instead of summoning him.State Congress in-charge Sukhjinder Singh Randhawa remarked, "It is the first time that a person who is a cabinet minister is visiting the DGP with his demands. He could have summoned the DGP."

Meena raised several issues during the meeting.

He claimed that police personnel did not celebrate Holi this year and urged the DGP to ensure they celebrate Diwali.Additionally, he demanded that Assistant Sub-Inspector (ASI) Surinder Singh, who lost his life while protecting Chief Minister Bhajanlal Sharma last year, be recognised as a martyr and that his family receive financial aid.

Leader of the Opposition Tikaram Jullie mocked Meena, stating that his resignation had been pending for eight months. State Congress chief Govind Singh Dotasra also took a jibe at the minister, saying, "Kirodi wants to change the parchi in Rajasthan for which he met with the DGP in Jaipur today."

Last month, Meena reiterated his accusations of phone tapping and surveillance by the Criminal Investigation Department (CID)."I had hoped that reign will change. When our rule will come, then action will be taken against the corrupt ... I am disappointed. CID is keeping a tab on me, my telephone is being recorded.

MoU signed, urban freight services on DMRC network soon

NEW DELHI. In a first-of-its-kind initiative in the entire South Asia Pacific region, the Delhi Metro has signed a Memorandum of Understanding (MoU) with private logistics service provider Blue Dart to transport cargo during non-peak hours.

"By integrating first-mile and last-mile connectivity through metro-enabled logistics solutions and Micro Parcel Hubs, the project enhances supply chain efficiency while alleviating road congestion and urban pollution. Under this initiative, DMRC is leveraging its stations and tracks to establish a sustainable urban

freight network across Delhi-NCR," DMRC Principal Executive Director Anuj Dayal said.The DMRC plans to expand the cargo network to additional metro stations, setting benchmarks in sustainable and seamless freight transportation, Dayal added.Metro systems across the globe are increasingly exploring ways to utilise spare capacity to generate revenue while promoting sustainability.

"Madrid Metro has initiated a pilot project in collaboration with logistic partners to transport parcels via metro trains, thereby reducing road traffic and pollution. DMRC is engaging with Madrid Metro in urban freight transportation," a senior DMRC official said.

Odisha man carries dead Cobra to hospital after being bitten multiple times

NEW DELHI.A man in Odisha arrived at the hospital carrying a dead cobra after being bitten multiple times by it.As per sources, hospital staff promptly seized the snake from the man, Ajit Karmakar, which helped doctors confirm it was a cobra. They administered the necessary neurotoxins immediately.

Dr. Rajkumar Nayak of the hospital explained the importance of Karmakar's quick actions: "We noticed the fang marks and confirmed the snake bite. The man

had bleeding in the bite regions of his body and dilated pupils, which are typical symptoms in such cases. Since he brought the snake with him, we were able to quickly identify that it was a cobra. He was administered appropriate neurotoxins."

As shown in the video, Karmakar is folding the dead cobra snake and putting it in the polythene.Karmakar was reportedly bitten three to four times by the cobra just outside his home. Karmakar managed to kill the snake before packing its carcass in a plastic bag and rushing to the hospital for treatment.He is now recovering under medical supervision.

Delhi HC holds lawyer in contempt for aggressive conduct, directs to give free legal service

NEW DELHI. The Delhi High Court has held advocate Shivanshu Gunwal in contempt of court for his disruptive behaviour during a trial under the Protection of Children from Sexual Offences (POCSO) Act. The court directed Gunwal to provide free legal aid in at least two POCSO cases as a corrective measure.Gunwal was accused of aggressively challenging the judge during a trial at Saket Court on November 23, 2024. Reports suggest that Gunwal raised his voice, pointed at the judge, and questioned the judicial reasoning. Despite multiple warnings, his behavior continued, leading the trial court to refer the matter for contempt proceedings.In its ruling, a division

bench of Justices Prathiba M Singh and Rajneesh Kumar Gupta accepted Gunwal's apology but emphasized the importance of maintaining courtroom decorum.The court ordered that Gunwal render pro bono legal services in at least two POCSO cases, to be assigned by the presiding judge at Saket Court. The incident began when Gunwal, representing an accused in the POCSO case, made provocative remarks like, "You tell me the law" and "Why don't you convict the accused right now."

After withdrawing from the case, he reportedly remained in the courtroom with his associates, creating an intimidating atmosphere and threatening to file a complaint against the judge. Gunwal appeared before the High Court, expressing regret and explaining that the incident was an exception in his otherwise disciplined career of two decades.

The HC acknowledged his remorse but stressed the need for lawyers to uphold the dignity and respect of the judicial system at all times.

Three-year-old abducted from West Bengal rescued in Rajasthan

NEW DELHI. A three-year-old girl, kidnapped from a railway station in West Bengal and trafficked to Rajasthan, has been rescued in a dramatic multi-agency operation. The Railway Police, along with Rajasthan Police and other law enforcement agencies, successfully traced the child and arrested the key trafficker, Soraj Kanjar, who is now in custody. Authorities are now working on the transit remand of Soraj Kanjar to West Bengal for further legal proceedings.

The rescue mission culminated on March 11, when a seven-member team, including the girl's mother, flew to Jaipur, Rajasthan. With the assistance of Rajasthan Police, they tracked the child. The girl was safely recovered and reunited with her mother.The incident began on March 5 at Howrah station, where the child and her mother were waiting to board a train. A middle-aged woman, later identified as Sahanara Begum, engaged the mother in conversation and took the girl to buy something from a nearby shop. She then disappeared with the child.

Upon realising her daughter was missing, the distraught mother immediately approached the Railway Police. Investigators launched an extensive operation, analysing hours of CCTV footage from the station.After two days of surveillance, they spotted the woman and the child in a minibus.

On March 11, officers arrested Sahanara Begum. Her interrogation led to the arrest of another trafficker, Mafuja Bibi, on March 12. During questioning, Mafuja revealed that the girl had been handed over to Soraj Kanjar at Jaipur station and was likely taken to Sawai Madhopur, Rajasthan.Call records confirmed that the trafficking occurred around March 9-10. With this crucial information, the rescue team was dispatched to Jaipur, leading to the child's successful recovery.

Dust-free Ring Road in Delhi soon as drive against pollution begins

NEW DELHI. With pollution being one of the most pressing problems in the national capital, the Delhi government has launched a comprehensive campaign and planned to take measures like making the entire Ring Road dust-free, planting trees along roads, dividers and reducing traffic congestion on nearly 250 roads. All concerned departments have been directed to implement the steps.The government is committed to scientific and sustainable measures to improve air quality in the city, CM Rekha Gupta said after launching the campaign on Sunday.

Goal of clean and pollution-free city will be achieved through green corridor development, traffic management and improved public transport. The Delhi government is working closely with the Centre, various agencies, and the public to implement pollution control measures," Gupta said.

As part of the campaign, the entire Ring Road will be made dust-free through

mechanised sweeping and use of sprinklers, officials said. Strict enforcement of measures at construction sites will be ensured, they said, adding that a drive to check vehicular pollution would be launched soon.As many as 250 major areas where traffic jam is rampant have been identified and all concerned departments have been instructed to identify the causes of traffic snarls with the help from cops, officials said.

Rationalisation of DTC bus routes are being done to enhance public transport system, officials said, adding a control room is being set up for real-time monitoring of public buses. The aim is to reduce dependence on private vehicles and lower pollution, officials said.It has been decided to step up enforcements on border areas and deployment of sprinklers and smog guns throughout the year, except during the monsoon season. MCD, PWD and DDA have been asked to submit weekly reports on road repairs.

Muslim law board stages protest over Waqf bill, BJP says 'inciting riots'

The Bharatiya Janata Party (BJP) accused the All India Muslim Personal Law Board of "inciting riots" in the name of Waqf.

NEW DELHI. Members of the All India Muslim Personal Law Board (AIMPLB), the apex body of Muslim clerics in India, gathered at Delhi's Jantar Man to stage protest against the Waqf (Amendment), calling it "direct attack" on Muslims. The board said the bill would pave the way for the "usurping" of Waqf properties."The Muslim community views this Waqf Amendment Bill as a direct attack on the community," AIMPLB said in a statement last week.The protest, originally planned for March 13, was postponed in view of holidays on account of Holi. The board's spokesperson, Syed Qasim Rasool Ilyas, held a press conference to announce the protest last week and said that the bill amounts to "discrimination".

The protests come after the Union Cabinet, led by Prime Minister Narendra Modi, approved the proposed amendments to the Waqf (Amendment) Bill after incorporating changes recommended by the Joint Parliamentary Committee (JPC).

The approval paves the way for the bill to be tabled in Parliament in the second half of the budget session.AIMPLB general secretary Fazlur Rahim Mujaddidi had said that the board tried to convince the government through all democratic means, but their concerns were not heard. "Now, we have no option but to go on a

protest.

The government wants to impose this amendment on us at any cost. We do not want the situation to worsen, but you (the government) want conflicts in every street and neighborhood, especially over mosques and cemeteries. We want to see a developed India, but in these circumstances, our dream cannot come true. This amendment is against the country. The government has misled our innocent Hindu brothers as well," Mujaddidi said.

BJP REACTS

Jagadambika Pal, BJP MP and the Chairman of the JPC, criticised AIMPLB for its planned protest against the Bill, claiming it could create divisions and challenge Parliament's authority to legislate.

"The Joint Parliamentary Committee and Waqf had called AIMPLB before the committee after this amendment. We took cognisance of the things highlighted by AIMPLB before the committee.

Not only that, we also made it a part of our report...so why are they going to hold a protest at Jantar Mantar in Delhi?...after the amendment, a better law is going to be formed...poor, women, widows and children will also benefit from Waqf," Pal told news agency ANI.

BJP leader Shehzad Poonawalla accused the body of using Waqf as an excuse to incite riots in the country and said that they are constantly trying to incite Muslim citizens in the name of Waqf.

NEWS BOX

Suicide car bomb targets security convoy in Pakistan's Balochistan, 7 killed

UPDATED A suicide car bomber targeted a convoy of buses carrying security forces in the restive southwestern province of Balochistan on Sunday, killing at least five officers and two civilians, the military and police confirmed.According to Zafar Zamanani, a local police chief, ten people were also wounded in the attack, which occurred in Naushki district. Some of the injured are in critical condition and have been transported to hospital for treatment.Authorities reported that separatist rebels opened fire on the buses following the car bombing. The outlawed Baloch Liberation Army has claimed responsibility for the attack.A military statement condemned the incident, stating, "Sanitisation operations in the area will continue, and the perpetrators of this heinous and cowardly act will be brought to justice".

The attack comes just days after rebels stormed a train and took around 400 people hostage. That incident resulted in 26 deaths before security forces launched an operation, killing all 33 attackers.

Sarfraz Bugti, the Chief Minister of Balochistan, confirmed that security forces returned fire during Sunday's attack, killing at least four of the assailants.

Balochistan, Pakistan's largest yet least populated province, is rich in oil and minerals. Ethnic Baloch residents have long accused the central government of discrimination, an allegation that Islamabad denies. The Baloch Liberation Army has been waging an armed insurgency, demanding independence from Pakistan.Security remains tight in the province, with authorities continuing counter-terrorism operations to prevent further attacks.

Vatican releases first photograph of pope in a month as he celebrates Mass in hospital chapel

ROME. The Vatican on Sunday released the first photograph of Pope Francis in more than a month, showing the pontiff in a three-quarter view from behind wearing a purple stole typical of Lenten liturgical vestments and sitting in a wheelchair before the altar of his personal hospital chapel.

The Vatican said he was participating in the celebration of the Mass with other priests in the 10th-floor papal apartment in the Gemelli hospital. No one else is visible in the photo and it is the first mention the Vatican has made of the pope's participation in celebrating Mass since his Feb. 14 hospitalization for a bout with chronic bronchitis that quickly turned into double pneumonia.

There was no obvious sign that he was receiving supplemental oxygen mentioned in medical bulletins.

Doctors this week said the pontiff was no longer in critical, life-threatening condition, but they have continued to emphasize that his condition remained complex due to his age, lack of mobility and the loss of part of a lung as a young man. In an audio recording released March 6, the pope spoke in a feeble and labored voice as he thanked the faithful in St. Peter's Square for their prayers.His condition has been gradually improving over the last week, leading the Vatican to suspend morning updates and to issue less frequent medical bulletins. An X-ray this week confirmed that the infection was clearing.

In the most recent bulletin on Saturday, doctors said they were working to reduce the pope's reliance on a non-invasive ventilation mask at night, which will allow his lungs to work more. He was continuing to receive high-flow supplemental oxygen, delivered by a nasal tube, during the day — although no such apparatus was evident in the photograph.

'Pope of the children'

Earlier Sunday, dozens of children — many from war-torn countries, and toting yellow and white balloons — gathered outside Rome's Gemelli hospital to greet Francis on his fifth Sunday hospitalized. While the pope did not appear from the 10th-floor suite of windows, he thanked them and acknowledged their presence in the traditional Sunday blessing.

US Airstrikes On Yemen's Houthis Kills 53

Sanaa. The Houthi-run Health Ministry has said that the overnight US strikes killed at least 53 people, including five women and two children, and wounded more than 100 people in Yemeni state capital Sanaa, media reported.The US has escalated its strikes against Yemen's Iran-backed Houthis, with President Donald Trump vowing on Saturday to use 'overwhelming lethal force' against the rebels who have attacked international ships in the Red Sea in 'solidarity' with Gaza.Multiple US strikes in Yemen's capital Sanaa and other areas have resulted in numerous casualties with the militants also vowing escalation as they face one of the most extensive attacks since the war in Gaza began in October 2023

The US conducted overnight airstrikes on multiple targets in Yemen starting around midnight on Sunday, targeting the capital Sanaa, and other places, including the Houthi stronghold province of Sadaa.

Trump said that the Houthis must stop their attacks on international ships in the Red Sea, one of the busiest shipping routes in the world. If they don't, the US President vowed that 'hell will rain down' on them like 'nothing you have seen before'.US Secretary of State Marco Rubio told CBS News on Sunday that the strikes will continue until the Iran-backed militants 'no longer have the capability' to attack international ships.The Houthis have been repeatedly targeting international shipping in the Red Sea, sinking two vessels, in what they call acts of solidarity with the Palestinians in Gaza, where Israel has been at war with Hamas, another Iranian ally.

Rubio said that over the past 18 months, the Houthis had attacked the US Navy "directly" 174 times and targeted commercial shipping 145 times using "guided precision anti-ship weaponry".

US vows to strike Yemen's Houthis until shipping attacks cease

Washington. The United States will keep attacking Yemen's Houthis until they end attacks on shipping, the US defence secretary said on Sunday, as the Iran-aligned group signalled it could escalate in response to deadly US strikes the day before.The airstrikes, which the Houthi-run health ministry said killed at least 53 people, are the biggest US military operation in the Middle East since President Donald Trump took office in January. One US official told Reuters the campaign might continue for weeks.

Houthi leader Abdul Malik al-Houthi said on Sunday that his militants would target US ships in the Red Sea as long as the US continues its attacks on Yemen. "If they continue their aggression, we will continue the escalation," he said in a televised speech.The Houthi movement's political bureau described the attacks as a "war crime," while Moscow urged Washington to cease the strikes.The Houthis' military spokesperson on Sunday said, without offering evidence, that the group had targeted US aircraft carrier USS Harry S. Truman and its warships in the Red Sea with ballistic missiles and drones in response to the US attacks.

US warplanes shot down 11 Houthi drones on Sunday, none of which came close to the Truman, a US official told Reuters. US forces also tracked a missile that splashed down off the coast of Yemen and was not deemed a threat, the official said.US Defence Secretary Pete Hegseth told Fox News' "Sunday Morning Futures": "The minute the Houthis say we'll stop shooting at your ships, we'll stop shooting at your drones. This campaign will end, but until then it will be unrelenting.""This is about stopping the shooting at assets ... in that critical waterway, to reopen freedom of navigation, which is a core national interest of the United States, and Iran has been enabling the Houthis for far too long," he said. "They better back off."The Houthis, who have taken control of most of Yemen over the past decade, said last week they would resume attacks on Israeli ships passing through the Red Sea if Israel did not lift a block on aid entering Gaza.

They had launched scores of attacks on shipping after Israel's war with Hamas began in late 2023, saying they were acting in solidarity with Gaza's Palestinians.

Trump also told Iran, the Houthis' main backer, to stop supporting the group immediately. He said if Iran threatened the United States, "America will hold you fully

accountable and, we won't be nice about it!"

IRAN WARNS US NOT TO ESCALATE

In response, Hossein Salami, the top commander of Iran's Revolutionary Guards, said the Houthis made their own decisions.

"We warn our enemies that Iran will respond decisively and destructively if they carry out their threats," he told state media.

United Nations Secretary-General Antonio Guterres on Sunday called for "utmost restraint and a cessation of all military activities" in Yemen and warned new escalation could "fuel cycles of retaliation that may further destabilise Yemen and the region, and pose grave risks to the already dire humanitarian situation in the country," his spokesperson said in a statement.

US Secretary of State Marco Rubio told CBS News' "Face the Nation" program: "There's no way the ... Houthis would have the ability to do this kind of thing unless they had support from Iran. And so this was a message to Iran: don't keep supporting them, because then you will also be responsible for what they are doing in attacking Navy ships and attacking global shipping."

Russian Foreign Minister Sergei Lavrov called Rubio to urge an "immediate cessation of the use of force and the importance for all sides to engage in political dialogue," Moscow said.

Five children and two women were amongst the 53 people killed in the US strikes, said Anees Alsbahi, spokesperson for the Houthi-run health ministry. Another 98 people were injured, the ministry said.

Everything was coming down on us: Survivors recount weekend of deadly US storms

A series of deadly tornadoes and storms swept across multiple US states, leaving 37 dead and causing widespread devastation.

world. Unusually severe weather swept across multiple US states over the weekend, unleashing violent tornadoes, blinding dust storms, and fast-moving wildfires, leaving at least 37 people dead.

Amongst those affected was Hailey Hart and her fiance, Steve Romero, who took shelter in their 1994 Toyota Celica as a tornado tore through their home in Tylertown, Mississippi, on Saturday. Romero recounted praying aloud and clinging to Hart as their car rolled onto its side, its windows shattering, before settling back on its wheels. As the storm passed, they heard neighbours screaming for help.

"It was a bad dream come true," Romero said.Next door, Hart's grandparents, who had sought shelter in their bathroom, miraculously survived as trees collapsed onto their roof. "Everything was coming down on us," said Donna Blansett, Hart's grandmother. "All I could do was pray to God to save us."Despite escaping with only minor injuries, they returned the next day to sift through

the wreckage, salvaging what little they could damp clothes, a photo album, and toiletries. Through tears, Hart embraced her grandmother, saying,"I am so happy you are alive."

The National Weather Service reported that most tornado watches had expired by Sunday, but dangerous winds persisted across the Carolinas, eastern Georgia, and northern Florida. The storm, which began on Friday, was classified as a "high risk" event by meteorologists, a rare designation indicating extreme weather conditions.

President Donald Trump took to his social media platform, expressing his administration's readiness to assist affected communities." Please join Melania and me in praying for everyone impacted by these terrible storms!" he posted on Sunday.In Alabama, at least three people, including an 82-year-old woman, lost their lives as multiple tornadoes swept through the state. In Troy, officials closed a recreation centre that had served as a storm shelter for over 200 residents due to damage sustained overnight. Fortunately, no injuries were reported."We are thankful the Lord provided protection over our community, and over 200 guests at the Recreation Centre storm shelter on Saturday night," the Troy parks department stated.Authorities continue to assess the full extent of the devastation as rescue and recovery efforts are underway across the hardest-hit areas.

Zelenskyy appoints Andrii Hnatov as new chief of general staff amid Kursk conflict

world. Ukraine President Volodymyr Zelenskyy on Sunday appointed Andrii Hnatov as the new Chief of the General Staff of Ukraine's Armed Forces, as the country looks to restructure and strengthen its military amid ongoing combat in Russia's Kursk region and increasing pressure in Donetsk.

Hnatov replaced Anatoliy Barhylevych, who held the position since February 2024. The appointment was announced by the General Staff via its Telegram channel on Sunday."We are systematically transforming the Armed Forces of Ukraine to enhance their combat effectiveness," Defense Minister Rustem Umerov said.Barhylevych will now serve as the General Inspector of Ukraine's Defense Ministry. Umerov emphasized that Barhylevych would "remain part of the team," overseeing military standards and strengthening discipline in the army.Oleksandr Syrskyi remains in place as Commander-in-Chief of Ukraine's Armed Forces.Zelenskyy has made frequent personnel

changes within the Ukrainian government and military since Russia launched its full-scale invasion in 2022.

This change in personnel comes as fighting continues in Russia's Kursk region, where Ukraine's General Staff said that Ukrainian troops had been involved in eight combat clashes on Sunday.Ukraine's army stunned Russia in August last year by attacking across the border and taking control of an estimated 1,300 square kilometers (500 square miles) of land, but Ukraine's forces are now in retreatmeaning Ukraine has all but lost a valuable bargaining chip, as momentum builds for a ceasefire with Russia. On Friday, Russia claimed control of Sudzha, the largest town that Ukraine had occupied in the Kursk region.Ukraine is also battling under growing pressure in its eastern Donetsk region, where Russian troops have been advancing for months.

Former US Rep. Nita Lowey dies at 87 after cancer battle

world. Former US Rep. Nita Lowey, a long serving New York Democrat who was the first woman to chair the powerful House Appropriations Committee, has died. She was 87.Lowey's family, in a statement shared by the Westchester County Democratic Committee, said she died Saturday after battling metastatic breast cancer with the "same tenacity and strength that she fought throughout her 32-year career in Congress for women, children and families."The family said she passed away peacefully in her home in Harrison, New York, surrounded by her husband, children and grandchildren. Gov. Kathy Hochul, a Democrat who served with Lowey in Congress, ordered flags flown at half-staff Sunday through Monday in honor of her former colleague."A public servant in the truest sense, she was guided by the Jewish core value of 'Tikkun Olam,' repairing the world," the family's statement read. "She was an indefatigable fighter and worked across the aisle to deliver results for her constituents and all Americans."Lowey represented suburban communities north of New York City, including parts of Westchester County and the Hudson River Valley.She was eected to Congress in 1988 and served until she opted to retire rather than seek reelection in 2020.In her decades i the House, Lowey pushed for federal funding to combat AIDS and for economic aid to developing nations.She supported women's health care and education initiatives and notably led a successful fight to provide contraception coverage to federal workers via their federal health insurance plans in the late 1990s under the Republican-controlled House.

"Frankly to have a job that I love so very much made this a very difficult choice," Lowey, who became chair of the House Appropriations Committee in 2018, told The Associated Press of her decision to retire. "But I just felt it was time."Connecticut US Rep. Rosa DeLauro, now the ranking Democrat on the appropriations committee, remembered Lowey Sunday as a "fierce negotiator and loyal public servant" who was "courageous, humorous, and tenacious with a smile that lit up even the darkest rooms."

She said Lowey was a tireless advocate on a range of important issues, from health care and the environment to after-school programs and public broadcasting.US Rep. Mike Lawler, a Republican who now represents Lowey's congressional district, praised her "bipartisan spirit, commitment to our community, and dedication to the country."Westchester County Executive Ken Jenkins said Lowey "championed integrity, honesty and the values of good government" and said she had been a "mentor, a friend and always a beacon of hope."

Lowey's family said a private funeral and burial will be followed by a memorial service at a later date.

Trump defies court order, deports over 200 Venezuelan gang members

world.. The Trump administration has deported alleged members of a Venezuelan gang from the United States despite a court order prohibiting such action, asserting in an extraordinary statement that a judge lacked the authority to block its decision.The deportation operation followed a ruling by Judge James Boasberg, who had blocked President Donald Trump's use of the Alien Enemies Act's wartime powers to rapidly deport more than 200 alleged members of Tren de Aragua, a Venezuelan gang linked to kidnapping, extortion, and contract killings."A single judge in a single city cannot direct the movements of an aircraft full of foreign alien terrorists who were physically expelled from US soil," White House Press Secretary Karoline Leavitt said in a statement.She added that the court had "no lawful basis" for its ruling and that federal courts generally have no jurisdiction over presidential actions related to foreign affairs.This development marks a significant escalation in Trump's challenge to the US Constitution's system of checks and balances and the independence of the judiciary.Patrick Eddington, a homeland security and civil liberties expert at the libertarian Cato Institute, stated that the White House was in "open defiance" of the judge."This is beyond the pale and certainly unprecedented," Eddington said, calling it the most radical test of America's system of checks and balances since the Civil War.In a Saturday evening hearing, Boasberg blocked the use of the law for 14 days, arguing that the statute pertains to "hostile acts" by a foreign state that are "commensurate to war."Boasberg also ordered that any flights carrying migrants processed under the law should return to the US.However, the following day, El Salvador's President Nayib Bukele posted footage on social media showing men

being removed from a plane at night under heavy security."Oopsie Too late," Bukele wrote above a headline stating, "Fed judge orders deportation flights carrying alleged Venezuelan gangbangers to return to the US."Bukele accompanied the comment with a laughing emoji. US Secretary of State Marco Rubio reposted Bukele's statement and thanked him for his "assistance and friendship."In her statement, Leavitt claimed that "the written order and the Administration's actions do not conflict" and reiterated that courts "generally have no jurisdiction" over the president's authority to "remove foreign alien terrorists from US soil and repel a declared invasion."While the Trump administration has variously described the Venezuelans as gang members, "monsters," or "alien terrorists," Reuters has not independently verified whether they have criminal records or gang affiliations.The US Department of Homeland Security and the Salvadoran government did not respond to requests for comment, while the State Department declined to comment.Reuters could not confirm the full extent of the deportation operations or the exact timing of Bukele's video.One of the planes in Bukele's footage bore the tail number N837VA, belonging to Global Crossing Airlines, which had departed on Saturday from an airfield in Texas previously used for deportations, according to FlightRadar24 data.

NEWS BOX

Liverpool boss Arne Slot calm despite League Cup loss: Part of playing football

New Delhi. Liverpool manager Arne Slot is calm despite seeing his side lose the League Cup final to Newcastle United on Sunday, March 16 to end a woeful week. Liverpool were beaten 2-1 by Newcastle in the final at Wembley as the week saw them miss out on two titles.

Liverpool lost their Champions League Round of 16 tie to PSG via a penalty shootout as their treble hopes quickly evaporated. Despite this, Liverpool are still the favourites to win the Premier League title as they have a lead of 12 points. Slot sees this as a positive in an otherwise lacklustre week as he felt the back-to-back losses is just part of the game at the end of the day."We are here, one of the biggest clubs in the world, Liverpool, but it's not for the first time in their history or in the last two seasons that they've lost two games. This is part of playing football," he told reporters at Wembley, as quoted by Reuters."It was a tough week, but it was also a week where we extended our (Premier League) lead to 12 points from maybe 10. So it wasn't all negative but, yeah, the last two were definitely not the way we wanted it to be."

Liverpool were flat in the final against Newcastle United but Slot was reluctant to admit that his side was outplayed on the day. However, the Dutch tactician said that Newcastle deserved to win the game in the end."I prefer to look at how the game went and this game went exactly the way they

wanted it to be," he said."A fight with a lot of duels and a lot of duels through the air. And if we play 10 times a game of football through the air against them, they win it nine times because they are a stronger team through the air than us."

'It's part of football'

Many wonder if the Liverpool side does have the will power to keep hold of their lead in the Premier League as the 2 losses have taken the shine off Slot's wonderful campaign. The Liverpool boss reiterated that such defeats are part of the game at the end.

"It's part of football," he added. "If you face strong teams, you can lose as well, but ideally you go through the whole season only winning, winning, winning. But yeah, it can happen that you also lose twice in a row.

Dan Burn, Alexander Isak guide Newcastle to League Cup triumph over Liverpool

Newcastle beat Liverpool 2-1 in the League Cup final riding on Dan Burn and Isak Alexander's goal to win their first major domestic trophy in 70 years.

New Delhi. Newcastle United ended a 70-year domestic trophy drought as they beat Liverpool 2-1 to win the League Cup with goals in each half by Dan Burn and Alexander Isak sparking a Geordie party at Wembley Stadium on Sunda

Local hero Burn gave Newcastle a deserved lead in the 45th minute when the defender thumped in a header from a corner. Roared on by a sea of fans clad in black and white, Newcastle took complete control of the match seven minutes after the break when Swedish forward Isak swept a shot past Liverpool keeper Caoimhin Kelleher.

Premier League leaders Liverpool finally mustered a response when Federico Chiesa halved the deficit in stoppage time but the damage was done and the day belonged to Eddie Howe's Newcastle who won the club's first domestic trophy since 1955. Following his team's historic triumph, Newcastle United captain Bruno Guimaraes called it the best day of his life and dedicated the victory to their fans."It's all for these fans. They deserve everything. When I first came here I said I wanted to put my name in history," Brazil midfielder Guimaraes said.

"We can now say we are the champions again...

"I don't have any words. It's the best day of my life. For them (the fans) it's like the World Cup. People have grown up and not seen us as champions. My first year as captain of this club and it's one of the best days. This is unbelievable."This is my secondhome. We are making history. Some day when I leave this club I want the fans to sing my name the way they do to (former Newcastle captain Alan) Shearer. He texted me before the game. I'm so emotional today."

Wanted to retire after playing my 100th Test, had even invited MS Dhoni: R Ashwin

New Delhi. Former India all-rounder Ravichandran Ashwin recently revealed that he wanted to retire after playing his 100th Test match and had even invited MS Dhoni for the grand occasion. Ashwin made his 100th appearance in Test cricket during the fifth game against England in March 2024 at the Himachal Pradesh Cricket Association Stadium in Dharamsala.

The off-spinner brought his A-game to the fore in his special Test as he scalped nine wickets in the match to help India win by an innings and 64 runs and seal the series 4-1.

Recently, Ashwin made the shocking revelation that he wanted to bid adieu to the game following his landmark Test and even wanted Dhoni to present him his special memento for the game. However, the former India captain couldn't make it.

I called MS Dhoni for my 100th Test in Dharamshala to hand over the memento. I wanted to make that my last Test. But he couldn't make it. However, I didn't think he would give me the gift of getting me back to CSK. It's a much better one. So, thank you,

MS, for doing it. I'm glad to be here," Ashwin was quoted as saying by Hindustan Times.Furthermore, Ashwin recalled his maiden season with the Chennai Super Kings (CSK) in the Indian Premier League (IPL) and said that he would forever remain indebted to Dhoni for the opportunities."In 2008 I met all the greats (in CSK dressing room) Mathew Hayden and MS Dhoni. I sat through (IPL) 2008. I was a nobody then, where am I to play in a team that had Muttiah Muralitharan. I am indebted to Dhoni for the rest of my life for what he gave me. He gave me an opportunity with the new ball to go head on with Chris Gayle and 17 years later Anil bhai would be talking about the same episode," he added.

Ashwin will be returning to CSK after eight seasons, having last played for the franchise back in 2015. The off-spinner was bought for Rs 9.75 crore by the five-time champions and will be re-uniting with his long-time spin partner Ravindra Jadeja in the team.

Delhi Capitals' bowling attack is the best I've been a part of in IPL: Mohit Sharma

New Delhi Seamer Mohit Sharma has rated the current bowling attack of the Delhi Capitals (DC), the best he's ever been a part of in IPL history. Mohit was bought by Delhi for Rs 2.20 crore in the mega auction for the upcoming edition after being released by Gujarat Titans. At Delhi, the right-arm seamer will join forces with Mukesh Kumar, T Natarajan, Mitchell Starc and Dushmantha Chameera in the pace attack.In the spin department, captain Axar Patel and Kuldeep Yadav, who recently played key roles in India's Champions Trophy triumph, will do the job of choking the opposition in the middle overs. Being asked if it was the best bowling attack he's ever been a part of in IPL, Mohit had no hesitation in saying yes. He also mentioned that their overall success will depend on how they come together as a unit and execute their plans.

"On paper yes, but we will get the clear picture after stepping onto the ground. How we will perform as a unit and will execute our plans. I don't really go by what's on paper, it' a different scenario at the moment, all ten teams right now look good. The first ten days will be really crucial for us to come together as a unit and execute our plans. It's a great unit, but a player only becomes great after executing his plans," Mohit told India Today.Furthermore, the 36-year-old also shared his views on the Impact Substitute rule, saying, unlike other bowlers, he has no problems with it as it creates an opportunity for Indian players.

"I don't have any problem with it. If an extra player is playing that it's great for Indian cricket. It's great entertainment, keep it going," he added.Mohit made a remarkable comeback to the IPL in the 2023 edition as he finished as the second-highest wicket taker of the edition with 27 wickets to his name from 14 matches. However, he couldn't quite replicate his performance last season, where he scalped 13 wickets and leaked runs at an economy of 10.89. The 36-year-old will be eager to make another roaring comeback this season and help Delhi qualify for the playoffs after four seasons.

IPL 2025: LSG optimistic that Mayank Yadav will join squad around April 2nd week

New Delhi. Lucknow Super Giants are optimistic that pace sensation Mayank Yadav will join the squad around April 11 or 12 as he continues to step up his recovery from injury. Reports earlier in the month had stated that Mayank was still recovering from a lumbar stress injury. After making his debut for India in the T20I series against Bangladesh last year, the pacer underwent rehabilitation at the BCCI's Centre of Excellence in Bengaluru and recently started bowling once again.

It was reported that Mayank is expected to miss the first half of the IPL 2025 season and the latest update states that the 22-year-old will join the LSG squad on April 11 or 12. A source close to the situation told Sports Tak, India Today's sister channel, that Mayank is doing well in the nets and is showing match readiness. The only thing that LSG are looking for is clearance from the Centre Of Excellence, which will allow the pacer to link up with the squad.

The source said that the franchise is hopeful that Mayank will be with the squad soon. If Mayank joins the LSG squad by April 11 or 12, it will mean that he will miss atleast the first 7 matches, including clashes against Delhi Capitals, Mumbai Indians, Kolkata

Knight Riders and Chennai Super Kings.

Mayank's issues with injuryMayank came into the spotlight with his impressive performances in the IPL 2024 season, where he caught the eye of everyone during his first two matches. After picking up 3 wickets in his debut match against Punjab Kings, the 22-year-old followed it up with a Player Of The Match performance at the Chinnaswamy stadium against Royal Challengers Bengaluru. However, a side strain ended up limiting his appearances in the season.

Despite this, LSG decided to put their faith in the young speedster and retained him for 11 crore rupees. LSG mentor Zaheer Khan stated recently that the franchise wants Mayank to be '150 percent fit.'"As much as we are keen on having him [play IPL 2025], we want him 150 per cent fit not just 100 per cent fit so we will do everything possible to get him there," said Zaheer.

Yuvraj Singh, Tino Best get involved in heated face-off during IML final

Legendary India all-rounder Yuvraj Singh and West Indies fast bowler Tino Best got involved in a heated face-off during the final of International Masters League between the India Masters and the West Indies Masters.

New Delhi. Legendary India all-rounder Yuvraj Singh and former West Indies fast bowler Tino Best were seen getting involved in a heated face-off during the final of the International Masters League T20 on Sunday, March 16 at Shaheed Veer Narayan Singh International Stadium, Raipur. India Masters beat West Indies Masters in the summit clash to clinch the title in the inaugural edition of the tournament.During the second innings of the game, Yuvraj and Tino had a verbal altercation after the 13th over as the West Indies speedster wanted to go off the field after completing his over.

However, Yuvraj informed the umpire about the issue and Tino had to return to the field, which irked him.

As a result, he walked towards Yuvraj and got involved in a verbal spat as the duo were seen pointing fingers at each other and hurling some fiery words. Seeing the situation intense getting intense, the umpires and West Indies Masters captain Brian Lara had to intervene to calm them down.Yuvraj went on to play an unbeaten knock of 13* (11) as he took his team over the finishing line helping them chase down 149 in 17.1 overs. The Indian chase was set up by a brilliant opening stand between Ambati Rayudu and captain Sachin Tendulkar, who added 67 runs for the first wicket off 47 balls.Tendulkar played a quick-fire cameo of 25 (18) showing glimpses of his vintage self while Rayudu held one end got the team on the verge of a win with his sublime innings of 74 (50). Earlier in the day, West Indies Masters posted 148/7 in their allotted 20 overs after opting to bat first riding on brilliant knocks from Lendl Simmons (57 off 41) and Dwayne Smith (45 off 35).

Vinay Kumar was the pick of the bowlers from India with figures of 3/26 in three overs while Shahbaz Nadeem (2/12) also scalped two wickets. Ambati Rayudu was adjudged Player of the Match in the final for his match-winning innings.

17-year-old Mirra Andreeva shocks World No. 1 Sabalenka to win Indian Wells crown

Russia's teenage star Mirra Andreeva edged past world number one Aryna Sabalenka to win the Indian Wells final. The 17-year-old beat the three-time Grand Slam champion 2-6 6-4 6-3.

New Delhi. Russian teenager Mirra Andreeva fought back to overcome world number one Aryna Sabalenka 2-6 6-4 6-3 in the Indian Wells final on Sunday, winning a second WTA 1000-level event in a row to keep her charmed year on track.

The 17-year-old Andreeva, the youngest women's finalist at the tournament in 24 years, had found her form midway through the match and crumpled to the ground in celebration after closing it out with a forehand winner.Top seed Sabalenka got herself out of a slump to bring some of her best tennis to the California desert this year but her form unravelled in the final and she was left to rue missed opportunities.Andreeva had lost to Sabalenka twice this year and it looked as though the pattern would repeat itself as the hard-hitting Belarusian sent a backhand winner down the line on break point in the fourth game.

A visibly frustrated Andreeva sent a shot into the net on break point in the eighth but regained her poise in the second set, where she broke Sabalenka with a forehand winner in the third game and fended off two break points in the sixth.

After trading breaks to open the third set, Sabalenka's errors began to pile up and she fired into the net on break point in the third game to give the ninth-seeded Russian the advantage.

Alia Bhatt

Tells Kareena Kapoor How She Lost Postpartum Weight After Raha's Birth: 'Breastfeeding Makes You...'

After their beautiful wedding, Alia Bhatt and Ranbir Kapoor welcomed their first child, a daughter named Raha, in 2022. Shortly after becoming a mother, Alia quickly returned to her career. She got back into shape and soon joined the sets of Rocky Aur Rani Kii Prem Kahaani (2023) to shoot the stunning song Tum Kya Mile with Ranveer Singh. In the song, inspired by classic romantic tunes, Alia looked radiant in chiffon sarees as she danced on the snow-covered mountains of Kashmir.On Kareena Kapoor Khan's talk show, Alia Bhatt was asked how she lost the postpartum weight before her shoot. In a clip that resurfaced, she said it wasn't easy. She explained that while eating healthy, she was breastfeeding for a long time, so she couldn't follow a strict diet. She also mentioned that breastfeeding helped burn calories.

It was not easy, of course. Nothing is easy. But honestly, again people will think that I'm just saying this, but while I was doing everything like eating healthy, I was still feeding. I was breastfeeding for a very long time so I couldn't go on some crazy strict diet or anything like that. And I could only start working out properly after 12 weeks. Breastfeeding actually makes you burn a lot of calories, that I think did half of it. And then in general my choices, even during pregnancy, were not like I was eating sugar everyday and all of that. I was eating little more than I usually eat, or more than I usually eat. By the end of it I was like 'no food is feeling enough for me'. But my choices are naturally healthy."

Meanwhile, on the work front, Alia Bhatt was last seen in Vasant Bala's action-packed Jigra with Vedang Raina. She is currently shooting at night for Sanjay Leela Bhansali's Love and War, also starring Ranbir Kapoor and Vicky Kaushal. She also recently shot for Alpha with Sharvari and Bobby Deol. Alpha will be YRF's standalone female spy-thriller.

Avinash Mishra's

Rumoured GF Bhavika Drops Cryptic Post Amid His Dating Buzz With Eisha Singh: 'Loyalty Isn't...'

Avinash Mishra and Eisha Singh, who shared a strong connection on Salman Khan's Bigg Boss 18, continue to grab attention even after the show wrapped up. From the very first week, their close bond was the talk of the show and they were inseparable, leading to rumours that they were in a romantic relationship.Meanwhile, TV actress Bhavika Sharma was rumoured to be dating Avinash Mishra. However, his close bond with Eisha Singh sparked rumours of him cheating on Bhavika. While Avinash shared his feelings on the show, Eisha said they were just friends. Bhavika recently posted a cryptic message about 'loyalty' that left fans wondering about their relationship status.

On Saturday, Bhavika shared a mirror selfie on her Instagram story, wearing a yellow outfit. In the caption, she wrote, "Turns out, loyalty isn't forever But looking good? That's forever."Fans saw that Bhavika unfollowed Avinash on Instagram, but he still follows her. When rumours about Bhavika came up, Avinash replied, saying he is single. He added, "I know one name is doing the rounds, and I'm okay with being dragged with one name. If it were five or six, that would've been a problem. But there's no truth to these rumours. What I am doing here is genuine."

The rumours about Avinash and Bhavika reportedly began because the sets of Avinash's TV show were near the sets of Ghum Hai Kisikey Pyaar Meiin. Despite their pictures together and the speculation, neither Avinash nor Bhavika ever confirmed their relationship.Speaking about their stint in the Salman Khan-hosted reality show, the duo was among the top 6 contestants of the season. Both Avinash and Eisha became fan favourites during their Bigg Boss journey. Although they couldn't clinch the win, Eisha finished as the sixth runner-up, while Avinash secured the fourth position. Karan Veer Mehra took home the trophy of Bigg Boss 18, and Vivian Dsena was the first runner-up.

Cancer Patient Hina Khan Shares Pic Of Her Discoloured Nails, Calls It 'Side Effect Of Chemotherapy'

Television actress Hina Khan, who is quite vocal about her battle with stage 3 breast cancer, shared another glimpse of the tough journey she is enduring. In her latest Instagram story, the actress posted a picture of her discoloured nails, calling it a "side effect of chemotherapy." The image, showing Hina's darkened and brittle nails, revealed the toll chemotherapy takes on the body. Khan disclosed that she has not painted her nails as many people think so, but her nails have been discoloured due to chemotherapy.

Hina wrote, "Ok a lot of you asking about my nails, including some people in my building..I am not wearing any nail polish hahahhaha..How can I pray with a nail paint on. Thoda Dimaag Lagaao mere pyaare saathiyon."

She further added, "Nail discolouration is one of the most common side effect of chemotherapy..My nails have become brittle, dry and, some times lift up from the nail bed..But But Buthhth…You know what's the good part…All of this is temporary..And remember we are healing…Alhamdullilah."

Meanwhile, Hina recently embraced the spirit of Ramadan as she proudly completed her first Roza of 2025 and shared snippets of her day—from waking up for sehri to the peaceful moment of breaking her fast at iftaari. Dressed in a beautiful green salwar kameez, with delicate matching jhumkas, she looked every bit graceful.Hina gave a glimpse of her mouth-watering iftaari spread, posing with some delicious treats that looked straight out of a festive feast. The heartwarming pictures also featured her sharing the special moment with her mother."Ramadan Mubarak…Kaisi lag rahi hoon…Day 1: Sehri se iftaari tak ka khoobsurat safar.. Alhamdullilah…Dua mai yaad rakhiyega", she captioned the post.

Hina Khan first revealed her cancer diagnosis in June 2024, vowing to fight it with courage. Since then, she has continued to update her followers, shedding light on the mental, emotional, and physical challenges that come with the disease.

IPL 2025 Opening Ceremony: Shraddha Kapoor, Varun Dhawan And Arijit Singh To Perform At Eden Gardens

The 18th season of the Indian Premier League will begin on March 22 at Eden Gardens in Kolkata, with the exciting opening match between Kolkata Knight Riders (KKR) and Royal Challengers Bangalore (RCB). However, the IPL 2025 opening ceremony will bring more than just cricket to the spotlight.Bollywood stars Shraddha Kapoor and Varun Dhawan are set to dazzle the audience with a high-energy performance at the star-studded event. Shraddha, riding on the success of her film Stree 2, will be joining her ABCD 2 co-star Varun to kick off the season with a bang. The ceremony promises to be an unforgettable blend of glitz, glamour and excitement.

Arijit Singh will also perform at the ceremony, singing his popular songs. His performance will be a big highlight and will add to the excitement at the iconic Eden Gardens.

IPL 2025

The excitement will build as the opening ceremony leads into the first match of IPL 2025. On March 22, the much-awaited match between Kolkata Knight Riders and Royal Challengers Bangalore will kick off a month-long cricket celebration. With its mix of stars, cricket, and entertainment, IPL always delivers, and this year's opening will be no different.

The IPL 2025 tournament will run until May 25, ending with a grand finale. With teams from all over the world competing, the competition will be fierce, and fans are already excited.

As the countdown to the IPL 2025 opening ceremony begins, all eyes are on Kolkata, where an unforgettable night of performances and exciting cricket action is set to take place. The combination of thrilling matches and dazzling entertainment is sure to make this IPL season one to remember.

IPL 2025 players

Players like Virat Kohli, Shubman Gill, and Rohit Sharma will be key to their teams' success, bringing their extensive experience and batting prowess to the tournament. In addition to these established names, Rashid Khan from Gujarat Titans and Jofra Archer from Mumbai Indians will be crucial in the bowling department.